



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रापिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 32]

नई विल्ली, शनिवार, अगस्त 8, 1981 (श्रावण 17, 1903)

No 32]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 8, 1981 (SRAVANA 17, 1903)

इस मांग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड ।

[PART III—SECTION 1]

उच्च स्थायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई, दिल्ली-110011 दिनांक 8 जून 1981

सं० ए० 11016/1/76—प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग में कें० स० स्ट० स० के स्थायी ग्रेड I अधिकारी श्री एम० सौ० खुगाना को राष्ट्रपति द्वारा 1-6-1981 से 4-7-1981 तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डैस्क अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. डैस्क अधिकारी के पद पर उनकी नियुक्ति हो जाने पर श्री एम० सौ० खुगाना को कार्यिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 12/1/74—सी० ए० (1) दिनांक 11-12-1975 की घर्तों के अनुमार रु० 75 प्र० मा० को दर में विशेष बेतन प्रदान किया जाएगा।

य० रा० गांधी,

प्रबन्ध सचिव (प्रशा०)

संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

का० ए० प्र० सु० विभाग/
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

नई विल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1981

सं० ए०—19036/3/76—प्रशा० सन-5—तमिलनाडु पुलिस में केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो में पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त श्री वी० ए० एन० श्री निवास राव की सेवाएं दिनांक 30-6-1981 के अपराह्न में तमिलनाडु सरकार को वापस सौंप दी गई हैं।

दिनांक 18 जुलाई 1981

सं० ए०—19013/1/81—प्रशा० सन-5—राष्ट्रपति अपने प्रमाद से श्री बज्रंग लाल, भारतीय पुलिस मेवा (राजस्थान-1953 को दिनांक 13-7-1981 के प्रवाह में आगले आदेश तक के लिए संयुक्त निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो ए० पुलिस विशेष महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना के रूप में नियुक्त करने हैं।

सं० ए० 35018/15/79—प्रशा०—I—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, ग्रामदङ्कारा,

श्री शिवशंकर मुखर्जी, पुलिस निरेक्षक, पश्चिम बंगाल को दिनांक 5-6-1981 के पूर्वाह्नि से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, सामान्य अपराध स्कंध, कलकत्ता में अस्थाई रूप में प्रतिनियुक्त पर पुलिस निरेक्षक नियुक्त करते हैं।

की० ला० ग्रोवर,
प्रशासनिक अधिकारी (स्थान)
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110022, दिनांक 26 जून 1981

सं० ओ० दो० 1445/79-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा० (श्रीमती) ज्योत्सना त्रिवेदी को 3 जून 1981 के पूर्वाह्नि से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० ओ० दो० 1581/81-स्थापना—राष्ट्रपति जी, डा० किशोर सेन लशकर को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० छी० ओ० ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 25 मई, 1981 के पूर्वाह्नि से, डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाए जाने की शर्त पर, नियुक्त करते हैं।

सं० ओ० दो०-1582/81-स्थापना—राष्ट्रपति जी, डा० के० अपलाचारपूल को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ट्यूटी आफिसर ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 29 मई 1981 के पूर्वाह्नि से, डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाए जाने की शर्त पर, नियुक्त करते हैं।

दिनांक, 14 जुलाई 1981

सं० ओ० दो०-1585/81-स्थापना—राष्ट्रपति जी, डा० (श्रीमती) कमलेश सैनी को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ट्यूटी आफिसर ग्रेड-2 (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 30 जून 1981 के अपराह्नि से, डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाए जाने की शर्त पर, नियुक्त करते हैं।

दिनांक, 16 जुलाई 1981

सं० ओ० दो०-176/69-स्थापना—श्री आहौ० जयसिंहमहा ने अपने सरकारी सेवा जो कि 2 साल दिनांक 1-7-1979 से 30-6-1981 तक बढ़ाए गए थे, की समाप्ति पर, कमान्डेट, प्रूप केन्द्र, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, अवैडे (मद्रास) के पद का कार्यभार दिनांक 30-6-1981 (अपराह्नि) को स्थाग दिया है।

सं० ओ० दो० 660/71-स्थापना—श्री एस० पैरियास्वामी ने सरकारी सेवा में निवृत्त होने के फलस्वरूप, सहायक

कमान्डेट, 51 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस के पद का कार्यभार दिनांक 30-6-1981 (अपराह्नि) से स्थाग दिया है।

सं० ओ० दो०-1583/81-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (कुमारी) राजाश्री नायक को 30-6-1981 के पूर्वाह्नि से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक, 17 जुलाई 1981

सं० ओ० दो० 1586/81-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (कुमारी) अर्चना चौधरी को 5-7-1981 के पूर्वाह्नि से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक, 18 जुलाई 1981

सं० पी० VII-7/80-स्थापना-I—राष्ट्रपति, सूबेदार मेजर राम स्वरूप को कम्पनी कमान्डर/कवांदिर मास्टर का अवैतनिक पद अस्थाई रूप में अगले आदेश जारी होने तक देते हैं।

2. उन्होंने इस पद का कार्यभार सी० टी० सी०-2, के० रि० पु० बल में 8-7-1981 (पूर्वाह्नि) को संभाल लिया है।

ए० के० सूरी,
सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशक का कार्यालय केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 14 जुलाई 1981

सं० ई-28013/1/81-सा० प्रशा०-2—समय से पूर्व निवृति के अनुरोध के स्वीकार होने पर, महानिदेशक, के० ओ० सु० ब० कार्यालय, नई दिल्ली के अनुभाग अधिकारी श्री को० ई० पीटर 5 जून 1981 के पूर्वाह्नि से मेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक, 18 जुलाई 1981

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक—गुडगांव को स्थानांतरण होने पर, श्री आर० पी० दुबे ने 28 मई, 1981 के अपराह्नि से महायक कमान्डेट, के० ओ० सु० ब० यूनिट, ब०० एस० एल० बोकारो, के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक—दुर्गापुर से स्थानांतरण होने पर श्री एन० जी० सुकुल ने 8 जून, 1981 के पूर्वाह्नि

में सहायक कमांडेंट, के० औ० सु० ब० यूनिट, एम० पी० ई० मंत्रालय के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक—सरिया से स्थानांतरण होने पर, श्री एस० के० बनर्जी ने 1 जून, 1981 के पूर्वाह्न से, सहायक कमांडेंट, के० औ० सु० ब० यूनिट एक० सी० आई० सिन्दरी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(4)/7/81-कार्मिक—हरिहार से स्थानांतरण होने पर श्री आर० आर० भारद्वाज ने 19 मई, 1981 के पूर्वाह्न से सहायक कमांडेंट के० औ० सु० ब० यूनिट मुख्यालय, नई दिल्ली के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक—दुर्गापुर से स्थानांतरण होने पर श्री आर० एम० दास ने 15-5-1981 के पूर्वाह्न से सहायक कमांडेंट, के० औ० सु० ब० यूनिट एम० एफ० एल० मंत्रालय के पद का कार्यभार संभाल लिया और छन्दू की स्थानांतरण होने पर श्री पी० के० पी० नायर ने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक—पदोन्नति पर, श्री एस० एस० पठानिया ने 10 जून, 1981 के अपराह्न से सहायक कमांडेंट, के० औ० सु० ब० यूनिट, बी० आई० एल० भिलाई के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सुरेन्द्र नाथ,
महानिदेशक

श्रम मंत्रालय

(श्रम व्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक 1 अगस्त 1981

सं० 23/3/81-सी० पी० आई०—जून 1981 में श्रीद्वयिक अभिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) मई, 1981 के स्तर से 6 अंक बढ़ कर 439 (चार सौ उन्तालीस) रहा। जून 1981 मास का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 534 (पाँच सौ छाँतीस) आता है।

टी० योगानन्द,
कृते (ए० एस० भारद्वाज)
निदेशक

वित्त मंत्रालय

(ग्राहिक कार्य विभाग)

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 20 जून 1981

सं० बी० एन० पी०/जी०/4/79—निम्नलिखित स्थायी नियंत्रण निरीक्षकों को बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में उपनियंत्रण अधिकारी के पद पर रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-850-1000-द० रो०-40-1200 रु० समूह 'ख' राजपत्रित के वेतनमान में अल्पावधि की अवकाश

रिक्ति में तदर्थं आधार पर नियुक्त किया जाता है नियुक्ति की अवधि उनके नाम के सम्बुद्ध दर्शाई गई है।

क्र०	नाम	अवधि
	सर्वेश्वी	
1.	एच० आर० शर्मा	12-5-81 से 26-6-81
2.	एस० बी० देशमुख	12-5-81 से 14-6-81

दिनांक 14 जुलाई 1981

नस्ती क्र० बी० एन० पी०/सी०/5/81—श्रीद्वयस्ताक्षरकर्ता श्री समरेन्द्र दास, स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (आफसेट प्रिंटिंग) को नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप से तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण) के पद पर रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 (समूह 'ख' राजपत्रित) के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय में दिनांक 30-6-1981 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक सहर्ष नियुक्त करते हैं। वह पहले से ही इस पद पर उस तिथि से तदर्थं आधार पर नियुक्त थे।

नस्ती क्रमांक बी० एन० पी०/सी०/5/81—श्रीद्वयस्ताक्षरकर्ता श्री व्याय, जनार्थनराव, स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (आफसेट प्रिंटिंग) को नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप से तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण) के पद पर रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 (समूह 'ख' राजपत्रित) के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में दिनांक 22-8-1980 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक सहर्ष नियुक्त करते हैं। वह पहले से ही इस पद पर उस तिथि से तदर्थं आधार पर नियुक्त थे।

मु० वै० चार,
महाप्रबन्धक

वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र विभाग

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 6 जुलाई 1981

सं० ई० एस० टी० 1-2(469)/3014—इस कार्यालय के श्री आर० वी० मनोहर, सहायक निदेशक, श्रेणी II, सेवा-नियुक्ति की आयु पूरी करते हुए, दिनांक 30-6-1981 अपराह्न से, सेवा से निवृत्त हो गए।

एस० रवीन्द्रन,
उप निदेशक (प्रशा०)

उद्योग मंत्रालय
 (श्रौद्धोगिक विकास विभाग)
 विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय
 नई दिल्ली-110 011, दिनांक 14 जुलाई 1981

सं० ए० 19018/228/75—प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति जी, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय के सहायक संपादक (श्रेणी) श्री जिनेश चन्द्र जैन को दिनांक 29 जून, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, उसी कार्यालय में उप निदेशक (प्रधार) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 जुलाई 1981

सं० ए०-19018/513/80/प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति जी, संयुक्त मुख्य नियंत्रक (आयात एवं निर्यात) कार्यालय, कलकत्ता के सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात श्री टी० के० चौधरी को दिनांक 30 जून, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय में उप निदेशक (निर्यात संबंधित) पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 जुलाई 1981

सं० ए०-12/516/66—प्रशा० (राज०)—इलेक्ट्रोनिक्स विभाग में संयुक्त निदेशक पद पर नियुक्ति होने पर श्री चंचल बसु ने दिनांक 28 फरवरी, 1981 (अपराह्न) को लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता के उप निदेशक (वैद्युत) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए०-19018/550/81—प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति जी, भारतीय सांस्कृतिक सेवा के ग्रेड-2 अधिकारी एवं श्रौद्धोगिक लागत एवं मूल्य व्यूरो के उप निदेशक श्री नन्द किशोर भट्टनागर को दिनांक 30 जून, 1981 (पूर्वाह्न) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय में निदेशक, ग्रेड-2 (उत्पादन सूचकांक) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 जुलाई 1981

सं० 12(7)/61—प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रकुल (कामनवेत्य) सचिवालय/सी० एफ० टी० सी० के अधीन सोलोमन द्वीपसमूह एवं बनातू में विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त होने पर श्री एस० पी० सिंगाराम ने दिनांक 30 जून, 1981 (अपराह्न) से इस कार्यालय के निदेशक, ग्रेड-2 (चर्म/पादुका) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सी० सी० राय
 उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 20 जुलाई 1981

सं० ए० 31013/9/77—प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति जी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, लुधियाना के उप निदेशक (हौजरी)

श्री एस० एम० वार्ष्ण्य को दिनांक 27 प्रैल, 1976 से लघु उद्योग विकास संगठन में उप निदेशक (हौजरी) के पद पर स्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र पाल गुप्त
 उप निदेशक (प्रशा०)

विस्ट्रोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 4 जुलाई 1981

आदेश

सं० जी०-3(34) 1—गैस सिलेन्डर्स नियम 1981 की अनुसूची 1 में नियम 3(1) (क) के प्रतंगत प्रवत्त प्राधिकार द्वारा निम्नलिखित संशोधन किया जाता है।

1. मद सं० 4 के अंतर्गत दिए भारतीय मूल उत्पत्ति के सिलेन्डर्स के प्रकार तथा मानक को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया है:—

(क) सिलेन्डर्स आय एस : 3196 विनिर्देश के अनुरूप—
 निम्न दाव द्रवशील गैस के लिए वेल्डेड निम्न कार्बन स्टील, गैस सिलेन्डर्स जिनकी पानी की क्षमता 5 लिटर से अधिक हो—निम्नलिखित अनुमोदित विनिर्माताओं द्वारा विनिर्मित और भा० मा० स० या मुख्य नियंत्रक द्वारा अनुमोदित किसी अन्य युक्तियुक्त प्राधिकारी द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित:—

(1) भारत पम्प एंड कम्प्रेशर्स लिमिटेड, नैनी, इलाहाबाद।

(2) गेनोन प्रेशर बेसल्स लिमिटेड, बम्बई।

(3) हिन्दुस्तान जनरल इंडस्ट्रीज लिमिटेड, दिल्ली।

(4) हैदराबाद आलविन मेटल वर्क्स लिमिटेड, हैदराबाद।

(5) इंडियन गैस सिलेन्डर्स लिमिटेड, फरीदाबाद।

(6) कोसान मेटल प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, कलमेश्वर, जिला नागपुर।

(7) युनिभरसल सिलेन्डर्स लिमिटेड, अलवर।

(8) स्टैंडर्ड सिलेन्डर्स प्रा० लिमिटेड, गुडगांव।

(9) लार्सविन इंजीनियर्स प्रा० लिमिटेड, हैदराबाद।

(ख) सिलेन्डर्स आय एस : 7680 विनिर्देश के अनुरूप—
 वेल्ड किए हुए निम्न कार्बन स्टील गैस सिलेन्डर्स अभीनिया (अनर्हेक्स) गैस के लिए निम्नलिखित अनुमोदित विनिर्माताओं द्वारा विनिर्मित और भा० मा० स० या मुख्य नियंत्रक द्वारा अनुमोदित किसी अन्य युक्तियुक्त प्राधिकारी द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित:—

(1) भारत पम्प एंड कम्प्रेशर्स लिमिटेड, नैनी, इलाहाबाद।

(2) असको इंडस्ट्रीयल कार्पोरेशन, सोनीपत।

(ग) सिलेन्डर्स आय एस: 7681 विनिर्देश के अनुरूप—
बेल्ड किए हुए निम्न कार्बन स्टील गैस सिलेन्डर्स
क्लोरिन गैस के लिए—निम्नलिखित अनुमोदित
विनिर्माताओं द्वारा विनिर्मित और भा० मा० सं०
या मुख्य नियंत्रक द्वारा अनुमोदित किसी अन्य
युक्तियुक्त प्राधिकारी द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित :—

(1) भारत पम्प पृष्ठ कम्प्रेशर्स लिमिटेड, नैनी,
इसाहाबाद ।

(ज) सिलेन्डर्स आय एस: 7285 विनिर्देश के अनुरूप—
सिमलेस मंगनीज स्टील सिलेन्डर्स स्थाई तथा उच्च
दाब द्रवशील गैसेस के लिए—निम्नलिखित अनु-
मोदित विनिर्माताओं द्वारा विनिर्मित और भा० मा० सं०
या मुख्य नियंत्रक द्वारा अनुमोदित किसी अन्य
युक्तियुक्त प्राधिकारी द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित :—

(1) भारत पम्प पृष्ठ कम्प्रेशर्स लिमिटेड, नैनी,
इसाहाबाद ।

(2) एवरेस्ट कान्टो सिलेन्डर्स प्राइवेट लिमिटेड,
ओरंगाबाद ।

2. मद सं० 11 के अंतर्गत दिए पश्चिम जर्मन मूल के
सिलेन्डर्स—के प्रकार तथा मानक को निम्नलिखित से प्रति-
स्थापित किया है ।

(क) सिलेन्डर्स विनिर्देश के अनुरूप—बी० एस० : 1045
गृह विभाग “एस” तथा “टी” स्थाई गैस के लिए
तथा बी० एस० : 401 बी० : एस० 1287, बी०
एस: 1288 द्रवशील गैसेस के लिए—निम्नलिखित
अनुमोदित विनिर्माताओं द्वारा विनिर्मित और
लायड्स या ब्यूरो वेरीटास या मुख्य नियंत्रक
द्वारा अनुमोदित किसी अन्य युक्तियुक्त प्राधिकारी
द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित :—

(1) इंडस्ट्री वर्क कलर्सर्स अॅन्सबर्ग ए० जी०
कलर्सर्सर्ही (आई० डब्ल्यू० के० ए०)

(2) मानेसमन पश्चिम जर्मनी ।

(ख) जर्मन दाब गैस नियमन के अनुसार विनिर्मित
सिलेन्डर्स के अनुरूप—कलर्सर्सर्ही ऑफिस वर्ग ए० जी०
कलर्सर्सर्ही (आई० डब्ल्यू० के० ए०) के द्वारा वि-
निर्मित तथा लाइसेन्स, बिल्यू वेरीटास या मुख्य
नियंत्रक द्वारा अनुमोदित किसी अन्य युक्तियुक्त
प्राधिकारी द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित—

3. भारतीय मूल उत्पत्ति पात्र के प्रकार तथा मानक के
अंतर्गत मद 1 (सी) के पास्चात् निम्नलिखित को जोड़
दिया जाए :—

(घ) टोन पात्र निम्न दाब द्रवशील गैस सेवा के लिए
बी० एस० : 1515 के अनुरूप निम्नलिखित अनु-

मोदित विनिर्माताओं द्वारा विनिर्मित भारत हीवी
प्लेट तथा घेसलस लिमिटेड विशाखापटनम तथा
रिचर्डसन एण्ड क्रूडास (1972) लिं, बम्बई, ब्यूरो
वेरीटास द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित—

4. व्हाल्व के प्रकार तथा मानक में निम्नलिखित जोड़ा
जाय :—

“बी० व्हाल्व आय० एस० : 8737 (भाग II) 1978
विनिर्देश के अनुरूप—5 लिटर पानी की क्षमता से अधिक
द्रवशील पेट्रोलियम गैस सिलेन्डर के साथ फिट किए
हुए निम्नलिखित अनुमोदित विनिर्माताओं द्वारा विनिर्मित
—भारतीय मा० सं० द्वारा निरीक्षित तथा प्रमाणित :—

- (1) कोसान मेटल प्रा० प्राइवेट लिं, कटालम सूरत ।
- (2) वनास इंजीनियर्स प्रा० लिं, पूता ।
- (3) बवा एसोशिएट्स प्रा० लिं, फरीदाबाद ।

चरणजीत लाल
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1981

सं० 5(291)/80/जे० ए०/भाग II—राष्ट्रपति निम्न-
लिखित अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी
तारीख में कनिष्ठ अन्वेषक के पद पर नियमित प्रतिनियुक्ति
के आधार पर नियुक्त करते हैं :

सर्वश्री

1. के० जे० सेठी	23-10-1980
2. एन० कृष्णामूर्ति	2-12-1980
3. एस० एस० नेगी	2-5-1981

(प्रधासन अनुभाग-1)

दिनांक 3 जुलाई 1981

सं० प्र-1/1(1177)/81—महानिदेशक, पूर्ति तथा निप-
टान एतद्वारा आपूर्ति तथा निपटान निदेशक मद्रास के
कार्यालय में अवर क्षेत्र अधिकारी श्री के० पी० ऊनीकृष्णन
को दिनांक 10 जून, 1981 के पूर्वाह्न से और आगामी आवेशों
के जारी होने तक पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय
में सहायक निदेशक (ग्रेड II) के रूप में तदर्थ आधार पर¹
स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं ।

2. श्री ऊनीकृष्णन को उनकी सहायक निदेशक (ग्रेड II)
के रूप में तदर्थ नियुक्ति से नियमित नियुक्ति का कोई हक
नहीं होगा और की गई तदर्थ सेवा उस ग्रेड में वरीयता के
लिए और पदोन्नति की पात्रता व स्थायीकरण के लिए नहीं
गिनी जाएगी ।

3. श्री ऊनीकृष्णन ने पूर्ति तथा निपटान निदेशक मद्रास
के कार्यालय में अवर क्षेत्र अधिकारी का पदभार 30-5-
1981 (अपराह्न) को छोड़ दिया और दिनांक 10-6-81

के पूर्वाह्न के पूर्ति निदेशक (वस्त्र) भंडार के कार्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड II) का पदभार संभाल लिया।

(प्रशासन अनुभाग-6)

दिनांक 14 जुलाई 1981

सं० ए०-17011/189/81—प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने निरीक्षण निदेशक, उत्तरी निरीक्षण मण्डल के कार्यालय के अधीन उप निदेशक निरीक्षण, कानपुर के कार्यालय में भंडार परीक्षक श्री सी० पी० श्रीवास्तव को दिनांक 8 जून, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) के पद पर पूर्णतः तदर्थे आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया गया है।

दिनांक 17 जुलाई 1981

सं० प्र-6/247(361)—निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में स्थाई सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) श्री एस० पी० गुप्ता दिनांक 4-5-1981 के अपराह्न से एफ० आर०-56 (जे०) के अधीन सरकारी सेवा से निवृत्त कर दिए गए हैं।

सं० ए०-17011/19/81—प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में भंडार परीक्षक (इंजीनियरी) श्री ए० टी० घोष को 12-6-1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियर) के रूप में नियुक्त किया गया है।

सं० ए०-17011/192/81—प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में भंडार परीक्षक (इंजीनियरी) श्री एस० के० पंडित को दिनांक 12-6-1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) के रूप में नियुक्त किया गया है।

दिनांक 18 जुलाई 1981

सं० ए०-17011/190/81—प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में भंडार परीक्षक (इंजीनियरी) श्री बी० एम० सरन को दिनांक 12-6-1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) के रूप में नियुक्त किया गया है।

सं० प्र०-1/1(1164)—पूर्ति तथा निपटान निवेशक, कलकत्ता के कार्यालय में अबर क्लैब अधिकारी श्री पारितोष घोष को दिनांक 6-6-1981 (अपराह्न) से आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय में सहायक निदेशक (मुकदमा) (ग्रेड II) के पद पर ₹ 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-100 द० रो०-40-1200 के बेतनमान

में पूर्णतः तदर्थे प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्त किया जाता है।

पी० डी० सेठ,
उप निवेशक (प्रशासन)
हृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात श्रीर खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 1981

सं० 4107 बी०/ए०-32013(एस० ओ०)/80/19 ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित भंडार अधीक्षकों (तकनीकी) को भंडार अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार ₹ 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के बेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है:—

क्र० सं०	नाम	नियुक्ति तिथि
1.	श्री एस० के० सिकदर	28-5-81 (पूर्वाह्न)
2.	श्री एन० गोड़	8-6-81 (पूर्वाह्न)
3.	श्री ए० के० घोष	10-6-81 (पूर्वाह्न)

बी० एस० कृष्णस्वामी,
महा निवेशक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 8 जुलाई 1981

सं० सी०-5740/724-एस० ओ० एस० (ए०)—श्री आर० के० राजमूर्ति, स्टोर सहायक दिनांक 11 मई, 1981 पूर्वाह्न से श्री बी० टीपो, सहायक भंडार अधिकारी के छुट्टी पर चले जाने से उन के स्थान पर सर्वेक्षक प्रशिक्षण संस्थान, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैदराबाद में सहायक भंडार अधिकारी (सा० सि० सेवा ग्रुप "बी") के पद पर ₹ 550-25-750-द० रो०-30-900 रुपए के बेतनमान में स्थानापन्न रूप में तदर्थे आधार पर नियुक्त किए जाते हैं।

के० एल० खोसला,
ले० जनरल
भारत के महासर्वेक्षक
(नियुक्ति प्राधिकारी)

राष्ट्रीय अधिकारी

नई दिल्ली—१, दिनांक 14 जुलाई 1981

सं० पत्र 11/9/80 (ए-१) इमट—मध्य लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर अभिलेख निदेशक भारत सरकार इसके द्वारा श्री शयामलेन्दु सेन गुप्ता को दिनांक 24 जून 1981 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश पर्यन्त नियमित अस्थाई आधार पर पुरानेकारी (सामान्य) द्वितीय वर्ग राजपत्रित नियुक्त करते हैं।

भीम सेन कालड़ा,
कृते अभिलेख निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 जुलाई 1981

सं० 10/86/75—एस०—तीन—श्री आर० सुब्बु राज, सहायक इंजीनियर पांडीचेरी को उनके इंस्ट्रुमेंटोनिक्स विभाग, भारत सरकार में वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी के रूप में चयन होने पर आकाशवाणी से 15-5-1981 (पूर्वाह्न) से कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

दिनांक 16 जुलाई 1981

सं० 10/23/79—एस० तीन—श्री पी० के० लोधे, ने संघीय लोक सेवा आयोग द्वारा उनका संचार मंत्रालय में शुप “ए” के पद के लिए चयन करने पर 28-5-1981 (अपराह्न) से आकाशवाणी, कटक से अपने सहायक इंजीनियर के पद से कार्यभार त्याग दिया।

एच० एन० विश्वाम,
प्रशासन उपनिदेशक (ई०)
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 17 जुलाई 1981

सं० 5(47) 76—एस०—एक—श्री पी० जे० महन्त, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, डिकूगढ़ ने 28 फरवरी, 1981 की अपराह्न से नौकरी से त्यागपत्र दे दिया है।

ह० च० जयाल,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

प्रकाशन विभाग

रोजगार समाचार

नई दिल्ली-110022, दिनांक 9 जुलाई 1981

सं० ए०-20012/24/70—प्रणा०—१—निदेशक, प्रकाशन विभाग, रोजगार समाचार, श्री मोतीराम ए० किशनानी, व्यापार कार्यकारी, विक्रय भंडार, नई दिल्ली को रोजगार समाचार एकक रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली में तद्यं आधार पर रुपण 650-30-740-35-810-इ० रो०-35-880-40-1000-

इ० रो०-40-1200 के बेतनमान में सहायक वितरण अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

तद्यं आधार पर यह नियुक्ति श्री किशनानी को महायक वितरण अधिकारी के ग्रेड में नियमित नियुक्ति का अधिकार प्रदान नहीं करती। सहायक वितरण अधिकारी के रूप में उनकी सेवा भी उस ग्रेड में वरीयता के लिए नहीं गिनी जाएगी।

एन० एन० चटर्जी,
सम्पादक

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 19 जून 1981

सं० ए०-12026/1/77 सीबी० १—मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग ने श्री महेश बी कांवले महायक समाचार चित्र अधिकारी फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली को दिनांक 14-11-1980 के पूर्वाह्न से फिल्म प्रभाग नई दिल्ली में कैमरामैन के पद पर नियुक्त किया है।

एस० एन० सिंह,
प्रशासकीय अधिकारी

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1981

सं० ए० 19018/5/80—के० स० स्वा० यो०—१—स्वास्थ्य मेवा महानिदेशक ने वैद्य सूर्य नाथ को 3 दिसम्बर, 1980 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में तदर्थ आधार पर आयुर्वेदिक फिजिशियन के पद पर नियुक्त किया है।

टी० एस० राष्ट्र,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1981

सं० ए० 12025/2/77-ड० सी०—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने एतद्वारा डा० (कुमारी) बंदिता मारंगी को 20 जून, 1981 के पूर्वाह्न में आगामी आदेशों तक केन्द्रीय औषधि प्रयोगशाला, कलकत्ता में जीव रसायनज्ञ के प्रभोगियेट प्रोफेसर के पद पर नियुक्त किया है।

एस० एस० गोठोस्कर,
औषधि नियंत्रक (भारत)

नई दिल्ली, दिनांक 17 जुलाई 1981

सं० ए० 12025/11/80—प्रशासन—१—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० बिन्दु कुमार तिवारी को के० एस० सी० अध्यक्षताल, नई दिल्ली में कनिष्ठ जीव रसायनज्ञ, के पद पर 7 मई, 1981 अपराह्न से आगामी आदेशों तक अस्थाई रूप से नियुक्त किया है।

सं० ए० 19020/1/80—प्रशासन—I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने राजकुमारी अमृतकौर कालेज आफ नसिंग, नई दिल्ली का श्रीमती अन्नाम्मा जोसफ का 2 जून, 1981 (अपराह्न) से ट्यूटर के पद से त्याग पत्र स्वेच्छार्थ कर लिया है।

दिनांक 21 जुलाई 1981

सं० ए० 38013/2/80—एच० ओ०/प्रशा०-II—सेवा निवारन प्रायु के हो जाने पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली में अनुभाग अधिकारी, श्री ए० एन० हान्डा 28 फरवरी, 1981 अपराह्न को सरकारी सेवा से रिटायर हो गए हैं।

टी० सी० जैन,
उप निदेशक प्रशासन (ओ० ए० ए० प्र०)

परमाणु ऊर्जा विभाग
विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग
बम्बई-5, दिनांक 10 जुलाई 1981

सं० पी० वी० ई० डो०/4(779)/78—प्रशा०-8028—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी आणुलिपिक तथा इस प्रभाग के स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी श्री पी० वेणुगोपालन ने अपनी नियुक्ति परमाणु ऊर्जा विभाग के संचिवालय में अनुभाग अधिकारी के पद पर होने पर, इस प्रभाग से आगे पद का कार्यभार 7 जुलाई, 1981 से छोड़ दिया।

बी० वी० थट्टे,
प्रशासन अधिकारी

नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना
बुलंदशहर, दिनांक 21 जुलाई 1981

सं० न० प० वि० प०/प्रशा०/26(1)/80/एस०/8808—मुख्य परियोजना अभियंता, नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना निम्नलिखित पर्यवेक्षक (सिविल)/फोरमैन को, दिनांक 1 फरवरी 1981 के पूर्वाह्न से अग्रिम आदेशों तक के लिए वेतनमात्र हॉ 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- में स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता ग्रेड एस० वी० के पद पर नियुक्त करते हैं:—

क्र० सं०	नाम	वर्तमान पदनाम	ग्रेड जिसमें नियुक्त किए गए
1	2	3	4

मर्वशी
1. जी० एन० मिश्रा फोरमैन वैज्ञानिक अधिकारी/
अभियंता ग्रेड एस० वी०

1	2	3	4
2.	वाई० बी० के० राव	पर्यवेक्षक (सिविल)	वैज्ञानिक अधिकारी/ अभियंता ग्रेड एस० वी०
3.	के० सो० टो० आमरे	—तदैव—	—तदैव—
4.	एम० एस० पर्वी	—तदैव—	—तदैव—

ओ० द० भाटिया,
प्रशासन अधिकारी

क्रम और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 7 जुलाई 1981

सं० क्रम्भनि/23/9/77-स्थापना/13211—निदेशक क्रम और भंडार निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग इस निदेशालय के स्थायी भंडारी, श्री आर० ए० गुप्ता को स्थानापन्न सहायक भंडार अधिकारी के पद पर रूपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनक्रम में 11 मार्च, 1981 (अप०) से 4 अप्रैल 1981 (अपराह्न) तक इसी निदेशालय में तदर्थे रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 14 जुलाई 1981

सं० क्रम्भनि/2314/79-स्थापना/3558—निदेशक, क्रम और भंडार निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग ने निम्नलिखित क्रम सहायकों को स्थानापन्न सहायक क्रम अधिकारी के पद पर रूपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनक्रम में प्रत्येक के मम्मूल दो ग्रेड अवधि के लिए इसी निदेशालय में नियुक्त किया है:—

क्र० सं०	नाम	अवधि	
		से	तक
मर्वशी			
1.	वी० जी० जोबनपुवा	9-3-81 (पूर्वाह्न)	8-5-81 (अपराह्न)
2.	के० टी० परमेश्वरम्	3-4-81 (पूर्वाह्न)	30-5-81 (अपराह्न)
3.	वी० सी० चन्द्रन्	27-4-81 (पूर्वाह्न)	3-6-81 (अपराह्न)
4.	एम० के० नेस्टरकर	28-4-81 (पूर्वाह्न)	16-6-81 (अपराह्न)
5.	ए० वी० जाधव	27-4-81 (पूर्वाह्न)	12-6-81 (अपराह्न)

के० पी० जोसफ,
प्रशासन अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

अग्रणीशक्ति-323303, दिनांक 16 जुलाई 1981

सं० रापविष/भर्ती 7(10)/81/स्थ०/354—मुख्य परियोजना इंजीनियर, राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना, इस परियोजना के एक स्थायी लेखाकार और भारी पानी परियोजना, तूतीकोरिन के स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी श्री ए० एन० मुथुस्वामी को राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना में दिनांक 29-5-1981 के पूर्वाह्न से प्रागामी आदेश होने तक के लिए अस्थायी तौर पर स्थानापन्न लेखा अधिकारी-II के पद पर नियुक्त करते हैं।

गोपाल सिंह,
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)
हृते मुख्य परियोजना इंजीनियर

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 14 जुलाई 1981

सं० प ख प्र-1/6/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री वी० आर० सोवमी नारायणन को परमाणु खनिज प्रभाग में 6 मई, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक अस्थाई रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० प ख प्र-1/1/81-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री ए० वी० जयगोपाल को परमाणु खनिज प्रभाग में 26 जून, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक अस्थाई रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

[दिनांक 21 जुलाई 1981]

सं० प ख प्र-8(1)/81-भर्ती—इस कार्यालय की समसंबद्धक अधिसूचना दिनांक 3 जून, 1981 के ऋम में परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी सहायक और स्थानापन्न हिन्दी अनुवादक श्री सोमनाथ सचदेव को उसी प्रभाग में 13-6-1981 से 20-6-1981 (अपराह्न) तक श्री जे० आर० गुप्त, सहायक कार्मिक अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव,
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएँ

बम्बई-400 008, दिनांक 20 जुलाई 1981

सं० 05012/भ२/स्था० प०/4924—भारी पानी परियोजना के, विशेष कार्य-अधिकारी, श्री गौतमकुमार सोमाभाई 2-186GI/81

रावत, अस्थाई सहायक लेखाकार, भारी पानी संयंत्र (बड़ौदा) को, उसी कार्यालय में, श्री पी० एन० गंजू, सहायक लेखा अधिकारी, जो छुट्टी पर गए हैं, के स्थान पर अस्थाई रूप में, तदर्थे आधार पर 29 अप्रैल, 1981 (पूर्वाह्न) से 6 जून, 1981 (अपराह्न) तक के लिए, स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

२० व० कोटिअनकर
[प्रशासन अधिकारी]

तारापुर परमाणु विजलीघर

ठाणे, दिनांक 11 जुलाई 1981

सं० टी० ए० पी० एस०/1/18(3)/77-आर०—मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु विजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग, स्थायी वैयक्तिक सहायक श्री पी० गणपति को, दिनांक 7 मई, 1981 की पूर्वाह्न से 17 जून, 1981 की अपराह्न तक के लिए तारापुर परमाणु विजलीघर में तदर्थे आधार पर सहायक प्रशासनिक अधिकारी के ग्रेड (ए० 650-30-740-35-880-व० रो०-40-960) में स्थानापन्न रूप में एक अधिकारी नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री वी० के० पी० पिल्लै के छुट्टी पर जाने के फलस्वरूप की गई है।

द० वि० मरकले,
प्रशासनिक अधिकारी-III

देशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई 1981

सं० ए० 32013/4/81-ई० I—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के श्री आर० आर० मेनन, उपनिदेशक, विनियम और सूचना को दिनांक 20-6-1981 से और दिनांक 30-9-1981 तक अथवा श्री आर० वी० रणदिवे (तदर्थे उप महानिदेशक) के प्रत्यावर्तित हो जाने पर, इनमें से जो भी पहले हो, इसी विभाग में तदर्थे आधार पर निदेशक, विनियम और सूचना के पद पर नियुक्त किया है।

मुधाकर गुप्ता,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1981

सं० ए० 32013/4/80-ई० सी०—राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन, श्रहमदाबाद के श्री आर० एस० गहलोत, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी को दिनांक 6-5-1981 (पूर्वाह्न) से छः मास की अवधि के लिए महायक निदेशक संचार के ग्रेड में तदर्थे आधार पर नियुक्त किया है और इन्हें महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय) में तैनात किया है।

प्रेम चन्द्र,
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 17 जुलाई 1981

सं० ए० 32013/4/79—ई० एस०—इस कार्यालय की दिनांक 18-3-1981 की समसंबंधिक अधिकारीयता के क्रम में, राष्ट्रपति ने सर्वे श्री एन० जयरामहम और आर० सी० गुप्ता की तदर्थी नियुक्ति की दिनांक 14-11-1981 तक अथवा सामान्य शर्तों के आधार पर पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की मंजूरी दे दी है।

जगदीश चन्द्र गर्ग,
सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहृतालय
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग
गुन्टुर-4, दिनांक 13 जून 1981

सं० 10/81—विशाखापट्टनम-1 मंडल की रेंज-IV विशाखापट्टनम में कार्यरत श्री पी० प्रसाद राव, अधीक्षक, (विशेषज्ञ) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, ने इस विभाग से दिनांक 31-5-1981 (अपराह्न) को त्याग पत्र दे दिया।

डी० कृष्णमूर्ति,
कलक्टर

नौवहन और परिवहन मंत्रालय
नौवहन महानिदेशालय
(वाणिज्य पोत परिवहन)
बम्बई-400 001, दिनांक 15 जुलाई 1981

सं० 4(2) सी० आर० ए०/76—नौवहन महानिदेशक बम्बई एसद्वारा श्री बी० जी० देशमुख, सहायक नाविकपाल, बम्बई को दिनांक 21 अप्रैल, 1981 पूर्वाह्न से अगले शादेशों तक उप निदेशक, नाविक नियोजन कार्यालय, कलकत्ता के रूपमें नियुक्त करते हैं।

भा० कृ० पवार,
नौवहन उपमहानिदेशक

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110022, दिनांक 20 जुलाई 1981

सं० 22/3/81-प्रशासन-1(ब)—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, एलद्वारा निम्नलिखित कर्मचारियों को, जिनके वर्तमान घेउ उनके नामों के सामने दिए गए हैं, केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (वर्ग 'ख') सेवा के अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता के ग्रेड में, प्रत्येक के नाम के आगे दर्शाई गई तारीख से, तदर्थी आधार पर, 2 मास की अवधि के लिए

अथवा उस समय तक नियमित अधिकारी उपलब्ध नहीं हो जाते हैं, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं:—

नाम	जिस ग्रेड से संबंधित है	कार्यभार संभालने की तारीख
सर्वेश्वरी		
1. ओ० पी० शर्मा-2	तकनीकी सहायक	26-6-1981 (पूर्वाह्न)
2. एन० सी० भारद्वाज	—वही—	26-6-1981 (पूर्वाह्न)
3. सुकुमार बिश्वास	—वही—	3-7-1981 (पूर्वाह्न)
4. नवाब सिंह	—वही—	29-6-1981 (पूर्वाह्न)
5. कुलदीप सिंह-3	पर्यावरण	27-6-1981 (पूर्वाह्न)
बी० एम० लाल, अवर सचिव		
कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण		

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी सौ० बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कार्यालय, कंपनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश, ग्वालियर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मै० अनूप कन्सट्रक्शन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 15 जुलाई 1981

सं० 1422/ए०/1875—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधारण पर मै० अनूप कन्सट्रक्शन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधायित कर दी जाएगी।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना
कम्पनी रजिस्ट्रार,
मध्य प्रदेश, ग्वालियर

कम्पनी प्रधिनियम 1956 की द्वारा 445(2) के अधीन सूचना

कम्पनी प्रधिनियम, 1956 के मामले में और केंद्रों जैसे स्पिरोल लिमिटेड के मामले में।

बम्बई-400 002, दिनांक 15 जुलाई 1981

सं. 15037—कम्पनी आवेदन संख्या 1046 वर्ष 1976 में स्थित माननीय उच्च न्यायालय, बम्बई के आदेश दिनांक 31-1-1980 के द्वारा केंद्रों स्पिरोल लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश प्रदान कर दिया है।

ओ० पी० जैन

प्रतिरक्षित कम्पनी रजिस्ट्रार,
महाराष्ट्र, बम्बई

कार्यालय आयकर अपील प्रधिकरण

बम्बई-400 020, दिनांक 10 जुलाई 1981

सं० एफ० 47-ए० डी० (ए० टी०)/50-भा०-III—आयकर अपील प्रधिकरण के अधोलिखित प्रधिकारीगण, जो सहायक पंजीकार के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे हैं, की नियुक्ति की पुष्टि दिनांक 1 मार्च, 1981 से की जाती है :—

1. श्री हनुमंथा राव
2. श्री केंद्रो एल० रेहानी

टी० डी० शुग्ला

आयकर अपील प्रधिकरण

प्रलेप ब्राइटी.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 जुलाई, 1981

निदेश सं० ए० एस० आर०/81-82/89—यतः मुझे
आनन्द सिंह ए० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो गुरु नानकदारा
जी०टी० रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्त नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इं किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उक्त सूचने में सुविधा के लिए;
जौर/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी भने या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकल्प नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए भा छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जीत दृ—

(1) श्री बलवन्त सिंह पुत्र सरजन सिंह द्वारा श्री प्यारा सिंह
पुत्र श्री नथा सिंह वासी चौक चिड़ा कटड़ा कर्म सिंह
अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री अमरजीत सिंह पुत्र हजारा सिंह
वासी ग्राम तलबन्डी नाहर जिला अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई कियायेदार हो
तो

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर मूल्य
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैध
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्योगिता:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृतसरी

खाली प्लाट जिसका क्षेत्रफल 270 वर्ग मी० है जो कि
गुरु नानक वाड जी०टी० रोड अमृतसर में स्थित है जैसा कि
सेल डी० नं० 2627/1 तिथि 28-11-80 आफ रजिस्टरिंग
अधारटी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, ए० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 1-7-81
मोहर :

प्रूप बाहू. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 जुलाई, 1981

निदेश सं० ए० एस० आर०/८२/९०—यतः मुझे आनन्द
सिंह ए० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक मकान है तथा जो बटाला में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह उक्तिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिद्धित में वास्तविक रूप से कीपत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इसी आय की बाबत उक्त अन्तरण
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(द) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अन्तरिती दूबारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभावा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्पत—

(1) श्री गोपाल दास पुत्र राम लाल सेंबरी

सेक्टर 23 बी० क्वाटर नं० 1115 चंडीगढ़
(अन्तरक)

(2) श्री महिंद्र पाल करिजन कुमार और रघुनन्दन बेदी
पुत्र ग्यान अन्द (3/4 भाग) रंपी पुस्त महिंद्रपाल
(1/2 भाग) वासी बटाला

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किराएदार हो
तो

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त संबंधों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

एक मकान जो कि बटाला में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं०
4716 आफ नम्बर 80 आफ रजिस्टरेंग अधारटी बटाला के
कार्यालय में दर्ज है।

आनन्द सिंहगण० आर० एस०

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 2-7-81

मोहर :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 जुलाई 1981

निदेश सं० ए० एस० आर०/81-82/91—यतः मझे, आनन्द
सिंह आ० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एकमकान है तथा जो बटाला में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल विभिन्न अन्तरिती उद्दर्श्य द्वारा अन्तरण द्वारा इसमें दर्शाया गया
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के
दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया
को, जिसे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्रीमती गदा देवी पुत्री सुन्दर लाल
वजीर बाग श्रीनगर (कश्मीर)
द्वारा गोपाल दास सेखरी

(अन्तरक)

(2) श्री महिन्द्रपाल करिश्म गोपाल रघुनन्दन बेदी
पुत्र गयास चन्द बेदी (3/4 भाग) रंपी पुत्र महिन्द्र
पाल (1/4 भाग) बटाला।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर धं० 2 में और कोई किरायेदार हो
तो

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संबोधकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही वर्थ हैं जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान जोकि बटाला में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं०
4717 तिथि नवम्बर 1980 आफ रजिस्टरिंग अथारटी बटाला
के कार्यालय में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आ० आर० एस०

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 2-7-81

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (11)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—————

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

पारंपरिक
वाचक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमतसर

अमतसर, दिनांक 7 जुलाई, 1981

निदेश सं० ए० एस० आर०/81-82/92—यतः मुझे
आनन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन उक्त प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर भवति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव तलवडी जिला गुरदासपुर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण-रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वावत उक्त प्रधिनियम के अधीन रहने के अन्तरक के वायित्व में कमी नहीं थी उक्त वावत में दुविधा न लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अपेक्षनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में दुविधा के लिए;

यतः मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अन्तरित विविध अधिकारी, अर्जन रेज,

(1) श्री सन्तोष सिंह पुनर्संता सिंह वासी मकान नं० 513 महला डोगरा नतियारी गेट बटाला

(अन्तरक)

(2) श्री सन्तोष सिंह बता सिंह उक्ताल सिंह सरविन्दर सिंह पुनर्हरी सिंह गांव तलवडी पो० आ० दीन नगर जिला गुरदासपुर

(अन्तरिती)

(3) जसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीय शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रधिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, न अध्याय 20-क में परिचित हैं, वही अर्थ दाता, जो उक्त प्रधाय में दिया गया है।

मनुसूची

कृषि भूमि 26 कनाल 10 मरले जो कि गांव तलवडी जिला गुरदासपुर में स्थित है जसा कि सेल डीड नं० 5426 तिथि 24-11-80 आफ रजिस्टरिंग अधारकी गुरदासपुर के कायलिय में दर्ज है।

आनन्द सिंह
मकान अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 7-7-81

मोहर :

प्रकरण धाई० टी० एम० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 जुलाई 1981

निदेश सं० ए० एस० आर०/81-82/93—यतः मुझे,
आनन्द सिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के प्रधीन सम्राप प्राविहारी को, वह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० एक मकान है तथा जो इंदरा कालोनी रोड
पठानकोट में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की वई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान
प्रतिफल का अन्तहीन प्रतिशत से प्रविक है और प्रस्तरक
(प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे
प्रन्तरण ह लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक हर में उचित
नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरग में हई किसी प्राप्त की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के बस्तरक के
शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क्व) ऐसा किसी प्राप्त या किसी छन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनामे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, किपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के प्रनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उच्चारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तों अर्थात् :—

(1) श्री महिन्दर सिंह पुत्र किशन मिह
इंदरा कालोनी पठानकोट।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रमिन्दर कौर पत्नी श्री जगबीर सिंह
माडल टाउन पठानकोट।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

वो यह सूचना आरो उक्ते पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि, या उत्तमव्याप्ति अवित्तियों पर
सूचना की सामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही पर्याय होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

एक मकान जो कि इंदरा कालोनी रोड पठानकोट में स्थित
है जैसा कि सेल डीड नं० 2451 तिथि 27-11-80 आफ
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पठानकोट के कार्यालय में दर्ज है।

आनन्द सिह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 4-7-81

मोहर :

प्रृष्ठा आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 जुलाई 1981

निदेश नं. ए० एस० आर०/81-82/94—यतः मुझे,
आनन्द सिंहआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० मकान है तथा जो दौलतपुर म्यूनिस्पल कालोनी
पठानकोट में स्थित है (और इससे उपाखण अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट,
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख नवम्बर 1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्रित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्रिती
(अन्तर्रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित मर्ही किया गया है :—(क) अन्दरण से हर किसी व्याय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तर्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्दरण
में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवधारितः—

3—186GI/81।

(1) श्री कृष्णा वस्ती विघ्ना डिप्टी राम सूरी
वासी दौलतपुर एम० सी० कालोनी
पठानकोट।

(भूतरक)

(2) श्री अमरीक सिंह पुल नथा सिंह
वासी दौलतपुर एम० सी० कालोनी पठानकोट।

(प्रत्यक्षित)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्यों भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त सब्जें और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मूल्यांकन

एक कोठी/मकान 28 मरला जोकि एम० सी० कलोनी
कालेज रोड पठानकोट में स्थित है जैसा कि सेल ऑफ नं० 2233
तिथि 6-11-80 पठानकोट के कार्यालय में दर्ज है।आनन्द सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 2-7-81

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 जुलाई 1981

निवेश सं० ए० एस० आर०/81-82/95—यतः मुझे आनन्द

सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 49 है तथा जो प्रेम नगर सेनगढ़
पठानकोट में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख नवम्बर 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वंश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण
है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वंश्यमान
प्रतिफल से, एसे वंश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दै किसी आय की शाब्दत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर बने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अप: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधोले:—

(1) श्री राम दिता मल पुत्र श्री किरपा राम
पुत्र श्री तुलसी दास वासी प्रेम नगर सेनगढ़
पठानकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री शाम सुन्दर प्रिध्वी राज पुत्र श्री मेवराज सेंटी
मारफत जालन्दर मोटर ट्रांसपोर्ट अलहोजी रोड
पठानकोट।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई कियायेवार हो तो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येभ:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क वं० परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

एक मकान नं० 49 जो कि प्रेम नगर सेनगढ़ पठानकोट
में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 2288 लिय 12-11-80
आफ रजिस्टरिंग अध्यारटी पठानकोट के कार्यालय में दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 2-7-81
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी ट्रॉ एस० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 4 जूलाई 1981

निदेश सं० ए० एस० आर०/81-82/96—यतः मुझे आमन्द सिंह ए० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व के अधीन सबम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार पूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० रिहायशी मकान है तथा जो अन्दर अवादखी गेट दीना नगर में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रसिजट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1880

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरको) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरक लिखित में वास्तविक रूप से रखिया नहीं दिया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में हमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब; उक्त अधिनियम की घारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिनियमों अर्थात् :—

(1) श्री बूड़ा मल महाजन पुत्र प्रिजलाल महाजन वासी अवानखी गेट दीना नगर, गुरदासपुर
(अन्तरक)

(2) श्रीमती ललिता महाजन पत्नी श्री सरिष्टी पाल श्रीमती स्वर्ण लता पत्नी रमेश कुमार मारकत मै० दीना मल बेसा मल हारवेसर मरबेंट जी० टी० रोड दीना नगर

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में और किरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुल्क करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित वद्ध किती अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-व में परिभाषित है, वही मर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक रिहायशी मकान जो कि अवानखी गेट दीना नगर में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 4917 तिथि 4-11-80 आफ रजिस्टरिंग अधारटी गुरदासपुर के कार्यालय में दर्ज है

आनन्द सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 4-7-81

मोहर :

प्रकरण आई० ए० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा
२६९-ब (१) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक १ जुलाई, १९८१

निपाथ सं० ए० एस० आर०/८१-८२/१७—यतः मुझे
आनन्द सिंह

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पदाकात् 'दसव अधिनियम' कहा जाया है); की धारा
२६९-ब के प्रधीन धरण अधिकारी को, वह विवाह करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य २३,०००/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो उसेंट मोहन नगर
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के प्रधीन
तारीख प्रत्र०८, १९८१

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे वह विवाह
करने का कारण है कि विवाह मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरेक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(१) अन्तरण से तुझे किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
वायिक में कमों करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(२) ऐसी किसी आय या किसी धर्व का एव्य अन्तरितीयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया
वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में
सुविधा के लिए;

लक्षण: अंवय, जो अन्तिम तो धारा २६९-ब के अनुसार
में, त्रै, उक्त अधिनियम को धारा २६९-ब की उपलब्धा (१)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अधिकृत :—

- (१) कुम्हन सिंह पुरा बहादुर सिंह
६२ ईस्ट मोहन नगर अमृतसर
(अमृतसर)
- (२) मै० अदन अंजनिय रंग बदसं
१०७, इस्टमोहन नगर अमृतसर
(अन्तरिती)
- (३) जैसा कि ऊपर सं० २ में और कोई किरायेवार है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (४) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोलिखाक्षरी
जानता हैगयक वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
५५ दिन की प्रत्यधिया या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर]
सूचना की तारीख से ३० दिन की प्रत्यधिया, जो भी
प्रत्यधिया बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
५५ दिन के भीतर उक्त स्वाक्षर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी एव्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखाक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टोक्तण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रब्लेम २०-ब में परिचालित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस प्रब्लेम में दिया गया है ।

अनुसूची

एक प्लाट नं० २०४ जिसका क्षेत्रफल २७० वर्ग गज है
जो ईस्ट मोहन नगर अमृतसर में है जैसा कि सेल शीड नं० १७६९
तिथि २७-४-८१ द्वारा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के
कार्यालय में दर्ज है ।

आनन्द सिंह
मध्यम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख: १-७-८१
मोहर:

प्रस्तुप आई० दी० एन०एम०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
शारा 269 प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 जुलाई 1981

निदेश नं० ए० एस० आर०/८१-८२/९८—यतः मुझे
आनन्द सिंह,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
में अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो ईस्ट मोहन नगर
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख दिसंबर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि व्यापारी पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रत्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यह
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं हिता है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आग को भावन, जब अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्र में
कमी करने या उससे बचने के मुद्दिया के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्यायी उद्देश्य की दिया
गया था या किया जाना चाहिए था, किया ते
में मुद्दिया के लिए;

यतः यद्य; उक्त प्रधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कुन्दन सिंह पुजा बहादुर सिंह
62, ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर

(प्रत्तरक)

(2) मैं अबन इंजीनियरिंग वर्क्स
107-ईस्टमोहन नगर, अमृतसर

(प्रत्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेवार है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तस्वीरन्वाली व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्योग :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० 204 जिसका क्षेत्रफल 269 वर्ग गज है जो
ईस्ट मोहन नगर अमृतसर में है जैसा कि सेल डील नं० 2718/I
दिनांक 8-12-80 द्वारा रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी
अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम प्रधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर
तारीख : 1-7-81
मोहर :

मूल्य रुपये दी. प्रति रुपये—

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 7 जुलाई 1981

नदेश नं० ए०एस०आर०/८१-८२/७७—पतः मुझे, आनन्द
सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सकान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है एक स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० एक मकान है तथा जो कटड़ा भाई सन्त सिंह
में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख विसम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिरी
(अन्तरितायों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उच्चवेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कहीं नहीं किया गया है ॥—

(क) अन्तरण से हूँ दृ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कुड़ देने के अन्तरक के वायित्व में
किसी कुड़े या उससे बाहर में सूचिभा के लिये;
बीड़/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना जाहेए था, छिपाने में सूचिभा
के लिए;

बहु: बहु, उक्त अधिनियम, की भारा 269-प के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभाषा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्धात ॥—

(1) श्री राम प्रकाश श्रीम प्रकाश हरी किशन पुत्र
बिशन दास के ल मुमार पुत्र नन्द किशोर
बेरी गेट, अमृतसर

(अन्तरक)

(2) मदन लाल पुत्र मनसी राम
मकान नं० 781/10 कटड़ा भाई सन्त सिंह अमृतसर
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेवार हो
तो ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त क्षब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, की अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

नोट्स

एक रिहायशी मकान नं० 781/10 जो कटड़ा भाई सन्त
सिंह अमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 2649/1
तिथि 1-12-80 द्वारा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के
कार्यालय में दर्ज है।

आनन्द सिंह

सकान प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 7-7-81

माहूर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 जुलाई 1981

निदेश नं. ए० एस० आर०/81-82/100—यतः मुझे,
आनन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो तेज नगर सुलतानविंड रोड
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख दिसंबर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्राक की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के दीच एवं अन्तरण को लिए, तग पाया गया तात्पूर-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी भन मा अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहों किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अन: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अन्तरण
में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधित् तः---

(1) श्री बचनी पुर्वी मंगत राम उर्फ मंहगा राम
आसी तेज नगर सुलतानविंड रोड अमृतसर
(ग्रन्तिरक्त)

(2) श्री गुरमुख मिह पुव कर्णनेल मिह
वासी ज्लाट नं० ४ तेज नगर
सुलतानविंड रोड अमृतसर
(ग्रन्तिरक्त)

(3) जैसा कि ऊपर सं० २ में और कोई किरायेदार हो
तो

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीष से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृतसरी

एक मकान ज्लाट नं० ४ जो कि तेज नगर सुलतानविंड
रोड अमृतसर में स्थित है जैसा कि सेलडोड नं० २९३३ तिथि
२४-१२-८०, आफ रजिस्टरिंग अधारस्टी अमृतसर के कार्यालय
में दर्ज है।

आनन्द सिंह
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 1-7-81

मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 जुलाई, 1981

निदेश सं. ए.एम.आर.81-82/108—यतः मुझे,
आनन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
269-ष(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ३० कृषि भूमि है तथा जो गांव नंगली तहसील
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपायदृश अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीशन अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हर्दौ किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
वायिक्ष में कभी कहने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय ब्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के, अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अन्तर्गत निम्नान्तरा निम्नलिखित है :--

- (1) श्री दलीप मिहं पुत्र बुटा मिहं पुत्र ज्वाला सिंह
वासी गांव नंगली तहसील ब जिला अमृतसर
(प्रमाणार्थ)
- (2) दी आकाशदीप हाउरिंग बिल्डिंग सोसाइटी
लिमिटेड अमृतसर द्वारा डा० सुरिन्दर मोहन प्रधान
निकट निरंकारी कलोनी अमृतसर
(प्रनतरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर सं. २ में और कोई किरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अमृतसर

भूमि 2 एकड़ 5 कनाल 19 मरला जो गांव नंगली
तहसील ब जिला अमृतसर में है जैसा कि सेलडीष नं. ८५८८/
नवम्बर 1980 आफ रजिस्टरिंग अधारटी अमृतसर के कार्यालय
में दर्ज है ।

आनन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 13-7-81

मोहर :

प्रकल्प नं० ८० एस० १८०—

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 जुलाई 1981

निवेश नं० ६० एस० आर०/८१-८२/१०७—यतः मुझे
प्रानन्द सिंहआयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रविनियम' कहा जाया है), की
भारा 269-प के अधीन सबम शाखिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० एक शेड है तथा जो महासिंह गेट के अन्दर अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपानदी अनुसूची में और पूर्ण रूप में
बणित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण प्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख नवम्बर 1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्य मान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृश
प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत, उक्त प्रविनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
वीरया(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यापारियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रविनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या धन-कर
प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया जा या किया
जाया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।(1) श्री मतो शकुन्तला रानी पत्नी गोपाल करिम
अग्रवाल मकान नं० ८ ए,
कटड़ा शेर सिंह अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश आर्य पुत्र रामा नन्द आर्य
मकान नं० २१/४१ पंजाबी बाग न्यू दिल्ली

(अन्तरिती)

(3) मै० ईंगल द्रूष्योर्ट कं० लिमिटेड ५७०/-
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त प्रविनियम के पर्वत के सम्बन्ध में कोई भी वाकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तस्सम्बद्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।ल्पण्डीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रविनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

1/2 हिस्सा शेड में भूमि के एक प्लाट पर जो 125 वर्ग
मी० है जो महासिंह गेट के अन्दर अमृतसर में है जैसा कि सेल
डील नं० 2537/1 तिथि 21-11-80 आफ रजिस्टरी अधिकारी
अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है ।प्रानन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर ।

तारीख : 13-7-81

मोहर :

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 जुलाई, 1981

निवेश नं० ए० एस० आर०/81-82/106—यतः मुझे
आनन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सहायक प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसके सं० एक शेड है तथा जो महार्सिह गेट के अन्दर अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध शनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1980

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए प्रमत्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल वा पन्द्रह प्रतिकूल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकूल, निम्ननिवित उद्देश्य के उड़ान अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

(क) अन्तरग से हुई हिसो आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रता अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकृतों, अधिकृत :—

(1) श्रीमती बिमला रानी पत्नी वेवकी नन्दन अप्रवाल कटड़ा आहलुवाला अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री सन प्रकाश आर्य पुत्र रामानन्द आर्य
मकान नं० 21/41 पंजाबी नाग न्यू दिल्ली 26

(अन्तरिती)

(3) मै० इंगल ट्रांसपोर्ट कम्पनी लिमिटेड
570-माहावार

(वह व्यक्ति, जिसके अधिक्षेप में सम्पत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरात्मक अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, प्रभोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सचिवीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित है, वही प्रयुक्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक सेड का हिस्सा जो भूमि के छाट पर है जिसका एरिया 125 वर्ग मी० है जैसा कि सेल होड नं० 2538/1 तिथि 21-11-80 द्वारा रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 13-7-81

मोहर :

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 जुलाई 1981

निवेश नं० ए० एस० आर०/81-82/105—यतः मुख्य
आनन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पदचारत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है;

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो बाजार मोर्चियां
(निकट दरबार साहब) में स्थित हैं और इससे उपायद्र अनुसूची
में और पूर्ण रूप में अंशित हैं, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के दीच ऐसे अन्तर्गत के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
के लिए निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया हैः—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; औड़/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हैं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना लाभिष्ठ था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-प के अनुसरण
में, सौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1)
की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत दृ—

- (1) श्री गुरदियाल सिंह पुत्र करतार सिंह,
और श्रीमती दलीप कौर विधवा हरबंस सिंह वासी
बाजार मार्ग सेवा अमृतसर (अन्तरक)
- (2) श्री गुरमिन्दर पाल सिंह पुत्र सरदार सिंह
वासी गली नं० 3 बाग रामानन्द अमृतसर
(प्रतिरिती)
- (3) मै० दविन्दर ब्रदर 100/-
मै० शक्ति प्रिंटिंग वर्क्स 15/-
(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिकार में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयांश्च शूल करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तर्गत

एक जायदाद (तबेला) नं० 952/111-17 वरिया 106
वर्ग मी० है जो सरानुग्रह राम दास अमृतसर में है जैसा कि सेलडाइ
नं० 2430/1 तिथि 10-11-80 आफ रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी
अमृतसर के कार्यालय में बर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 13-7-81

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, विनांक 13 जुलाई 1981

निदेश नं. ए० एस० आर०/81-82/104—गत: मुझे,
आनन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ब
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि का प्लाट है तथा जो रेया में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय बाबा बकाला में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
मव्वम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायदी में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

गत: अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री वलीप सिंह पुत्र उर सिंह
वासी रेया तहसील बाबा बकाला
(अन्तरक)
- (2) श्री रनधीर सिंह बलजीत सिंह
गुरतेजगर्सिंह पुत्र नरंजन सिंह
वासी गांव मसरेवाल तहसील तरन तारन
(अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कायबाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन जो तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभ्रामित है,
वही प्रथम होगा, जो उस प्रधाय में हिता है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 1 कनाल जोरेया में है जैसा कि सेल
डीड नं. 2632/ 17-11-80 आफ रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
बाबा बकाला के कार्यालय में दर्ज है।

गत: सिंह
सकाम प्राधिकारी,
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 13-7-81

मोहर :

प्रस्तुत आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 जुलाई 1981

निवेश सं० ए० एस० आर०/81-82/103—यतः मुद्दे
आनन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि शाहजादा नंगल गुरदासपुर में है तथा जो
गुरदासपुर में स्थित है (और इससे उपाख्य ग्रन्तसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुरदास-
पुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 18 नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट महीं किया गया
आय किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री अशोक वालीया पुत्र श्री प्रकाश नन्द
वासी गुरदासपुर हाल यू० एस० ए०

(अन्तरक)

(2) श्री मेजर ठाकर सिंह रनबीर सिंह पुत्र नरेन सिंह
वासी शाहजादा नंगल गुरदासपुर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 और कोई किराएदार
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बन्धुवी

कृषि भवि 13 कनाल 17 मरले शाहजादा नंगल गुरदास-
पुर में जैसा कि सेल डीड नं० 5230 दिनांक 18-11-80
रजिस्ट्री अधिकारी गुरदासपुर में दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 13-7-81

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जुलाई 1981

निवेश सं० ६० एस० आर० /८१-८२/१०१—यतः मुझे
आनन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट नं० 164 जो रानी का
बाग, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 26 नवम्बर 1980

को यूवॉर्क्ट संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यादा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इसकी किसी आय की बाबत उक्त संपत्ति
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

(1) श्री महिन्द्र नाथ पुत्र करतार चन्द्र

164 रानी का बाग अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री बैज नाथ पुढ़ श्री वसावा राम
6 जोशी कलोनी अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० २ में और कोई किरायेवार हो
तो

(वह व्यक्त, जसके प्रधिभोग में सम्मति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्मति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र ने प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के वृद्धाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस वृद्धाय में दिया
गया है।

ममृतसर

एक भूमि का प्लाट नं० 164 जो रानी का बाग अमृतसर
में है जैसा कि सेल डील नं० 2562/1 तिथि 26-11-80 आफ
रजिस्ट्री कर्ता प्राधिकारी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

आनन्द सिंह
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9-7-81

मोहरः

प्रकृष्ट प्राईंट डी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को बारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 जुलाई 1981

निवेश सं० ए० एस० आर०/81-82/102—यतः मुझे
आनन्द सिंहआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
बारा 269-व के प्रधीन सकाम अधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० एक मकान है तथा जो टंडन नगर बटाला रोड
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,
तारीख 17 नवम्बर 1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के वृद्धमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान
प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का प्रदृष्ट प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे
प्रत्यरोपण के लिए तथा पाया बया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण विविध विविध कारण से कठित नहीं किया गया
है।—(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम
के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायिल में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। घोर/ग(ल) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें मार्तीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
एवं अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगमार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया या या किया जाना चाहिए था,
कियाने में सुविधा के लिए;प्रता। अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपबारा (1) के
प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृतः—(1) श्री राम करिश्म उर्फ राम मूर्ति पुत्र गुरु वित्त मल
बासी टंडन नगर अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री यशपाल पुत्र झी विहारी लाल
144 हुसैनपुरा अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किराएदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्यापेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीर्वाची व्यक्तियों पर
सूचना की हासिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचयित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान (125 वर्ग गज) जो टंडन नगर बटाला रोड
अमृतसर में है जैसा कि सेल ऑफ नं० 6468 तिथि 17-11-80
आफ रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में वर्जन है।आनन्द सिंह
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 13-7-81

मोहर :

प्रश्नप्राप्ति टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 13 जुलाई 1981

निवेश सं० सीए 5/एस० आर० बाम्बे/नोव्हेंबर 80/521/

81-82—यतः मुझे शिक्षिकान्त कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 8 पार्ट स० नं० 33 और 34,
म० नं० 85 है तथा जो कोपरी गांव में, ठाणे में स्थित है (और
इससे उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय दुर्योग निबन्धक बाम्बे में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
15-11-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बह्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बह्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की आवश्य उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बौहु/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, विन्है भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अत, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकार्यका अधिका ८-

(1) श्री 1. कुण्डकान्त बोलकृष्ण पठारे
2. भारत बालकृष्ण म्हाने
3. विजय अरुण मोटवानी
मेसर्स आकाश दीप बिल्डर्स के भागीदार है।
1, 2 वधावकर बिल्डर्स, गोखले रोड,
ठाणे 400602

(अन्तरक)

(2) श्री सुप्रभात सहकारी गृहरचना संस्था लिं०
प्लाट नं० 8, आदर्या निवास केन्द्र
कोपरी पोस्ट अफिस के पास, ठाणे
(संस्था के सभी सदस्य)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहै भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

खुली जमीन और इमारत जो प्लाट नं० 8 आदर्या निवास
केन्द्र पार्ट स० नं० 33 और 34 गट नं० 85, कोपरी गांव,
ठाणे में स्थित है। और जिसका क्षेत्र 480 एकड़ी मीटर है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1543 जो 15-11-80
दुर्योग निबन्धक बाम्बे के दलतर में लिखा है।'

शिक्षिकान्त कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना।

तारीख : 13-7-81

मोहर :

प्रस्तुत काहै. टी. एन. एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-व (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, पूना
 पूना, दिनांक 17 जुलाई 1981

निदेश सं० सी० ए५/एस. आर० मालेगांव/नोव्हेंबर 80/-
 523/81-82—यतः मुझे शिक्षिकान्त कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व
 के अधीन पक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर भवन, त्रिपाता उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या रि० स० न० 19, प्लाट नं० 16 है तथा जो माले
 गांव जिला नासिक में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची
 में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
 दृश्यम निबन्धक मालेगांव में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-11-80

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त भवन का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
 अन्वह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तथा पापा गपा प्रतिकर, निम्नतितिवार उद्योग से उक्त अन्तरण
 निकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुर्दि किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
 में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनायां अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभाषा (1)
 के अधीन निम्नलिखित अविक्तयों अर्थात्:—
 5-186GI/8/

(1) डा० खलील अहमद म० हसन अन्तरकी
 प्लाट नं० 85/86, स० न० 143 नवपुण
 मालेगांव, जिला नासिक

(अन्तरक)

(2) डा० संघव अहमद म० खलील
 40, फेज मंजिल, फोर्ट
 मालेगांव जिला नासिक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त भवन के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तयों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
 भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 अविक्तयों में से किसी उक्तिन द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर भवन के
 हितवद किसी अर्थ अविक्त द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
 अधिनियम', के अन्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

खुली जमीन और इमारत जो रि० स० न० 19, प्लाट नं०
 16, मालेगांव, जिला नासिक में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकूल विलेख क्र० 3512 जो 27-11-80
 को दुष्यम निबन्धक मालेगांव के दफ्तर में लिखा है।)

शिक्षिकान्त कुलकर्णी
 सभम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 17-7-81

मोहर :

प्रूफ आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री वेनुघोपालन नायर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मीनाकशी अम्माल

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, मद्रास
मद्रास, दिनांक 13 जुलाई 1981

निदेश सं० 11201—यतः मुझे राधा बालकृष्णन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवेतास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 15/3, बार्टी पारक रोड है, जो मेनगूनूर,
कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से
अवृत्त है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय घादिपुरम
(डाकुमेंट सं० 4529/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि वह विवेतास
करने का कारण है कि यथाप्रवृत्ति संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसराना प्रतिफल से, ऐसे दूसराना प्रतिफल का
पद्धति प्रतिकार से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रेद भी आवेदनः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हूँ द्वारा किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे दूसरे में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

भूमि और निर्माण-15/3, बार्टी पारक रोड, कोयम्बटूर
(डाकुमेंट सं० 4529/80)

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास।

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---

तारीख : 13-7-1981
मोहर :

प्रध्यप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री फूलचन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना(2) श्री मालिगम और अदरस
(अन्तरक)
(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जुलाई 1981

निदेश सं० 11204—यतः, मुझे राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन संधाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- काठ में अधिक है और जिसकी सं० 1500 है, जो कोटाधिरि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटाधिरि (डाकुमेंट सं० 1198/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निरु अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल तिम्तितिति। उद्देश्य में उक्त अन्तरण तिवित में वास्तविक रूप में कठित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना आरी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तन्मन्दनी व्यक्तियों पर सूचना की नामीन। 30 दिन की अवधि, जो भी प्रदृश्य बाजार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण में दूर्दृ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कर्मी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि और तिमणि-सव सं० 1500, कोटाधिरि, (डाकुमेंट सं० 1198/80)

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

राधा बालकृष्णन
संधाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 2, मद्रास ।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम द्वारा 269-ष की आधारा (1) अधीन तिम्तितिति व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 13-7-1981
सोहर :

प्रूप बाह्य. टी. एन. एस.-----

(1) श्री रत्ना

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) को
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बशीर अहमद सैयद

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जुलाई, 1981

निंदेश सं० 11156—यतः, मुझे राधा बालकृष्णन

आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कठला, है, जो ऊटी में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी
के कार्यालय ऊटी (डाकुमेट सं० 1640/80 में भारतीय रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन नवम्बर
80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बासविक
रूप से कीर्ति नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभ्राष्ट हैं,
जहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

मनूसूची

भूमि और निर्माण कठल, ऊटी (डाकुमेट सं० 1640/80)

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 13-7-81

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पी० बी० लक्ष्मन शाह

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

(2) श्री वुमिदि नंदा गोपाल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई 1981

निदेश सं० 16026—यतः मुझे राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ष(1) के अधीन सब्द प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 22, है, जो वैदेयनातन स्ट्रीट मद्रास-17 में स्थित है (श्री और इससे उपाबूद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कायोलय ठीनगर (डाकुमेंट सं० 1884/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन नवम्बर 80 को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वान्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्बरण विवित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, इष्टपात्र में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुचरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपलाएँ (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाइं में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रथ्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताकरण के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपचौकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रमाण 20-क में परिचालित हैं, वही ग्रंथ होगा जो उस ग्रन्थाय में विद्या गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-22, वैदेयनातन स्ट्रीट, मद्रास-17
(डाकुमेंट सं० 1884/80)

राधा बालकृष्णन
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 10-7-1981

मोहर:

प्रलेप आई. टी. एन. एस.—
श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269प (1) से प्रतीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई 1981

निदेश सं० 11194—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-व्य के अधीन सम्मानित करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिन त्रिनिवाराम मूल्य 23,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 335, 336 है, जो राजा स्ट्रीट कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाखद में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 5879/80 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिक्रिया के लिए प्रस्तुरित की जाई है और मुझे उन विश्वास करने का कारण है कि इवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिक्रिया से ऐसे दृष्यमान प्रतिक्रिया का परद्धत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाचत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(1) श्री वी० शनमूषम

(अन्तरक)

(2) श्री एस० राधिनामल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के ममन्द्व में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अपार्क द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोद्धताकारी के पाम लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथा होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

भूमि और निर्माण 335, 336, राजा स्ट्रीट कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 5879/80)

राधा बालकृष्णन)

सक्तम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर श्रायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269प के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व्य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:—

तारीख : 10-7-81

मोहर :

प्रृष्ठ प माइ.टी.एन.एस. -----

(1) श्री हर्बीबर रहमान

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सुरेश कुमार सनगी

(अन्तर्गती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जलाई 1981

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितपूर्ख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

निदेश सं. 15821—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 9, है, जो कस्तूरी रंग अर्यनगर रोड, मद्रास-18 में स्थित है (और इसमें और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय मद्रास सौत, (डाकुमेंट्स सं. 2243/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन 16 नवम्बर 1980

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे स्थावर सम्पत्ति का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्पष्ट से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक ले दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

मनूसूची

भूमि और निर्माण 9, कस्तूरी रंग अर्यनगर रोड मद्रास-18 (डाकुमेंट्स सं. 2243/80)

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिसके भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अधिकारी

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 10-7-81

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन०, एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जुलाई 1981

निदेश सं० 11200—यतः, मुझे राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन मशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सरवे सं० 170, है, जो सनगनूर में स्थित है (और इससे उपान्नमें और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय धादिपुरम (डाकुमेट सं० 4325/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के तिर तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया थया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारियों, प्रर्यात :—

(1) श्री कान्तिस्वामी कौड़ेर और अदरस

(अन्तरक)

(2) श्री लियाकत अली
मुकतार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अविक्तपों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तपों में से किसी अविक्त द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य अविक्त द्वारा, प्रधानमंत्री के वास लिखित में किए जा सकेंगे।

एष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सरवे सं० 170, सनगनूर 60 सेनटस (डाकुमेट सं० 4325/80)

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 13-7-81

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
239-व (1) के बलों सूचना

भारत राजपत्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जुलाई 1981

निदेश सं० 11222—अतः मुझे राधा बालकृष्णन
सहायक अधिकारी ने 1961 (1961 का 43) (जिसे
उन्हें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
239-व के उन्हें सहाय अधिकारी को, यह विश्वास करने का
नाम है कि व्यापार संपत्ति विकास उचित बाजार मूल्य 25,000/-
लौ ते अधिक है।

और जिसकी सं० सरवे सं० 316/1, 317/1 है, जो सोमवार-
पेट्री उद्यमपेट में स्थित है (और इससे उपावढ़ में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उठमल
पेट (डाकुमेंट सं० 3258/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 80
को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि व्यापारोंका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फँड़ह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निष्पत्तिवित उद्यम से उक्त अन्तरण निष्पत्ति में वास्तविक
लाप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तर्भूत से इदै किसी आय की बचत उक्त अधिनियम के अन्तर्भूत करने के लिए विवरण के लाभिकृत वे कमी
करने या उससे बचने में सहित के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय यो किसी धन या अन्य आस्तियों
को लिए वारतार्थ प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में परिषदा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, ऐसे उक्त अधिनियम ही धारा 269-ग की वाजारा
(1) के अन्तर्भूत, निष्पत्तिवित व्यक्तियों, अर्थात् :—
6—186GT/81

(1) श्री पुरुषोत्तम नाथडू

(अन्तरक)

(2) श्री आर० बालसुब्रमनियम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के अंतर्भूत
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्ता सम्पत्ति के अंतर्भूत के अंतर्भूत में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
उक्त में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोत्तम व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रतिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि—सरवे सं० 316/1, 317/1, सोमवारपेटी
(डाकुमेंट सं० 3258/80)

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 2, मद्रास।

तारीख : 13-7-81

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री पुरुषोत्तम नायडू

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वेनकटरामन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जुलाई 1981

निवेश सं. 11222—अतः मुझे राधा बालकृष्णन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसके सं. सरवे सं. 317/1 और 315, हैं, जो सोमवार-
पट्टी में स्थित हैं (और इसमें उपावढ़ में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं)
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय उठुमलपेट डाकुमेंट सं.
3257/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन नवम्बर 80को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से वान्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:-(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुरक्षा के लिए;को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के निवन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्ति शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि सरवे सं. 315 और 317/1, सोमवारपट्टी
उठुमलपेट (डाकुमेंट सं. 3257/80)राधा बालकृष्णन
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रासअरा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपशाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 13-7-81

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री पुरुषोत्तम नायडू।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री घुरुस्वामी।

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जुलाई 1981

निदेश सं. 11222—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रत्यक्ष उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन संधर्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. म अधिक नहैऔर जिसकी सं. 315 से सं. 315 है, जो सोमवारपेट में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय उडुम्पेट (डाकुमेंट सं.
356/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16 के अधीन नवम्बर 80को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया ग्राही प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीचित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधान कर देने के अन्तरक क दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या नियम जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवोध
ब्राद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
अवधि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाल द्वारा या किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें पूर्वोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि सं. 315, सोमवारपेट (डाकुमेंट सं.
3256/80)राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास।

तारीख: 13-7-81

मोहर:

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री ठोरेस्वामी नायडु ।

(प्रत्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री घुरस्वामी ।

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जुलाई 1981

निदेश सं. 11222—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. सर्वे सं. 313, है, जो सोमवारपट्टी में स्थित
है (ग्रोर इससे उपाबद्ध अनुमूल्यों में प्रांत पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उडुमलपेट (डाकुमेंट सं.
3255/80) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन नवम्बर 1980को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभासित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि—सर्वे सं. 313, सोमवारपट्टी (डाकुमेंट सं.
3255/80)(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक्यायों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 13-7-81

मोहर:

अस: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

प्ररूप प्राईंट टी० एन० एस०—

(1) श्री दौरेस्वामी नायडु।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वेनकटरामन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जुलाई 1981

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख
में 45 दिन से प्रवृद्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकदा
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्वष्टो हत्या:—इसमें यद्युपि जब्दों और पदों का, जो उक्त आधि-
नियम, के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

निदेश सं. 11222—यह, मुझे, राधा बालकृष्णन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का नारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे सं. 313, 314 है, जो सोमवारपट्टी
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में शीर पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उठुमलपेट
(डाकुमेंट सं. 3254/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह ग्रन्ति द्वारा अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एक अन्तरण न लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य न उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण न द्वारा किसी आय की आबत, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कमों करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बीच

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को त्रिन्हे भारतीय प्राय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रधानार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपान
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित वर्किनगों परामर्शः—

अनुसूची

भर्मि—सर्वे सं. 313, 314, सोमवारपट्टी (डाकुमेंट
सं. 3254/80)राधा बालकृष्णन
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, ग मद्रास

तारीख : 13-7-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 13 जुलाई 1981

निदेश सं० 11222—अतः, मुझे, राधा बालकृष्णन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,010/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 195, 196/2 ए 192/23 है, जो बठुघपालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उठुमल-पेट (डाकुमेट सं० 3253/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री नारायणस्वामी नायडु।

(अन्तरक)

(2) श्री बालसुभ्रमनियम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्त्वावनी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन तकी अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सार्वोक्तरणः—इसमें शुक्र वार्षा अंतर पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बालसूची

भूमि-सर्वे सं० 195 196/2ए, 192/23, बठुघपालयम
(डाकुमेट सं० 3253/80)

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 13-7-81

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ८—

प्रस्तुत आई. डी. एन. एस.—

(1) श्री कालियन घौड़र

और अदर्स

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री एम० खनलकछामी
एम० शेनबकवल्ली

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जुलाई 1981

निवेश सं० 11200—यतः मुझे राधा बालकृष्णन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का नारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-
रु. में अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 170 है, जो मनगन्तुर में स्थित है (और
इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा
अधिकारी के कार्यालय आदिपुरम (डाकुमेंट सं० 4322/80)
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 16 नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का करण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चवेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या उत्तमावधि, अद्यतनद्या पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
बास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सूचिभा के लिए;
और/या

वास्तवी

भूमि सर्वे सं० 170, 42 मेनटम मनगन्तुर (डाकुमेंट सं०
4322/80)।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 13-7-81

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रूष प्राई. टी.एन.एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज 2, मद्रास
 मद्रास, दिनांक 13 जुलाई 1981

निवेश सं. 11200—यतः, मुझे गधा बालकृष्ण
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे सं. 170 है, जो सनगनूर में स्थित है और
 इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
 अधिकारी के कार्यालय आदिपुरम (डाकुमेंट सं. 4323/80) में
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
 नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 अन्ते का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित ना—
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
 अन्दरूनी प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
 निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
 के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिलयों
 को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना आविहा था लिखने में
 सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपभारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः:—

(1) श्री कालिस्वामी कौड़र
 और अद्यम

(2) श्री घोर्विठम्माल दनपाल

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती है, वे भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
 है।

ममसूची

भूमि—सर्वे सं. 170, सनगनूर 42 सेनटस (डाकुमेंट्स
 सं. 4323/80)

राष्ट्र बालकृष्ण
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज 2, मद्रास

तारीख: 13-7-81

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री कालिस्वामी बौद्धर
और प्रवर्ष

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीगनाचंजलमाल और सरसवती

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जुलाई 1981

निदेश सं० 11200—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 170 है, जो सनगनूर में स्थित है (और इससे उपाबृंह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय आदिपुरम (डाकुमेंट सं० 4324/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से की थी नहीं किया गया है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तापिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण वे हैं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में की करने या उससे बचने में संविधा के सिए; और/या

अनुसूची

भूमि—सर्वे सं० 170, सनगनूर 50 सेन्टस (डाकुमेंट सं० 4324/80)

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 7—186GI/81

तारीख : 13-7-81

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 20 जून 1981

निर्देश सं० सी० आर० 62/28961/80-81/एकुजीशन-
बी०—यतः मुझे, आर० तोतादी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सैट सं० 43, है, तथा जो राजमहल विलास
एक्सटेंशन बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाष्ठद्व अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
गोष्ठीनगर, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 29-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके द्वयमान प्रतिफल से ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तवियाँ
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था लियाने में
सुविधा के लिए;

अन्त अल्प, नव्रत अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात् :—

(1) श्रीमती सरोज गोयेन्का
एक्सप्रेस एस्टेंड्स
मोन्ट रोड
मद्रास-600002

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उमा अग्रवाल
11/3, नंदीकुर्गा रोड
बैंगलूर-46

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के
लिए कार्यवाहीयाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पव्याप्तिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3446/80-81 तारीख 29-11-80)
बैकेन्ट सैट सं० है 43, राजमहल विलास एक्स्टेंशन
बैंगलूर-6

चकवटी है—

उत्तर में—सैट सं० 42,
दक्षिण में—सैट सं० 44,
पूर्व में—रोड
पश्चिम में—प्राइवेट प्रापर्टी।

आर० तोतादी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख : 20-6-81

मोहर :

प्रस्तुप नाइ० टी० एन० एस० —————

व्याकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक व्याकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 20 जून 1981

निर्देश सं० सी० आर०-62/28962/80-81/एकुजीशन-

बी०—यतः मुझे आर० तोतावी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।और जिसकी सं० सैट सं० 36, है, तथा जो राजमहल विलास
एक्सटेंशन बैंगलूर-6 में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची
में श्री पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
गांधीनगर, बैंगलूरमें रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 29-11-1980का पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(ए) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए;
बी/वा(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्तियों
को, जिन्हे भारतीय व्याकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अन्तरिती बाबारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा
के लिए,वह: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसूच
में, वा, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अवादः—(1) श्रीमती सरोज गोयंका
एक्स्प्रेस, एस्टेट्स
मौन्ट रोड,
मद्रास-600002

(अन्तरक)

(2) मास्टर विवेककुमार अग्रवाल
श्री एस० एन० अग्रवाल के पुत्र
11/3, नंदीवर्ग रोड
बैंगलूर-46

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी अविक्षयों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम निश्चित में किए जा सकांगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(बस्तावेज सं० 3445 तारीख 29-11-80)

बैंकेट सेट है जिसका सं० 36, राजमहल विलास एक्स्टेंशन
बैंगलूर-6

चकवन्दी है

उसर में—सेट सं० 37

दक्षिण में—सेट सं० 35

पूर्व में—सेट सं० 23

पश्चिम में—रोड

आर० तोतावी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक व्याकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर।

तारीख: 20-6-1981

मोहर:

प्रकृष्ट बाई० दी० एम० एस०-----

आवधार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वारा की
269-व (1) के पद्धति सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 20 जून 1981

निर्देश सं० सी० आर० 62/28963/80-81/एक० बी०—

यतः मुझे आर० तोताकी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की द्वारा 269-व
के प्रधीन सकाम प्रायिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सैट सं० 130 है, तथा जो राजमहल विलास
एक्सटेंशन बैंगलूर-6 में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय
गोधीनगर, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) अधीन तारीख 29-11-1980

की पूर्वीकृति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मूँहे यह विवास करने
का कारण है कि व्यापौर्वीकृति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का प्रदृढ़
प्रतिशत अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तर्भूतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्रतियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की द्वारा 269-व के अनुसरण में,
पै, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-व की उपधारा (1) के
प्रधीन निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात् ।—

(1) श्रीमती सरोज गोयेन्का
एक्सप्रेस एस्टेट्स
मोन्ट रोड
मद्रास-600002

(अन्तरक)

(2) कर्नाटक ट्रेडिंग कारपोरेशन लिमिटेड
75/सी, पार्क स्ट्रीट कलकत्ता 700016
प्रतिनिधि है इसका पी० ए० होल्डर
श्री सुमरचन्द्र मेहता

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकृति सम्पत्ति के
अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तस्वीरणों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि या वे अपार ढोनी हो, के बीतर पूर्वीकृति
अविक्षयों में से निम्न अविक्षित हो।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के बीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविक्षित हारा, यांत्रज्ञानार्थी के प्रान लिखित
में किए जा सकते।

स्वरूपीकरण:—इसमें अनुसूचि शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20क में परिचालित
है; वही पर्व ढोना, जो उक्त अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूचि

(दस्तावेज सं० 3444/80-81 तारीख 29-11-80)
सैट है जिसका सं० 130 राजमहल विलास एक्स्टेंशन
बैंगलूर-6
चक्रबन्दी है—

उत्तर में—रोड
दक्षिण में—सैट सं० 131
पूर्व में—रोड
पश्चिम में—सैट सं० 129

आर० तोताकी
सकाम प्रायिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर।
तारीख: 20-6-81
मोहर:

प्रकल्प आई० टी० एम० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 20 जून 1981

निर्देश सं० सी० आर० 62/28964/80-81/एक० वी—

यतः मुझे आर० तोताकी

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्रायिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सैट सं० 42, है, तथा जो राजमहल विलास एक्स्टेंशन बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) पौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा गया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय को बाबत, सक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बच्चे में सुविधा के लिए; सारंग्या

(ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तातः :—

(1) श्रीमती सरोज गोपक्षा

एक्स्टेंशन एस्टेट्स

मोन्ट रोड

मद्रास-600002

(अन्तरक)

(2) मेसर्स शोरुका इलेक्ट्रोस्टेट्रिक प्राइवेट लिमिटेड

पी-4, नया सीआईटी रोड

कलकत्ता-700073

प्रतिनिधि है इसका पी० ए० होल्डर श्री सुमेरचन्द्र मेहता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्प्रवान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संपादीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम के ध्यायाय-20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(धस्तावेज सं० 3443/80-81 तारीख 29-11-80)

बेकेन्ट सैट है जिसका सं० 42, राजमहल विलास एक्स्टेंशन बैंगलूर-6

चक्रवन्दी है—

उत्तर में—सैट सं० 41

दक्षिण में—सैट सं० 43,

पूर्व में—रोड

पश्चिम में—प्राइवेट प्रापर्टी

आर० सोताकी
सक्त प्रायिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर।

तारीख : 20-6-81

मोहर :

प्रस्तुप श्री. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर
बैंगलूर, दिनांक 20 जून 1981

निर्देश सं० सी० आर० 62/28965/80-81/एक०षी०—
यतः मुझे आर० तोतानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० सैट सं० 129 है, तथा जो राजमहल विलास
एकस्टेन्शन, बैंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
गांधीनगर बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 29-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए दय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे करने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रदोषनार्थ अन्तरिती इमारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचाय (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अन्तर:

(1) श्रीमती सरोज गोयेंका
एकस्टेन्शन एस्टेट्स
मोन्ट रोड
मद्रास-600002

(अन्तरक)
(2) मेसर्स भोरुका प्रापर्टीस प्राइवेट लिमिटेड
पी० 4, नया सी० आई० टी० रोड
कलकत्ता-700073
प्रतिनिधि है इसका पी० ए० होल्डर श्री सुमर चन्द्र
मेहता

(अन्तरिती)

को यह सूचना आर० करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदत्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3442/80-81 तारीख 29-11-80)

वेकेन्ट सैट है जिसका सं० है सैट सं० 129, राजमहल
विलास एकस्टेन्शन बैंगलूर-6

चकवन्दी है—

उत्तर में—रोड

दक्षिण में—सैट सं० 128

पूर्व में—सैट सं० 130

पश्चिम में—रोड

आर० तोतानी

सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख : 20-6-81

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्रीमती डायाना मिश्ना, सं० 33,
ग्रान्ट रोड, बंगलूरु।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री (1) जेमशेड कुरशेड सेटना
(2) श्रीमती फरीदा जमशेड सेटना,
सं०-12 स्पेन्सर रोड,
बंगलूरु।

भारत सरकार

(अन्तरिक्त)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 24 जून 1981

निर्देश सं० सी० आर० 62/28758/80-81/ए०सी० क्य०
बी०—यतः मुझे, आर० थोथात्री

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० 33 है, तथा जो ग्रांट रोड, बंगलूरु में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर बंगलूरु में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-11-1980

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ते) और अन्तरिती (अन्तरितीयां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हृत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सहायता के लिए;

(प्रस्तावना सं० 2864/80-81 तारीख 5-11-1981) ।

जमीन तथा रहने का घर, और बिल्डिंग्स और कन्स्ट्रक्शन्स जिसका सं० 33, तथा जो ग्रान्ट रोड, बंगलूरु में स्थित है।

आर० थोथात्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूरु।

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 24-6-1981

मोहर :

प्रकृष्ट पाई-टी-एन-एस-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 जून 1981

निर्देश सं० सी० आर० 62/28932/80-81/ए० सी० क्य०

बी०—यतः मुझे, आर० योथात्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन वक्तव्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 8 है, तथा जो अप्पाजप्पा अग्रहारा, चामराजपेट, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपायद्रव्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नसवन्नगडी, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रबन्धण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रबन्धण में दूर्वा किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के बायिल्ड में कमी करो या उसमें वर्तने में मुश्विरा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या दूसरा धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्विरा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिखित अधिकारी, अधीक्षित :—

- (1) श्री मन्त्रम अप्पादोराई श्रीनिवास अयंगार यदुगि-रियमा ट्रस्ट
ऐजेन्ट करते हैं इसके पाँच ट्रस्टीज
(1) एम० ए० श्रीकृष्ण (2) श्रीमती एम० ए० चिंगामणी दोनों सं० 140/1, 13 मैन रोड 3,
ब्लाक पूर्व जयनगर, बंगलूर-11

(3) एम० ए० श्रीराम, सं० 197, XXXVIII
कॉस रोड, V ब्लाक जयनगर, बंगलूर-41।

4) एम० कै० तिळनारायण अध्यंगार, सं० 18
पूर्व लिक रोड 'E' स्ट्रीट, 3 कॉस, मल्लेश्वरम
बंगलूर-3

(5) एम० ए० श्रीराम बी० आर० हिरेमठ
बिल्डिंग, नैहूलनगर, ब्याहगी धारवाड जिला में
रहते हैं।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री आर० वेणुगोपाल

(2) आर० अनंतकृष्ण,
दोनों सं० 4 जे० सी० रोड,
बंगलूर-2 के रहवासी हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के व्यवहार के लिए कार्यवाहिया करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्व किसी भूम्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्तासारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3728/80-81 सारीख 21-11-1980)
प्रिमेसिस सं० 8 का माग तथा जो अप्पाजप्पा अग्रहार, चामराजपेट डिविजन सं० 27, बंगलूर में स्थित है। सेट एरिया मेजरिंग 220.47 स्कायर मीटर्स तथा 95.80 स्कायर मीटर्स इमारत इसमें है।

कक्षान्दी :—

उ—में प्रिमेसिस सं० 7, अप्पाजप्पा अग्रहार

द—में प्रिमेसिस सं०-8 और 9 के बाकी भाग।

पू—में थोड़ा कान्सर्वेन्सी, थोड़ा प्रिमेसिस सं०-8 और 9 के भाग।

प—में अप्पाजप्पा अग्रहार रोड।

आर० योथात्री

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 20-6-1981

मोहर :

प्रध्य प्राई. टी० एम० एव०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 जून 1981

निर्देश सं० सो० आर० 62/29557/80-81/एक्य०/बी०—
यतः मुझे, आर० तोताती,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने,
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- इपये से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एम० सं० 146 और टी० एस० सं०
26/1 है, तथा जो अत्तावर गांव मंगलूर में स्थित है (और इससे
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-12-1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न में वास्तविक रूप से कर्तव्य
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापर, उक्त
अधिनियम के अधीन कर हने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का सिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तवों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यावार प्रकट नहीं किया
जाया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सविधा के सिए;

जहाँ अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसर
में, भू, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नसिद्धित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8-186GI/81

(1) पेटोलीया सलाम्हा
लैट हाऊस हिल
मंगलूर-575001

(अन्तरक)

(2) (1) श्रा नोयल एफ० सो० पिन्टो
विलियम पिन्टो के पुत्र

(2) कुमारो मरलिम रोस, वेरोनिका पिन्टो,
विलियम पिन्टो के पुत्रों दोनों रहने वाले में विला,
लोयर बैन्डर मंगलूर में

(3) आमती एस० नागलक्ष्मी अम्माल, सं० 34;
ओसवोरन रोड, बंगलूर

(4) श्री एम० अप्पुकुटी, सं० 257 आनन्द निलया
1 स्टेज इन्डिरानगर बंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
सिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आझेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सच्चाना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के
पास लिलित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मंगलूरी

(दस्तावेज सं० 1043/80-81 तारीख 3-12-80)

घर सम्पत्ति है जिसका आर० एस० सं० 146, टी० एस०
सं० 26-1, और डोर सं० 14-2-149, अत्तावर गांव मंगलूर
सिटी ।

आर० तोताती
सक्षम प्राधिकारी
महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-, बंगलूर

तारीख : 20-6-81

मोहर :

प्रूफ बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन) — प्रतः मुझे, कृष्णकान्त
राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो विपुरी बांड में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 6-9-1980

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती
(अन्तरिताँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री विजय कुमार जैन सुपुत्र
डा० चौधरी बाबूलाल जैन
(2) चौधरी महेन्द्र कुमार जैन सुपुत्र
डा० दरबारालाल जैन
63, गोल बाजार जबलपुर

(अन्तरक)

(2) श्री नाथुबात घोकसी
पुत्र प्रताप घोधरी
निं० ग्राम रपुरा पो० सुकरी त० व जिं० जबलपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहो द्या करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान जो नगर सुधार न्याय जबलपुर की स्कीम में 2 के
अन्तर्गत घाट नं० 12 और 13 पर स्थित है, बांड-विपुरी,
रकबा घाट 200591।

कृष्णकान्त राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 23-5-1981
मोहर :

प्रूप शाहै. टी. एन. एस.—

(1) श्री महाराज यशवन्त राव
सदाशिव राव पवार द्वयास

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री देवास बिल्डर्स पवास

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 मई 1981

नियशं सं० आई० ए० सी० अर्जन भोपाल—प्रतः मुख्य कृष्ण कान्त राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसका खुला भूमि है, जो देवास में स्थित है (और इससे उपाधान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय देवास में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-9-80

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अंतरिती (अन्तरितीयां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय दाया गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभरी के पास निषिद्ध में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में देया गया है।

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

गृहस्त्री

पुराने राजवाडे देवास के पोछे का भाग क्षेत्रफल 21605.76 वर्ग फिट।

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविहए था, जिसने में सुविधा के लिए;

जूतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

कृष्णकाम्त राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 23-5-1981

मोहर:

प्रारूप आई. टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की
भारा २६९-घ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक २३ मई १९८१

निर्देश सं० आई० ए० सो० अर्जन भोपाल—आतः, मुझे
कृष्णकान्त राय

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
२६९-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य २५,०००/- रुपए से अधिक है

और जिसको सं० म० न० ८९ है, जो उज्जैन में स्थित है (और
इससे उपायम शनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी के कार्यालय उज्जैन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन २०-९-८०

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि गधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ॥—

(१) श्री राजकुमार पुत्र रखबदाम माधव
नगर उज्जैन । (अन्तरक)
(२) श्रीमती कृष्णदेवी पत्नी श्री कृष्ण मंगल सिंह
कुलश्रेष्ठ ३-मम्सी रोड उज्जैन (अन्तरिती)

की यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उज्जैन के
लिए कार्यवाहीयां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के उज्जैन के संबंध में कोई भी आक्षण्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकने ।

स्थानिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय २०-क में परि-
भासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

जनूसूची

(क) अन्तरण से हृह किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

विश्वविद्यालय रोड उज्जैन पर स्थित मकान नं० ८९ व
खुलो भूमि ।

कृष्णकान्त राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

आतः अब, उक्त अधिनियम की भारा २६९-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा २६९-घ की उपभारा (१)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

तारीख: २३-५-१९८१

मोहर:

प्रकृष्ट प्राइंटी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(1) श्री सवरामली पुनर मो० अली बदनावर

(अन्तरक)

(2) श्री जी० काठन जिनिंग फैक्टरी बदनावर
द्वारा श्री कैलाश चन्द गर्ग उज्जैन

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 मई, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी० अर्जन भोपाल—अतः मुझे
कृष्ण कान्त राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन संख्या प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो बदनावर में स्थित है (और इससे
उपबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्टा
अधिकारी के कार्यालय बदनावर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रन्थानि 6-9-80

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्छी प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण है हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
साथसे में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसूचण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिणी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमत्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

नमूने

खुली भूमि कुशा सहित क्षेत्र फल 2.403 हेक्टर सर्व
नं० 2129 जो बदनावर में स्थित है।

कृष्णकान्त राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 23-5-81

मोहर :

प्रस्तुप आईँ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 मई 1981

निवेश सं० आई० ए० सी० (अर्जन) भोपाल—अतः, मुझे
कृष्णकान्त राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खन्डर भूमि मकान नं० 4 इन्दौर में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रेफर्टा अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्र-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-9-81
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
वायित्व में कभी कुनै या उससे बहने में सुविधा
के लिए; औड/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री हरीकिशन पुढ़ बालुराम महाजन निवासी
चुराई मोहल्ला, इन्दौर

(अन्तरक)

(2) श्री रामविलास पुढ़ मांगीलाल खन्डेलवाल
निवासी 22 पेन्डर रोड
प्लैट नं० 2
बम्है-7

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन् के द्विषेष
कार्यवाहीहो करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होणा या उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1 गली नं० 4 छोटी टोली में स्थित [भूमि
क्षेत्रफल 2045 वर्ग फीट]।

कृष्णकान्त राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 23-5-1981

मोहर :

जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् १—

प्रलूप लाई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती करुणादेवी; उक्त श्रीमती पुष्पा देवी।

पत्नी प्रम्बालास देवेदी। अजमे

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) डा० कुमारा गोपालन पुत्रा इ० गोपालन
शास्त्री नगर

रत्नाम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी० अर्जन भोपाल—अतः, मुझे
कृष्णकान्त राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट 1.1 नजर बाग रत्नाम में स्थित है
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रत्नाम में भारतीय रजिस्ट्री-
कृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-9-81
को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लक्ष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके लक्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे लक्ष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में जास्तिफल
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविकल्पों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर
अन्तरितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-
बूष्ठ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
महीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
बीर/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्लाट नं० 1 नजर बाग रत्नाम में स्थित क्षेत्रफल
5,407.5 एकड़ी।

कृष्णकान्त राय
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 23-5-1981

मोहर :

अतः यद्युपि, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण
में, भृ. उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविकल्पों अर्थात्:—

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 मई, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी० अर्जन भोपाल—आयतः; मुझे कृष्ण कान्त राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशासन 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० म० न० 12/1 व खुली भूमि है, जो माउथ टुकोगन्ज इन्दौर में स्थित है (और इससे उपासना अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन 25-9-80

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और ग्रन्थे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूर्दा किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रोमतो इन्द्रावाई पत्नी कान्ती लाल वस्याम्

5/4 स्नेह लता गंज इन्दौर

(अन्तरक)

(2) श्री गोपाल दाम, सुन्दरदाम

पुत्र मोटन दाम व जगदीश कुमार

सुरेश कुमार किशोर कुमार पुत्र गोपाल दाम

निवासी 96 जयरामपुर कालोनी इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी जाक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तात्पुरता से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मूल्यांकन

म० न० 12/1 माउथ टुको गंज इन्दौर व खुली भूमि 6050 वर्ग फीट

कृष्ण कान्त राय

'सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त'(निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 23-5-81

मोहर :

अपा: अप, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ के अन्तरण में, यै, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अपैन 'निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन :

प्र० बाई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 मई 1981

विदेश सं० आई० ए० सी० ग्रन्जन भोपाल—अतः, मुझे
कृष्णकान्त राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० खमरा नं० 189/3 भूमि में स्थित है (और
इसमें उपाजन्म अनुभूति में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय हसनपुर बुरहानपुर में भारतीय
रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

12-9-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्ड्रू प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक
स्पष्ट से कार्यकृत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती व्यावार प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग की अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

9-186GT/81

(1) श्री हरी सिंह बल्द भान सिंह

(2) सारो बाई

(3) तोतीबाई

पस्नी मान सिंह नाथ बननारा वाथा हमं नाबाद
उक्त राजोरा नह० बुरहानपुर (निभा)

(अन्तरक)

(2) 1. श्री शान्तोलाल बल्द नसां वाया

2. सो० शोभाबाई पस्नी शान्तोलाल

(दलाल)

निवासी शाह बाजार

बुरहानपुर

(अन्तर्गतः)

करे यह सूचना आठी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्राविकरणः--इसमें प्रयुक्त संज्ञां और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम नन्द बेड़ा बुरहानपुर क्षेत्रफल सं० 4.74
और 4.75—9.49 एकड़ खमरा नं० 189/3

कृष्ण कान्त राय

मन्त्रम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, ५०१८

तारीख : 23-5-81

मोहर :

प्रकृत्या आई.टी. एम् एस.—

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

(1) श्री नारायण प्रसाद पुत्र मोर्तीलाल गुप्ता
29 मालीपुरा इन्दौर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुशीला पत्नी तीर्थदास 29/8 मुराई
मोहल्ला इन्दौर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, विनांक 25 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी० अर्जन भोपाल—अतः मुझे
कृष्ण कान्त राय

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिमकी सं० एलाट नं० 822 है, जो इन्दौर में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्री-
कर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-9-80
को प्रारंभित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से, ऐसे दूसरमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया भया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नतः में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत उक्त अन्तरक
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्याकृत द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मालाटी

एलाट नं० 822 खाती वाला टैक इन्दौर में स्थित जिसका
बोतफल 4000 वर्ग फीट।

कृष्ण कान्त राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

तारीख : 25-5-81

मोहर :

प्रस्तुति आई.टी.एन.एस.

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 मई 1981

निदेश सं० आई० ए० सी० अर्जन भोपाल—प्रति, मुझे
कृष्ण कान्त राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उचित् अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 107, 108 108ब भूमि है, जो रत्नाम
में स्थित है (और इससे उपावश्य अनुसूची में और पूर्ण के रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रत्नाम में भार-
तीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
— 19-४-८०

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वासितयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

वह अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री कान्तीलाल,
- (2) मनोशंकर पुत्र कुर्गा शंकर
- (3) रेवाशंकर पिता चम्पालाल
- (4) बंसीबाई पति रेवा शंकर
- (5) केलाण अनंद पिता रेवा शंकर
- (6) जीतमल, पिता नारायनजी
- श्रीमालीबास रत्नाम
- (7) मुख्यानन्द पिता खूबा जी के बारसान
- श्रीमालीबास जी रत्नाम

(8) सुरेशचन्द्र पिता आनन्दीलाल जी
श्रीमालीबास रत्नाम

(अन्तरक)

- (2) श्री (1) निसार हुसैन पुत्र एहमद शर्ली
- (2) लक्ष्मी नारायण पिता गजाधर शर्मा
- (3) गोविन्दकुमार
- (4) कुमू कमलेश पुत्री जगदीश शर्मा
- (5) श्रीमती उमा पत्नी विश्वास नाथ शर्मा
- (6) श्रीमती रेखा पत्नी डा० शशोक नागर
- (7) श्रीमती सरस्वती देवी
- (8) गलाम हुसैन (9) सैदा हुसैन
- (10) इमदाद हुसैन
- (11) देवेन्द्र सिंह
- (12) मंजहरहुसैन
- (13) नजामुद्दीन रत्नाम

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्लॉइंग भी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में क्लॉइंग जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली भूमि कस्बा रत्नाम सर्वे नं० 107, 108 अ 108
ब कुल क्षेत्रफल 0.620 हेक्टर (66710 वर्ग फीट)

कृष्ण कान्त राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 23-5-1981

मोहर :

प्रश्न वाई० डी० एव० इह०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
268-ए (1) के वारीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 मई 1981

निदेश सं० आई० ए० सी० अर्जन भोपाल—अतः, मुझे
कृष्ण कान्त राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पालत 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है); की बारा 268-ए
के वारीम संकर प्राधिकारी को, वह विश्वास करते का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति विश्वास उचित बाजार मूल्य 26,000/- ए० से
अधिक है।

और जिसकी सं० जूनाराज बाड़ है, जो देवास में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय देवास में भारतीय रजिस्ट्रीकूट
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-9-80
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उत्तमान प्रतिफल से, ऐसे रथमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरितीं
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण द्वितीय में बास्तुविक
रूप से कठिन नहीं किया गया है ॥

(क) अन्तरण सं० है किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के वर्तीन कर देने के अन्तरक के
वारियत्व में कमी करने या उससे बदलने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आर्समानों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिनमें मैं
सुविधा के लिए;

अतः घब, उक्त अधिनियम की बारा 268-ए के उपचरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 268-ए की उपचारा (1) के
वर्तीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्जीतः—

(1) श्री शीतल बन्द्र भीनलबाया भागीदार
वर्षा कल्पक्षन का इन्दौर

(अन्तरक)

(2) (1) श्री समरथ मल पुत्र सोभाग मल
81 रजब अली मार्ग देवास

(2) मोहन लाल थावरदास देवास

(3) जनार्दन स्वामी पुत्र मुन्नी लाल स्वामी
ग्रानन्दपुरा देवास

(4) श्रीमती शिरोमनी बाई पत्नी समर थमल जैन
81 रजब अली मार्ग देवास

(अन्तरिती)

जो वह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के
विष कार्यवाहिकी करता है।

उपर सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राखपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राखपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अप्प व्यक्ति द्वारा, पछोड़ताकरी के पास लिखित में
विष वा सकेने।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 26-ए में परिवाचित है,
वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

मनुसूची

जूना राजबाड़ा देवास जूनियर का हिस्सा।

कृष्ण कान्त राय
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 25-5-81
मोहर :

प्रारूप नं. टी० एन० एस०----

आयकर प्रविधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

तार्यालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 मई 1981

निरेश सं० आई० ए० सी० अर्जन भोपाल—ग्रतः मुझे कृष्ण कान्त राय

आयकर प्रविधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रविधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-व के अधीन नम्र प्राधिकारी को, यह विवरण दरने का कारण है कि आयकर सम्पत्ति विस्ता उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 47 की प्लाट है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकूत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-9-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवरण करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और प्रत्यक्षिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरक लिखित में वास्तुरिक रूप से कितने नहीं किया गया है:-

(५) अस्तरक से तुझे किसी घाय की वापत, उक्त प्रविधिनियम के प्रश्नोत्तर भर देने के अस्तरक के विवरण में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए आदया;

(६) ऐसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रविधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रविधिनियम, या अन्यकर प्रविधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनामं प्रत्यक्षिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा के लिए;

गत अब, उक्त प्रविधिनियम की वारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रविधिनियम की वारा 269-व(1) की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविवितियों, अर्थात् :—

(1) श्री केशर सिंह
पिता हीरा सिंह
कनाडिया इन्दौर

(प्रत्यक्षिती)

(2) श्रीमती बसन्ता बेन पत्नी खेमजी भाई
50 पटेल कालोनी
इन्दौर

(प्रत्यक्षिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में जोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी अविवितियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविवितियों में से किसी अविवित द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी घन्य अविवित द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास विवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रविधिनियम के अध्याय 20-व में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अमृतसूची

प्लाट नं० 49 बी० उद्दोग नगर मूसाखेड़ी देव गुराडिया रोड पर इन्दौर में स्थित क्षेत्रफल 14000 बर्ग फीट

कृष्ण कान्त राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 25-5-81
मोद्दूर :

प्रकृष्ट आई० टी० एम० एस०—

आवाहन अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की वारा
269-ए(1) के पश्चीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 मई 1981

निवेश सं० आई० ए० सी० अर्जन भोपाल—ग्राम: मुझे
कृष्ण कान्त राय

ग्रामकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), को वारा
269-ए के पश्चीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 20 है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे
उपर्युक्त अमुख्यमें और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के पश्चीम 11-9-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से छम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उन्ह दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरज के लिए
तथा पाया जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरज
लिखित में वास्तविक का से कठित नहीं किया जा सकता है :—

(क) प्रस्तरण से दूरी किसी ग्राम की वावत उक्त
अधिनियम के पश्चीम कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिसी ग्राम या किसी घन या अन्य ग्रामियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
आवाहन अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया
जाया या या किया जाना चाहिए वा कियाने में
सुविधा के लिए ;

ग्राम: जब, उक्त अधिनियम की वारा 269-ए के
अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की वारा 269-ए की
उपराय (1) के अन्तीम, निम्नलिखित अवधियों, अवैत्।—

(1) श्री केशर सिंह हीरा सिंह कनाडिया

इन्दौर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विष्णु वाई पत्नी बालकिशन मुराई

मोहल्ला इन्दौर

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी व्यापेण।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवधियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में से
किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवधि द्वारा, अघोद्दस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रदान का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अन्याय 20-क में परिचायित हैं, वही
प्रयोग होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 20 उचोग नगर मूसाखेड़ी देव गुराडिया रोड
इन्दौर में स्थित क्षेत्रफल 15000 वर्ग फीट

कृष्ण कान्त राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 25-5-81

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269वां(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, क्रमांक 22 मई 1981

निवेश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/भोपाल—अतः

कुण्डनान्त राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 22 है, तथा जो खालिमर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय ग्रालियर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-5-1980

को पूर्णकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिकान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अधिकान प्रतिफल से, एसे अधिकान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्घोषण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाहियत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) 1. श्रीमती अशोक सरदाना पुत्र विलोक नाथ
सरदाना
निवासी डी 103 ईस्ट आफ कैलाश नई दिल्ली 24
2. श्रीमती सोमा सिंह
पत्नी मधुनन्दन सिंह निवासी बाड़ी नगर
मालूल चैम्बर, बन्दर

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार गुरेजा
पुत्र मोहन लाल गुरेजा
निवासी 17, रातन कोचोनी,
जीवानीगंज लखाकर
ग्रालियर (म० प्र०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अर्जन के जिए
कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में आई भी जाकोपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्यभ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरीकरणः--इसमें प्रदूषित शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान, जिसका भवन क्रमांक 22/937 है, प्रोर जी
न्यू बेहापति कालोनी, ग्रालियर में स्थित है।

कुण्डन कान्त राय
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षणी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीखः 22-5-1981

मोहरः

मतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा के, अनुत्तरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्णितः--

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 मई 1981

निवेश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)---प्रतः मुझे कृष्ण
काल राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, जो महानदा में स्थित है (और इससे
उपर अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय महानदा में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अन्तर्में 8-9-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अवधान प्रतिफल से, ऐसे अवधान प्रतिफल का
पूर्वोक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में बारत-
रूप से कठित नहीं किया गया है:--

(क) अस्तरण से हट्ट किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अथवा:--

(1) श्री (1) दीनदयाल वल्द पं० विष्णुदयाल भार्गव
(2) श्री शुरकुमार वल्द पं० विष्णुदयाल भार्गव
115 लार्डगज
जबलपुर

(अन्तरक)
(2) मे० नरेंद्र टिम्बर द्वारा पार्टनर श्री बेनीप्रसाद वल्द*
पं० लेदीलाल अवस्थी महानदा नागपुर रोड
जबलपुर

(प्रतरिती)

को मैं सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

प्लाट रक्का 6481 स्केयर फिट जो नागपुर रोड नरसिंह
बाड़े जबलपुर में स्थित है।
मौजा महानदा ख० न० 48/1 व 41 प्लाट न० 31

कृष्ण काल राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 22-5-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री अनिल कुमार जैन
पुत्र श्री बाबू लाल जैन
निवासी गांधी बाजार,
बेगमगंज, जिला रामसेन

(अन्तरक)

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सक्रिय आयकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 मई, 1981

निवेश सं० आई० ए० सी० (अर्जन) भोपाल—अतः
कृष्णकान्त राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अंतीम सक्रिय प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो भोपाल में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 25-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का अन्वह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न में वास्तविक रूप से कठित
नहीं किया गया है:—

(क) प्रमाणण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षरण के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी अन्य या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
दन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

(2) 1. श्रीमती द्वौपती तलरेजा
पत्नी श्री दशरथ कुमार
2. श्रीमती पद्मा तलरेजा
पत्नी श्री वासुदेव तलरेजा
3. श्रीमती शकुन्तला पत्नी श्री मुरारी लाल
तलरेजा, निवासी 109, डी०-सेक्टर,
जमाल पुरा, फिरदोस नगर भोपाल (म० प्र०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना बतायी करो ताकि आपति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति व अर्जन के निवन्ध में कोई भी ग्राहक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि ता तर्मांधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधाय २०-का में परिभाषित है, वही
पर्याय होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट जो किंहसीरिया रोड पर सगम टाकीज के निकट
स्थित है, और जिसका माप 1617 वर्गफुट है।

कृष्ण कान्त राय
सक्रिय प्राधिकारी

(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
प्रजन रेंज, भोपाल

तारीख : 22-5-1981

मोहर :

असा दाय, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
के अधीन, निम्नाधीन व्यक्तियों, अर्थात्—

10—186GI/81

ब्रह्मप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी० अर्जन भोपाल—अतः, कृष्ण कान्त राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्बन्धि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 80 व 81 है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की याँ है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरक के लिए तथा पाया यथा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य व उक्त अस्तरण लिखित में बाह्यिक रूप से कारित नहीं किया यथा है:—

(क) अस्तरक से दूरी किसी पाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी पाय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोगमार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, जै उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थातः:—

- (1) श्री फ़ारम पुत्र मित्तूर पी० बामगर बाम्बे द्वारा श्री बहराम पुत्र फारम इन्दौर (अन्तरक)
- (2) श्री संजय गुप्ता (2) विजय गुप्ता (3) ग्रसनी पुत्र मदन लाल गुप्ता द्वारा संरक्षक श्रीमती सावित्री बाई गुप्ता इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य बाहिर करता है।

उक्त मम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्यापक :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अम्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

ट्यूबीकरण :— इसमें प्रयुक्त जट्ठों और पट्ठों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्तित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं०ग 80 और 81 कैलाश पार्क कालोनी इन्दौर

कृष्ण कान्त राय
(सकाम प्राप्तिकारी)
(निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-5-81

मोहर :

प्रस्तुप आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 मई 1981

निदेश सं० आई० ए० सी० अर्जन भोपाल—अतः मुझे, कृष्ण
कान्त राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० म० न० 15 है, तथा जो इन्दौर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-७-1980
को शुरूंकर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पन्दहु प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से छुट्टे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरीसी दबारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्रीमती राजरानी पत्नी सुशील कुमार आनन्द
(2) सुशील कुमार पुत्र सेवकराम (3) सुनील
श्रीमती रोहित युव सुशील कुमार आनन्द, न्यू डेहली।
(अन्तरक)

(2) श्री बद्रीनारायण पुत्र किशन जी मंगल
म० न० 274/1 रेशम बाला लाइन, इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्पण के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्पण के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आवेद्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकूड़ी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त पाठ्यों और पद्धतों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान न० 15 गली न० 1 साउथ तुकीगंज, इन्दौर।

कृष्ण कान्त राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

तारीख : 28-5-81

मोहर :

प्रस्तुपु आर्द्ध, टी. एन., पए. ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 मई 1981

निदेश सं० ग्राह्य० ए० सी० (अर्जन) — अतः मुझे
कृष्ण कान्त राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो नीमवाली सड़क में स्थित है
(और इससे उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है);
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-9-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए

अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूम्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक (अन्तरिक्तियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित
ठब्बेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं
बना है :—

(क) अन्तरण से हूँ कि किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री सरदार हरीसिंह पुत्र सरदार कृपाला सिंह
निवासी पंजाबी बाग,
रायसेन रोड,
भोपाल

(प्रस्तरक)

(2) श्री सम्यद मोहन्कुम अली बल्द सम्यद याकूब
अली निं० जहांगीराबाद, भोपाल

(अन्तरिक्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
दूष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्लाट, जो नीमवाली सड़क पर जहांगीराबाद में स्थित है।
रक्का 5040 स्केयर फिट

कृष्ण कान्त राय

सकाम प्राधिकारी

(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)

अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 22-5-81

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

प्रारूप आई.टी.एन.एस.

(1) श्री पारीबन्द कन्हैयालाल महाजन
सेधवा जिला खरगोन

(प्रतारक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री जगदीश सत्यनारायन पुल
मदनलाल महाजन सेधवा
खरगोन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 मई 1981

निदेश सं० आई० ए० सी० अर्जन भोपाल—भ्रष्ट: कृष्ण
कान्त रायआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक हैऔर जिसकी सं० मकान है, तथा जो सेन्धवा में स्थित है (और
इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेन्धवा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 12-०-१९८०को धूर्खाकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाधूर्खाकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, एसे दूष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदाहरण रूप से अन्तरण लाखत में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--(क) अन्तरण से हड़ि किसी आय की धारत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

दो मंजिल मकान कस्ता सेधवा में स्थिति।

कृष्ण कान्त राय
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षण सहायक आयुक्त)
अर्जन रेज, भोपालअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

तारीख : 22-५-१९८१

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस० —————

(1) श्री मंत महाराजा

यशवन्तराव सदाशिवराव पदार देवास

(मन्त्रक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना(2) वर्षा कन्सट्रक्शन कम्पनी
इन्डोर।

(मन्त्रिता)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज; भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 मई 1981

निवेश सं० आई० ए० सी० अर्जन भोपाल—ग्रन्ति: कृष्ण
कान्त रायआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० जूनाराजवाड़ा है, तथा जो दबास में स्थित है
(और इससे उपाबृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देवास में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-9-1980
के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ति संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से एसे छयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हैर्स किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कर्ता करने वा उससे उच्चने में सुविधा के सिए;
बीत/पा

अनुसूची

(ब) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;ग्रन्ति: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अन्तरण
में, या, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन रेज,कृष्ण कान्त राय
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 22-5-81

मोहर:

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 मई 1981

निदेश सं० आई० ए० सी० अर्जन भोपाल—अतः कुण्ड
कान्त राय

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000 / रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट म० न० 77 है, जो विवेकानन्द
कालोनी इन्डौर में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची में और
पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
इन्डौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
के अधीन, 12-9-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अथवान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अथवावेक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अथवान प्रतिफल से, ऐसे अथवान प्रतिफल का
पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आविष्टियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (11)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती शशी पत्नी अशोक सिवल

(2) नीरज सिवल 77 स्वामी विवेकानन्द
कालोनी इन्डौर

(अन्तरक)

(2) श्री राकेश सेठी

1-मोहता नगर इन्डौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयाहिंगा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, को भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित किए जा सकें।

परामर्शदाता:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

4000 हजार वर्ग फीट भूमि पर बना मकान न० 77 स्वामी
विवेकानन्द कालोनी इन्डौर

कुण्ड कान्त राय
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आपकर आयुक्त)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-5-81

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

आमकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 मई 1981

निदेश सं० आई० ए० सी० अर्जन भोपाल—अतः कृष्ण
कान्त राय

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट 3 है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और
इससे उपचाद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 15-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रतिक्रिया की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के विए नव पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरोपण लिखित में
कास्तिक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के शायित्र में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भू., उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृतः—

(1) श्री मिठ्ठालाल मेहतूल चन्द्र
42 प्रभाकर कालोनी इन्दौर

(अन्तरक)

(2) शिव शक्ति नगर गृह निर्माण सहकारी समिति
इन्दौर 24/51 लक्ष्मी बाई नगर
इन्दौर

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
लायवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहन्स्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं
मर्ख होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 3 और 25 यशवन्त निवास रोड इन्दौर पर जिस
का क्षेत्रफल 10050 वर्ग फीट।

कृष्ण कान्त राय
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 28-5-81

१६५:

प्रकाश प्राईटी एम्प्रेस्ट—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रश्न सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, मन्त्रालय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 मई 1981

निदेश सं० आई० ए० सी० (अर्जन) भोपाल—अतः मुझे
कृष्ण कान्त राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वाक्षर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इये
से अधिक है।

और जिसकी कृष्ण भूमि है, तथा जो ग्राम सोताडा में स्थित है
(और इससे उपावड़ा ग्रन्तुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरदा में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-9-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण पर हुई किसी आय को बाकीत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कभी करने या उक्त सम्बन्ध में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी इन या वन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
शन्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया
वया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने
वे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

11—186GI/81

(1) श्री वैद प्रकाश पुत्र विद्यानन्द मिश्रा व मु० ग्राम
तरफ से श्री महेन्द्रदत्त व चन्द्रगोपाल मिश्रा
(2) महेन्द्रकुमार निं० पोस्ट हरदा

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेमनारायण व चुम्बीलाल गूजर
मि० डीवारिया पो० टेमागांव त० हरदा
(अन्तरिती)

मौ गढ़ सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वाक्षर सम्पत्ति में हितवद
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा, वन्यहस्ताक्षरी के पास
लिखित में लिए जा सकें।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त वन्डों और वर्वों का, वे उक्त
अधिनियम, के बायाय 20-क में परिवर्तित हैं, वही पर्व होता; जो उक्त बायाय
में दिया गया है।

अनुसूची

कृष्ण भूमि रकवा—800 एकड़ जो ग्राम सोताडा में स्थित
है के० एच नं० 188

कृष्ण कान्त राय

सकाम प्राधिकारी

(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 22-5-1 981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 मई 1981

निदेश सं० आई० ए० सी०/(अर्जन) भोपाल—अतः
कुण्णकान्त राय

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यदि विष्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम सोताडा में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हरदा में,
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

17-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टिमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्टिमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण ह निए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया था:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी दाय का बाधत उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी निम्नी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1923
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
छनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अक्षियों, अवैतु:—

(1) श्री वेद प्रकाश पुत्र विद्यानन्द मिश्र
सुद व मू० आम महेश दत्त मिश्र
और महेश कुमार मिश्र
दोनों पुत्र चन्द्रगोपाल मिश्र
निवासी हरदा जिला होशंगाबाद (म० प्र०)
(अन्तरक)

पुत्र चुशीलाल गूजर
निवासी डोलरिया, पो० देमार्गाव तह० हरदा
जिला होशंगाबाद
(म० प्र०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अक्षियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, र भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में से
किसी अक्षियां द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अक्षियां द्वारा, अधीकृतस्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित है वही
ग्रंथ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि, जिसका माप 8.00 एकड़ है, और जो ग्राम
सोताडा, के खसरा नं० 188 में स्थित है।

कुण्ण कान्त राय
सभी प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेज भोपाल

तारीख : 22-5-1981

मोहर :

प्रस्तुत आहे. टी. एन. एस. ——

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के व्यधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकस्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 मई 1981

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल—ग्रतः मुखे
कृष्ण कान्त राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी क्षुषि भूमि है, तथा जो ग्राम खेतड़ा में स्थित है
 (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्री नृता अधिकारी के कार्यालय इनदों में, रजिस्ट्री नृत
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-9-80
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
 (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
 फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूचिभा के लिए और/या

(क) एसी किसी आय या किसी धन या अस्ति आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षातः—

(1) श्री वेद प्रकाश पुस्तकालय चिन्हारक मिश्र खुद व मु० ग्राम
बाबते महेश दत्त मिश्र^१
ग्राम योगी कुमार मिश्र^२
दोनों पुस्तकालय चिन्हारक मिश्र^३ (अन्तरक)

(2) श्री अवशनी लाल पुत्र हरद जिला होशंगाबाद
शिवचरण और सोजाभाई पुत्र अपारफी लाल
जी पारे जाति ब्रह्मण पुत्र निवासी ग्राम सोताडा
पो० सोमरथा तह० हरदा
जिला होशंगाबाद (म० प्र०)
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाचित्यां करता है।

उक्त समस्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आधिकारिक:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापार;

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के परिमापित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

265

कृषि भूमि जिसका माप 14.00 एकड़ है और जो ग्राम सोताडा में खसरा नं० 188 में स्थित है।

कृष्ण कन्त राधा

संक्षेप प्राधिकरण

**निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
प्रार्जन रेंज, घोपाल**

तारीख : २२-५-८१

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 मई 1981

निवेश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/भोपाल—अतः कृष्ण
कन्ता राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं० कृष्ण भूमि है, तथा जो ग्राम सोताडा में स्थित है
(और इससे उपावह अनुसूची में और पूर्ण रूप के रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरदा में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-१-८०
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चवाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाण्य गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्य में कमी कड़ने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(द) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्त्र आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री (1) वेदप्रकाश पुत्र विद्यानन्द मिश्र खुद व
मु० आम
श्री महेशदत्त आ० चन्द्रगोपाल जी मिश्र
व चन्द्रगोपाल निं० हरदा (2) श्री महेन्द्रकुमार
(अन्तरक)

(2) मा० कमल किशोर (2) वृज किशोर ना० ना पुत्र
श्री राधेश्याम गूजरथन० डोलरिया,
पो० देमागांव त० हरदा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 विन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

मनूसूची

कृष्ण भूमि जो ग्राम सोताडा, त० हरदा में स्थित है ख० न०
188, रक्वा 7.51 एकड़

कृष्ण कान्त राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, सुघियामा।

तारीख: 22-5-1981

मोहर:

प्रस्तुताईः टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 मई 1981

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल 4981—यतः मुझे
कृष्ण कान्त राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भभि (भाग) है, तथा जो इन्वैर में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय इन्वैर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16), अधीन 12-9-1980
की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे दृष्टने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आविस्तयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) (1) श्री डा० अमजद अली
- (2) शहजादा अली
- (3) डा० हेमशाद अली
- (4) डा० अविन्द अली (5) श्री सलिल अली
- (6) श्री मुमताज अली व (7) डा० नौशाद अली
सभी पुत्र डा० असगर अली निवासी 13,
वजरिया भेरी रोड, इन्वैर (अन्तरक)
- (2) श्री कमल पुत्र श्री मनसा राम नवलानी निवासी
8, रूपराम नगर, इन्वैर

- (2) श्री बलराज पुत्र श्री दयाराम नवलानी निवासी
14, सिन्डीकूट कालानी,
इन्वैर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तापिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भभि थोकफल 0.40 एकड़ भाग खसरा नं० 468, 461,
470 व 468/458 स्थित ग्राम पिपलिया राव, इन्वैर

कृष्ण कान्त राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 23-5-1981

मोहर :

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्ची/भोपाल—अतः मुझे
कृष्ण कान्त राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 11-9-1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती दृश्यारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) (1) श्री डा० श्रमचन्द्र ग्रली
(2) श्री शहजाद ग्रली
(3) श्री इरशाद ग्रली (4) डा० आबिद ग्रली
(5) श्री खालेहुग्रली (1) श्री जीशादग्रली
(7) श्रीमुस्ताज ग्रली सी पुत्रान डा० असगर
ग्रली नहीं, व गरमिगमनराई, इन्दौर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शान्ति बाई पति श्री दर्शनगलाल
99, बैरधली कालोनी,
इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित भौं किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्त
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ॥

मनूषी

भूमि धोतफल 0-22 एकड़ भाग खसरा नं० 168, 169
170 व 168/458 स्थित ग्राम पिपलियाराव, इन्दौर

कृष्ण कान्त राय
सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 23-5-1981

मोहर :

प्रस्तुप लाइंटी.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 मई 1981

निकेश सं० आई० ए० सी० एकबी० भोपाल—अतः मुझे,
कृष्ण कान्त राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सत्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी भूमि (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और
इससे उपावन्द्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-9-80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह हूँ प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और
प्रत्यक्षित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
प्रस्तवित रूप से रुचिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी द्वन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बच-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता था हिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः प्रत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

- (1) डा० प्रमोद अली
- (2) शहजाद अली
- (3) डा० इरशाद अली
- (4) डा० आबिद अली
- (5) श्री खालेद अली
- (6) श्री मुमताज अली व (7) डा० बाशाद
अली

सभी पुत्र श्री डा० असगर अली निवासी 13,
वजरिया, मेन, रोड, इन्दौर (अन्तरक)

- (2) श्रीमती शीला देवी पन्नी श्री कृष्ण मललाली
निवासी 38, इम्प्रोवमेन्ट ट्रस्ट कालोनी
इन्दौर।
- (2) श्री गिरीश पुत्र श्री कृष्ण मललाली 48,
जवाहर मार्ग इन्दौर
- (3) कु० कमल पुत्री श्री कृष्ण मललाली निवासी
38, इम्प्रोवमेन्ट कालोनी,
इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए आवंशकियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अवित्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अवित्य द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

कृष्ण

भूमि क्षेत्र 0.71 एकड़ भाग लंबाई 168, 469,
170 व 168/458 स्थित ग्राम पिपलिया राव, इन्दौर।

कृष्ण कान्त राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 23-5-1981

मोहर :

प्रहृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 मई 1981

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्टी/भोपाल-1981—

अतः, मुझे, कुण्ण कान्त राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि (भाग है तथा जो इन्हीं में स्थित है
(और इससे उपावन्दी अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्हीं में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-9-1980
को पूर्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
एन्हैं प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से की भित्ति नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, स्थावर अधिनियम की धारा 269-व की उपषारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) डा० ग्रमजद ग्रली
- (2) शहजाद ग्रली
- (3) इरशाद ग्रली
- (4) श्री आविद ग्रली
- (5) श्री खालिद ग्रली (6) श्री मुमताज ग्रली
- (7) डा० नौशाद ग्रली

सभी पूर्व श्री डा० ग्रसगर ग्रली निवासी 13,
वजरिया में रोड, इन्दौर। (अन्तरक)

- (1) श्रीमती सजाती बाई पत्नी श्री सुनानमल
30, सिमांगंज, इन्दौर
- (2) श्री राज कुमार पुत्र श्री सुजानमल निवासी
नई आवादी मन्दसरोर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्बन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रापित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मूलभूती

भूमि अलेक्ट्र 0.76 एकड़ भाग स्थित खसरा नं० 168,
169, 170 व 168/458 स्थित ग्राम पिपलया राव इन्दौर।

तारीख : 23-5-1981

मोहर :

कुण्ण कान्त राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 मई 1981

निकेश सं० आई० ए० सी० (एक्सी) /भोपाल/81—अतः मुझे,
कृष्ण कान्त राय,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर मर्पात्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है

और जिसकी सं० भूमि (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है
(और इसमें उपादान अनुसूची में और पूर्ण स्वप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-९-८०

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्रें) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अन्तरिती क्षेत्र प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

निम्नतः इस कल्पना अधिनियम, की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
12-186GI/81

(1) (1) श्री डा० अमजद अली
(2) श्री शहजाद अली
(3) श्री डरशाद अली
(4) डा० आबिद अली
(5) श्री खालिद अली (6) श्री मुमताज अली
(7) श्री नोगांद अली मधी पुत्र डा० अमगर अली
13, बजरिया मेन रोड,
इन्दौर (अन्तरक)

(2) (1) श्रीमती द्वारी द्वारा पत्नी श्री गुरदीनोमल
4, बांगल कालोनी, इन्दौर
(2) श्रीमती लक्ष्मीबाई पत्नी श्री ज्ञामना दास
95, गोपाल बाग कालोनी, इन्दौर
(3) श्री रमेश चन्द्र पुत्र श्री भग्नन दास 95,
गोपाल बाग कालोनी, इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृत्युचंद्री

भूमि क्षेत्रफल 0.45 एकड़ भाग खसरा नं० 468, 169
170 व 168/458, स्थित ग्राम पिपलिया राव, इन्दौर।

कृष्ण कान्त राय

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर (आयुक्त)

अर्जन रेंज, भोपाल

तिथीः 23-5-1981
मोहरः

प्रस्तुप आई० टी० एच० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत चुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर व्यापक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्सी० /भोपाल 1981—यतः
मुझे, कृष्ण कान्त राय,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्बन्धि विषया उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है
(और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 12-9-80
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापवाक्त सम्बन्धि का उचित बाजार मूल्य,
उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाव की जाकत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन वा धन्य प्राप्तियों
को जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, उपरोक्त में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) के प्रमुखरूप
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपकारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति:—

(1) (1) डा० अमजद अली
(2) श्री गहजाद अली
(3) श्री ईशाद अली (4) श्री खालिद अली
(5) श्री मुमताज अली
(6) श्री नीशाद अली सभी पुत्र डा० असगर अली
13, बजरिया मैन रोड,
इन्दौर
(अन्तरक)

(2) मेसर्स सोना कोहेनूर (ठाण्डिया) द्वारा
पार्टनर श्री कृष्ण मथलानी निवासी 57,
कबूतर खाना, इन्दौर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके त्रूटीकरण अधिनि के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्बन्धि के अर्जन के विवरण में कोई भी वाक्यप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तक्षम्बन्धी व्यक्तियों पर
पूछना जो तामोन में 30 दिन की प्रवृत्ति, और भी
प्रवृत्ति बाद में नमान होती हो, और भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बन्धि में हितदद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृत्वाकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एवं द्वितीय:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधार पर 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस व्यव्याय में दिया गया है :

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 0.56 एकड़ भाग असरा नं० 168, 169,
170 व 168/458 स्थित ग्राम पिपलिया राव, इन्दौर

कृष्ण कान्त राय
मक्षम प्राधिकारी
निरीक्षणी सहायक आयकर (आयकर)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 23-5-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 मई, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी० (एकवी) /भोपाल—1989—

यतः मुझे कृष्ण कान्त राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ के प्रवीन नक्षत्र गविलारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिन्हा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-9-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ये अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिशत, निम्नलिखित उद्देश्य उक्त प्रतिरक्षण लिखित में वासनिक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(५) प्रतिरक्षण । दूड़ फिसो प्राय ५० वार्ष, उक्त ग्राम-परिवार के द्वारा है वर्तमान वर्ष के प्रतिरक्षण के रायिल्ड में लम्ही नहीं रखा रखा ब्रह्मा के नक्षिया से जिए गोरा/रु

(६) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों नो, जिन्हें मारतीप भागीहर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) (1) डा० उम चन्द्र अली
- (2) श्री शहजाद अली
- (3) श्री इरशाद अली
- (6) श्री ममताज अली व (7) श्री नाशाद अली सभी पुत्र डा० असगर अली
- 13, बाजार मेन रोड, इन्दौर। (अन्तरक)
- (2) श्री (1) जसोता बाई विधवा पत्नी रामलदान
- (2) श्री विश्वन दास पुत्र श्री राम दास निवासी 128, इमली बाजार,
- इन्दौर (3) श्रीमती चन्द्रा बाई पत्नी श्री जानक राम 64, काजु कालावा, इन्दौर
- (4) श्री नन्द लाल पुत्र श्री रामल दास 128, इमला बाजार, इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना दारा कर, पूर्वान्तर नियमित के अर्जन के लिए अधिवाहियां करता है।

उक्त नियमित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में उक्तानन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्वैद्वत्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ लेगा, जो एवं अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 0.74 एक भाग खसरा नं० 168, 169, 170 व 168/458 स्थित ग्राम पिपलिया राव, इन्दौर।

कृष्ण कान्त राव.

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 23-5-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.—
विधायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269 ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक विधायक विधायक (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल
मंगाल, दिनांक 23 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी भोपाल—1889—
अतः मुझे कृष्ण कान्त राय
विधायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी म० भूमि (भाग) है, तथा जो इन्दौर स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजि० क.
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-9-1980
वर्षे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल को लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पश्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण को लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक
रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का सिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण
में, भूमि के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री (1) डा० अमजद अली (2) डा० नाशाद
अली व अन्य,
विधायिका मन रोड,
इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) बेसरे मोदी गेंस सार्विस 28,
एम० जी० रोड,
इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियाँ पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी अविक्त इवारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हृष-
भूष विक्त इवारा, ज्ञाहेस्ताभरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 21180 वर्गफुट भाग खसरा नं० 168,
169 व 170 स्थित ग्राम—पिपलिया राव, इन्दौर।

कृष्ण कान्त राव
सक्षम अधिकारी
निरीक्षी सहायक विधायक विधायक
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 123-5-1981

मोहर:

प्रस्तुप प्राई०. टी०.एम०.एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269 व (1) के प्रभीत सूचका

भारतीय संस्कृत

कायालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जुन रेणु भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 मई, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्ची/भोपाल-1981—ग्रतः
मुझे कृष्ण कान्त गय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्रम.प्राधिकारी को, यह विषयास करते का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
है से अधिक है।

और जिसकी भूमि (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबृह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्री-करण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अनुद्धरण प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के द्वितीय तरफ सम्मिलित के अन्तरितीय तथा पार्था गया प्रतिफल, निर्भविति उद्देश्य प्राप्तुक अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षेत्रिक महीने प्रकार लिखिया है:-

(क) प्रन्तरण से हुई किसी भाष्य की बाबत, उसके प्रधानियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आव या किसी घन या प्रन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उस अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
संबंधित लिए।

प्रतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-एक्सी दफ्तरारा (कोडो) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः— : प्रधार्म

1. - (1) डाक्टर श्रीमति अरुण अली (2) महाहजाद अली (3) डा० इरशाद अली (4) डा० आबिद अली (5) श्री खालिद अली (6) श्री मुमताज अली (7) डा० नौशाद अली पुत्र डा० असगर अली। 13 बंजरिया मेन रोड, हन्दीपुर। (अन्तरक)

2. श्री गोपाल दास पुल ज़मी हरी राम (3) श्री अशोक कुमार पुल श्री हरी राम (4) कु० उषा कुमार निवासी 14, पालसीकर कालोनी, हन्दीपुर (5) श्री गुरुदास पुल श्री खुणाल वास, निवासी 385, साधु बासवानी नगर, हन्दीपुर। (अन्तरिती)

(अन्तरिक्षी)

को नियंत्रित करना। दूसरी कारणे प्रवृत्ति सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कानूनी विधियाँ करता है।

उन्नत महात्मा के प्रजन्म के सम्बन्ध में कोई सी आकृपः—

-द्वारा) उत्तम सुविधा के राजनीति में प्रकाशन की तारीख में 15 दिन से अधिक या तमसवृद्धि व्यक्तियों पर संकेत की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो संकेत दिन से समाप्त होती है, के भीतर प्रकाशन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

अन्तर्राष्ट्रीय

भूमि क्षेत्रफल . 96 एकड़ छसरा नं० 168, 169,
 170, १८४/४५८ स्थित मासि पिपालिया राव, इन्दौर।
 १७०, १८४/४५८ शिवाजी राव, इन्दौर। (३)
 १८०।, मासीपीठे उक-पांडि अहिंशा ढाकी, इन्दौर।
 १८०।, मासीपीठे उक-पांडि अहिंशा ढाकी, इन्दौर।
 (१८ तक १८०।) १८०।, मासीपीठे उक-पांडि
 अक्की डिन ऊर आगाही लिंगीलाल अवधारणा कृत राय,
 और गिर्घी, पांडि गुरुगी आकर्णी पांडि संस्थान प्राधिकारी,
 सहायक आकर्णी श्रीमुखराम (मनीरीक्षण),
 एवं उनके बेटे

विनाशक २५५ प्र० १०६१
(१) या.
मालव.

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1981

निंदेश सं० संदर्भ 3 जि० स० आ० आ०/एक्वीजीशन/1/एम-
आर-3/11-80/1739—चूंकि मैं, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं.ए 15/27 है एवं जो बसन्त विहार नई-
दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई
दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्त महू विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, एसे दूष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तित्वी
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप न की धन नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हाई किसी आय को बान्द, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रशोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविहए था, छिपाने में
सुविधा के सिए;

बृत्त अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, सौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन लिखित व्यक्तियों अर्थात्

1. श्रीमती चान्द्रबती पत्नी श्री के० एल० शर्मा,
ए 3/188, जनक पुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री गुरधरन सिंह सेठी सुपुत्र श्री कुदरत सिंह सेठी
बी-71, फतेह नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई श्री आदेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ए-15/27, बसन्त विहार, नई दिल्ली, 465 वर्ग गज।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 15-7-1981

मोहर:

प्रस्तुप बाई.टी.एल.एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर बाधुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई, 1981

संदर्भ 3 नि० स० आ० आ०/एक्वीजीशन ।।/एम०-आर०-
 3/11-80/1734—चूकि मैं, आर० बी० एल० अग्रवाल,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० एच०-323, है एवं जो नई राजेन्द्र नगर,
 नई दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण
 संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम
 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी
 के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980

के पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
 फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण उल्लिखित में वास्तविक
 रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हूँ दूर किसी आय की शब्दत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
 सुविधा के सिए;

1. श्री हरी कृष्ण ओबराय सुपुत्र स्वर्गीय श्री हरजीत मल
 ओबराय एच-323 नई राजेन्द्र नगर नई दिल्ली।
 (अन्तरक)

2. श्री सुरजीत सिंह सुपुत्र स्वर्गीय श्री ज्ञान चन्द्र आनन्द
 3346, रणजीत नगर, नई दिल्ली।
 (अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
 अविक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

प्रो० नि० एच-323, नई राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981

मोहर :

अतः बड़, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण
 में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अधार्त ५--

प्रख्या आहे. ती एन. कृष्ण

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वीं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1981

संदर्भ 3 नि० स० आ० आ०/एकवीजीयन ।/प्र०-आ०-3/
-80/1640—चंकि मैं आर० बी० एल० प्रगतिशाल,

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रबन्धाता 'उत्तर प्राधिकारम' में लिखा गया है), की धारा
269-स के विशेष स्थिति प्राधिकारसे कर्ता भूमि विश्वास करने का
कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹ 25,000/- रुपए से अधिक है, अप्रैल 1973 को
श्रीर जिसकी संख्या 71 है एवं जो अमृत तंगर, कोटला भुवारिक-
मुर में स्थित है, (जिसका प्राधिक विस्तृत विवरण संलग्न
प्रनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण; अधिनियम, 1908
(1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई
दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980।

को प्रवर्खित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सभी यह विषयासंकरण का काशण है कि यथापूर्व उन संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, जिसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरख (अंतरकर्त) और अन्तरिती (अन्तरितायें) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने था उससे बचते में सुविधा के लिए; आरि/था

147

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को जिसके अन्तर्वाले आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था तो किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती, सुस्ता, शर्मा, पत्नी श्री के० एन० शर्मा,
71, अमत नगर, कोटला मुवारिकपुर नई दिल्ली ।

(अन्तरक)
2. श्री गोणन लाल धवन, सुपुत्र श्री बेली राम और श्रीमती
कमला धवन, पत्नी श्री आर० एल० धवन, सी-285,
लिफ्टेस्स कालीनी नई दिल्ली ।

(अन्तरक्ति)

काँ पहुँचना जारी करके पूछो क्या समर्पित के अर्जमा के लिए कार्यवाहिकान करता है।

जुक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमणः—

(क) इस सचिवालय के राजपत्र में प्रकाशन की घटनाएँ से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचिवालय की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक वाक्य में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वानुसन्धान किए जाएंगे।

(स) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशम की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्गत

एक मंजिला मकान 71 अमृत नगर, कोटला मुबारिक-
नडी विल्सो 360 वर्ग रोज़।

(1) निवास : फ़िल्म सेट, बॉलैंगना
सोहर : --

प्रख्यु आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1981

संदर्भ 3 नि० स० आ० आ०/एकीजीशन 1/एस०-आर-
3/11-80/1645—चूंकि मैं आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 111, जे-48 है एवं जो लाजपत नगर-
नई दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण
संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के
नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980।

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थामान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृशों यह विश्वास करने
के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके द्वयमान प्रतिफल से ऐसे स्थामान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त स्थान परिविहार
में वास्तविक रूप से कीर्तत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटाई किसी भाव की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्र में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी भाव या किसी धर्म या बन्ध जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगमार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
मुश्किल के लिए;

1. श्री प्रकाश अजमानी, पत्नी स्वर्गीय श्री मनोहर लाल
अजमानी 111, जे/48, लाजपत नगर, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)
2. श्री गुलशन मलिक और जान बद्रा मुपुल श्री राम
रंग बद्रा सी-35, एन० डी० एस० ई० भाग-1, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'ज़ज़द
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मान्यता

प्रो० नं० 111, जे/48, लाजपत नगर, नई दिल्ली स्थापित,
300 वर्ग गज ।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के, अनुसरण
में मौं, उक्त अधिनियम का भारा 269-ष की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रध्यं आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1981

संदर्भ 3 निं० सं० आ० आ०/एक्वीजीशन 1/एस० आर०-
3/11-80/1752—बूँकि मै० आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 52/84 है एवं जो नई रोहतक रोड,
करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत
विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधि-
कारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर,
1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से है किसी आय की जबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भूत, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्त हैं—

1. श्री भीमसेन शेठी सुपुत्र श्री घौधरी राम सेठी 61/25,
61/25, नई रोहतक रोड़ (रामजस रोड़) नई दिल्ली
(प्रत्तरक)
2. श्री प्रान नाथ मिनोचा, सुपुत्र श्री राम पगाकाण मिनोचा
11227, गौशाला रोड़, किशन गंज दिल्ली ।
(प्रत्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना ने राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृशताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः--इसमें प्रथम शब्दों और पश्चात् का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

2-1/2, मंजिला मकान नं० 52/84 खसरा नं० 913/6,
नई रोहतक रोड़ (रामजस रोड़) करोल बाग नई दिल्ली ।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981

मोहरः

प्र० श्री अ० ए० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सुचारू

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1981

संदर्भ 3 निः 80 आ० आ०/एक्चीजीशन 1/एस०-आर-3/11-80/1753—नूकि मैं आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सकारा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० एम-65, है एवं जो 2-ग्रेटर कैलाश नई
दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
मनुसूची में दिया गया है कों पंजीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16 वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी
नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980।
कों पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घात
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्घात प्रतिफल से, ऐसे दूर्घात प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है ॥—

(क) अन्तरण से हूँ कि कों जाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बुजूने में सुविधा के लिये;
बात/या

(ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. श्री डा० कुसुम एस० चन्द, और सतीश चन्द, नं० १
बाबर रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रेनू सिंगल और श्री सुशील कुमार सिंगल
एम-65, ग्रेटर कैलाश 2, नई दिल्ली ।

(प्रतिरक्षा)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के उर्जन के लिए
कार्यालयां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के उर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्थावरण :--इसमें प्रयोक्ता शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

मनुसूची

मकान नं० एम-65, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली 195
वर्ग गज ।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सकारा प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981

मोहर:

बात: जब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-प के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभाषा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ॥—

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1981

संदर्भ 3 नि० स० आ० आ०/एक्सीजीशन 1/एस०—आर-
3/11-80/1740—चौकि में आर० बी० एल० प्रग्रामाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी स० बी-4, है एवं जो स्वतंत्र को०-ओप०
हाउस बिल्डिंग सोसाइटी लि० कैलाश कालोनी में स्थित है
(जिसका प्राधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया
गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां)
के अधीन पंजीकरण प्राधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय
में दिनांक नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छथमान प्रतिफल से एसे छथमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्राप्ति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में व्रास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया हैः—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुनिश्चि के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधृतः—

1. श्री विश्वम्भर वास, सुपुत्र श्री दामसों वास, 2-पटेल
रोड़, जासन्दर कैट पंजाब।
(प्रत्तरक)
2. श्रीमती राधारानी, पत्नी श्री प्रेम नाथ गुप्ता 41,
राजपुर रोड़, सिविल लाइन, दिल्ली।
(प्रत्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बुध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लाट नं० बी-4, एरिया 885.56 वर्ग गज, स्वतंत्र को-
ओप० हाउस बिल्डिंग सोसाइटी लि० कैलाश कालोनी, नई
दिल्ली।

आर० बी० एल० प्रग्रामाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981

मोहरः

प्रस्तुत आइ०टी०एन०एस०-----

बायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की
भारा २६९-घ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-१, नई दिल्ली

. नई थदल्ली, दिनांक १५ जुलाई १९८१

संख्या ३ नि० सं० आ० आ०/एक्वीजीशन १/एस० आर०-
३/११-८०/१७३६—चूंकि मैं, आर० बी० एल० प्रभ्रवाल,
आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
२६९-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
२५,०००/ रु. से अधिक हैऔर जिसकी मं० डी १६, है एवं जो गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली
में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम १९०८ (१९०८
का १६ वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली
स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर, १९८०को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पढ़ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाणा गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीर्थत नहीं किया गया है :--(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ब) ऐसी किसी आय या किसी भनु या अन्य आंतरिकों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या
अनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपभारा (१)
के अधीन निम्नलिखित अक्षितयों अधीस्तः :--

१. श्री दुर्गा भरण (सुपुत्र गोविन्द राम काला डी-१६;
गुलमोहर पार्क नई दिल्ली)।
(अन्तरक)
२. श्री श्रुता नन्दा, सुपुत्री डा० मोहन लाल सुर जे-२९५,
साकेत कालोनी, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोह० भी आकेपे :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों परु
सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य अधिकत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्पत्तिकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान नं० डी-१६, गुलमोहर पार्क नई
दिल्ली।आर० बी० एल० प्रभ्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-१, नई दिल्लीदिनांक : १५-७-१९८१
मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंट बी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई, 1981

संदर्भ 3 निं० स० आ० आ०/एक्वीजीशन-1/एस० आर०-
3/11-80/1666—यतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-
ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि है एवं जो गांव स्थावरी तहसील
महरौली नई दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक वस्तुत विवरण
संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के
दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना जारी था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसुद्धण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधृत ८—

1. मैसर्से सिम्पलीसीटी इंजीनियर प्राइवेट लिमिटेड,
बी-99 मायापुरी, फेज-1, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
2. श्रीमती सतवंत कौर धर्म पस्ती श्री अर्जन सिंह और
दूसरे सतबरी गांव तहसील महरौली, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्क्षमन्त्ये व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
सुया है।

प्रमुखसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 444, 445, 446, 447 और 421
गांव स्थावरी, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सकाम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981

मोहर:

प्रसूप आई. टी. एन. एस. -----

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्रार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1981

निरेश सं० ३ नि० स० आ० आ०/एक्वीजीशन-१/एस०
आर०-३/११-८०/१६२६—चूंकि मैं, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी०-७ है एवं जो कनाट सरकास, नई दिल्ली
में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथत नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती मनोरमा देवी, ए-३१, नारायण बिहार, नई
दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री दलजीत सिंह पाल, जे-२९५ साकेत मालवीय नगर,
एक्सटेंशन, नई दिल्ली और श्री यशपाल ओबराय,
बी-३०, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयाँ करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 29-के में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

मनोरमा

प्राप्टी नं० जी०-७, कनाट सरकास, नई दिल्ली ।

आर० बी० एल० अग्रवाल

[सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई• टी• एन• एस•-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई फिल्सी, दिनांक 15 जुलाई 1981

निवेश सं. 3 नि० सं० आ० आ०/एक्वीजीशन-1/एस०
आर०-3/11-80/1742—चूंकि मैं, आर० बी० एस० अप्रबाल,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व
के अधीन सभी साधन प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं. एम 219 है एवं जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली
में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न प्रनुसूची
में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16 वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
या या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अनुरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्राहितियों
को, जिसे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती को छकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, वह, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अनुस्तवों अनुरूप है—

1. श्री अरुण मित्तल सुपुत्र श्री बी० बी० मित्तल, पता
ए-3 ग्रेटर कैलाश एनक्सेव-1, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)
2. श्री मोहिन्द्र सिंह राय सुपुत्र श्री भूम सिंह पता
30/1 पंत नगर, जंगपुरा, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अवधि के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवधि के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रशोहस्ताकरी के पास सिवित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम के बधाय 20-व में परिभाषित है,
वही अवधि होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 6, प्रापर्टी एम-219 का भाग, क्षेत्र 70 वर्गगज
(द्वितीय मंजिल), ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।

आर० बी० एस० अप्रबाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एल. एस.—
प्रायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1981

संदर्भ 3 नि० स० आ० प्रा०/एक्यीजीशन-I/एस० प्रा०-
III/11-80/1639—चूंकि मैं, प्रार० बी० एल० श्रवणबाल,
प्रायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एन-107 है एवं जो ग्रेटर कैलाश-1 नई
दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में दिया गया है, को पंजीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के खिली
स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980।

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण
है कि यथा पूर्णोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिकूल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिकूल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है,
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकूल,
निम्ननिवित उद्देश्यों उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या छससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रहट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था लिखने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्ननिवित अस्तियों अर्थात्:—

14—186GI81

1. लेफ्टीनेन्ट कर्नल (डा०) एस० डी० नैयर (रिटायर्ड)
सुपुत्र स्वंगीय डी० एल० नैयर पता 274 सरकुलर
रोड, बोम्बे बाजार, मेरठ कैट, जैसे करता एच० यू० एफ०
(अन्तरक)
2. श्रीमती लीला मितल धर्मपत्नी श्री बी० बी० मितल,
अरुण मितल सुपुत्र बी० बी० मितल, ए-3, ग्रेटर
कैलाश एनक्लोड-1, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षिया द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्षिया द्वारा अधिहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० एन-107 क्षेत्र 300 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली ।

प्रार० बी० एल० श्रवणबाल,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी० ई० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

राजीनामा, वक्तव्य आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जूलाई, 1981

संबंधी 3 निं० सं० आ० आ०/एक्चीजीशन-I/एस० आर-
III/11-80/1720—घूंकी में, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), और आदा
269-ए के प्रधीन सकान प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 10741 प्लाट नं० 20 ब्लॉक नं० 12
ए है एवं जो उम्मीद ५० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में
स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम, 1980 (1908
का 16 वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980।

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टिभाव प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मक्के यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उम्मीद दृष्टिभाव प्रतिफल से, एवं
दृष्टिभाव प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐस अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की आदा 269-ए के अनुसार
में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए का उपचारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मंगल बास सुपुत्र स्कर्णिय श्री मुकुन्द लाल पसा
12-ए/20, बर्सन एक्सटेंशन बोर्ड, करौल बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. सौभाग्य एस्टेट, प्राइवेट लिमिटेड, प्रोमोटर के द्वारा,
एस० सुरिन्द्र सिंह पसा 12-ए/12 उम्मीद ५० ए०
करौल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके एकूण संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवृहिया करता है।

उक्त संपत्ति के पर्जन के संबंध में कोई भी वारेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त दृष्टिभाव सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास
लिखित में किये जा सकें।

त्वच्छोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधान 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होता, जो उस प्रधान में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 20 ब्लॉक नं० 12-ए, जो उम्मीद ५० ए०
करौल बाग, नई दिल्ली (भेद 256 वर्ग गज) में स्थित
है।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सकान प्राधिकारी,
आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक: 15-7-1981

मीहरः

प्रकृष्ट आई०टी०एन०एस०————

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की भारा
२६९-थ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक १५ जुलाई, १९८१

संदर्भ ३ नि० स० प्रा० प्रा०/एक्वीजीशन-I/एस० प्रा०-
III/११-८०/१७२२—चूंकि मैं, प्रार० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा २६९-थ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,००० रु.
से अधिक है।

और जिसकी स० ई/१३१ है एवं जो कालका जी, नई दिल्ली
में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का
१६ वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक नवम्बर, १९८०।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी देने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, जिसने में शुद्धिभा
के लिए;

१. श्रीमती हरनानं जीर धर्म पत्नी स्वर्गीय श्री कुलदीप
सिंह (स्वयं) एटोरनी उसके लड़के की गुर रमनजीत
सिंह पता ई/१३१, कालका जी नई दिल्ली।

(अन्तरक)

२. श्रीमती अमरजीत कोर धर्मपत्नी श्री गुरमुख सिंह
कुकरेजा पता ए/४, चितरंजन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की लाजील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि
आइ औ समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० ई/१३१, कालका जी, नई दिल्ली (क्षेत्र २००
वर्ग गज)।

प्रार० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक : १५-७-१९८१

मोहर :

बात: यदि, उक्त अधिनियम को भारा २६९-थ के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा २६९-थ की उपधारा (१)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत:—

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1981

संदर्भ 3 नि० स० आ० प्रा०/एक्वीजीशन-1/एस० आर-

III/11-80/1629—नूँकि मैं, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स० सी-63 है एवं जो साउथ एक्टेशन 2, नई
दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत संलग्न अनुसूची
में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1988 (1908
का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हैर्फ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधृत् :—

1. ग्लोब मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, एन-10, कनाट
सर्केस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. कुमारी नालीनी जैन, सी-11/50, शाहजहां रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
ब्वध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 5, सी-63 की द्वितीय मंजिल, साउथ एक्टेशन-2,
नई दिल्ली (क्षेत्र 775 वर्ग फीट)।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्द्ध अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981

मोहर :

प्रकल्प घाइ० रु० ५३० एस०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-व(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 नायकिय, वहाय 6 आयकर आयुक्त (निरोक्त)

अर्जन रेज, हैदराबाद
 हैदराबाद, विनाक 7 जलाई, 1981
 भार० ए० सी० नं० 20/81-82/412/वी० एस० पी०/
 काकीनाडा/स्कोड—यह, मुझे, एस० गोविन्द राजन
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
 इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
 का कारण है कि निम्नावर सम्भाल जिसका उद्दित बाजार मूल्य
 25,000/- रु० से अधिक है।
 और जिसकी सं० 184/1 और 189/3 वी है, जो 4 एकर
 50 सेंट चौपासुसीवाडा में स्थित है (और इससे उपायद
 प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
 कारी के कार्यालय, विश्वासपट्टनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
 नवम्बर, 1980
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि पश्चापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के
 एवं उसके उचित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रमत्तरण के लिए
 तथा याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरक
 लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी धाय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
 दायित्व में कभी करने या उससे बच्चे में सुविधा
 के लिए, और/या
 (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
 को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या नक्त प्रधिनियम, या
 अनुसन्धान अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के
 अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलब्धा
 (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, प्रवाह—

(1) श्री आमुगडा आपुमा पिता लेट पद्मुडु पुलाग ली
 पुलम गांव, तालुका विश्वासपट्टनम।
 (अन्तरक)
 (2) दि सीटी टीवर्स को-ऑपरेटिंग हाऊस बिल्डिंग
 सोसाइटी, विश्वासपट्टनम।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहीय शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या उत्तमवधि अवधियों पर
 सूचना भी तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 अधिकारीयों में से किसी अधिक द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सा
 किसी अन्य अधिकारी द्वारा, प्रबोहस्ताकारी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

एवटोहरग—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 4.50 एकड़, सर्वे नं० 184/1 और 189/3
 वी, चौप्रा मुसीझीवाडा गांव तालुका विश्वासपट्टनम। रजिस्ट्री-
 कृत विलेख नं० 7378/80/रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
 विश्वासपट्टनम।

एस० गोविन्द राजन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 7-7-1981
 मोहर:

प्रलेप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की
धारा २६९-ए (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(१) श्रीमती बालुला गंगाम्मा पति लेट बुर्जव्याया,
गजुबका, विशाखापट्टनम जिला।

(अन्तरक)

(२) श्रीमती नारायणा सट्टी वसंतकुमारी पति मुरली-
कृष्ण गजुबका, विशाखापट्टनम।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक ७ जलाई, १९८१

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० २१/८१-८२/काकीनाडा स्कोड
जे० नं० ३८६/वी० एस० पी०—यतः मुझे, एस० गोविन्द
राजन

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की धारा
२६९-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
२५,०००/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर नं० १३-४-एफ है, जो गजुबका
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्तर्गत में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विशाखा-
पट्टनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८
का १६) के अधीन तारीख नवम्बर, १९८०

कि पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ए की उपधारा (१)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों का अस्ति:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीज से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से ३० दिन की अवधि, जो भी
अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीज से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

इमारत डोर नं० १३-४-एफ गजुबका असेसमेंट नं०
६८८-६९०, ११७ चौ० गज के साथ। रजिस्ट्रीकरण विलेख
नं० ७१७४/८०। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विशाखापट्टनम।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: ७-७-१९८१
मोहर:

प्रह्लप बाई० टी० एच० एस० —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 अगस्त, 1981

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 22/81-82/काकीनाडा स्कोड
जे० नं० 1223/जे० एन० टी० —यतः मुझे, एस० गोविन्द
राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन समझ प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर नम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में अधिक है
और जिसकी सं० घर नं० 12-12-29 है, जो कोस्टापेटा
गुंटुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अननुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
गंटुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 15-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूष्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे मह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दूष्यमान प्रतिफल के एवं उक्त विश्वास से अधिक है और
अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तर याया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वाचत उक्त अधि-
नियम, के पश्चीन नह देने के अस्तरक के वायित्व
में हमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या निम्नीष्ठन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
मूलिका के लिए;

घर: यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपावदा (1)
के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अवधि:—

(1) 1. श्री कोला चेंच्या पिता रोल्या।

2. श्री राय चौदरा पिता चेंच्या और

(3) श्री गीरीधर पिता चेंच्या, नेहरूनगर,
गुंटूर।

(अन्तरक)

(2) शा० गारलापती वेंकटा कृष्णा राव, पिता सत्यना-
रायना, गुंटुरीवारी थोटा, गुंटूर।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना आरो करके उपर्युक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेपण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अस्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के बीच प्रूर्वोक्त अस्तियों में
किसी अस्तित्व द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के बीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय द्वारा किसी
अन्य अस्तित्व द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 के परिभाषित है,
वही अर्थ द्वारा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

इमारत डोर नं० 12-12-29, जो ओल्ड क्लब रोड,
कोस्टापेट, गुंटूर में स्थित है। जिसका रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 7163/80 है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुंटूर।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 7-7-1981

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, हैदराबाद
 हैदराबाद, दिनांक 7 जलाई, 1981

निर्देश सं आर० ए० सी० नं० 23/81-82/काकीनाडा स्कोड
 जे० नं० 1211/जी० टी० आर०—यतः, मुझे, एस० गोविन्द
 राजन
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो कोरीटीपाडु में स्थित
 है (और इससे उपाबृंह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गंदूर में भारतीय
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
 अधीन नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मूझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी
 (अन्तरिकताओं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पादा गया प्रति-
 फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी दृश्यारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अध्यात् ४---

(1) 1. श्रीमती आटला लक्ष्मणा पति बेंकट रेडी
 2. श्री आटला बाली रेडी पिता बेंकट रेडी
 रेडी बाजार, कोरीटीपाडु, गंदूर।

(प्रस्तरक)

(2) श्री कटली रामी रेडी पिता बीरा रेडी, कारीटी
 पाडु, गंदूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, कोरीटीपाडु, गंदूर। एस० नं० डी० नं०
 128/1, 1 एकड़ 76 सेंट्स। रजिस्ट्रीकर्ता विलेज नं०
 7307/80। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गंदूर।

एस० गोविन्द राजन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 7-7-1981

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी एन० एस०—

(1)

पुल महादेवमल लिंगी निवासी

झालाबाड़।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जुलाई, 1981

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/ —यतः मुझे,
एम० एल० चौहानआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (और जिसे इसमें
इसके इच्छातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-प
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति उक्त वाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक हैऔर जिसकी सं० — है तथा जो भालरापाटन में स्थित है
(और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भालरापाटन में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 18.11.1980को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण में ही किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमों करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
(प्रीर/गा)(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, उससे में सुविधा के लिए;

पुल महादेवमल लिंगी निवासी

(2) श्रीमती इन्द्रा देवी धर्मपत्नी श्री निर्मल कुमार
जी सकलेचा, निवासी झालरापाटन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त समानि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में
ये किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी
अथवा व्यक्ति द्वारा अधिवृहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जां उक्त अधि-
नियम के प्रध्याद 20-क में परिभाषित है, वही
पदों जोग, जो उम प्रश्नाएँ में दिया गया है।

मनुसूची

तहसील रोड, भालरापाटन, पर स्थित आवासीय सम्पत्ति
जो उम पंजियक, भालरापाटन द्वारा क्रम संख्या 601 दिनांक
18.11.1980 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और त्रिसूत
रूप से विवरणित है।एम० एल० चौहान
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 16-7-1981

मोहर :

वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के, अन्तरण
मूँ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिति :—

प्रस्तुत प्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

- (1) श्री गजानन्द पुल श्री महादेव मल सिंधी, आलाबाद
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती पिस्ता देवी पत्नी धीरज कुमार सकलेश
निवासी आलरापाटन
(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जुलाई, 1981

आदेश सं० राज०/सह० आ० अर्जन/ —यतः मुझे,
एम० एल० औहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ग के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० — है तथा जो आलरापाटन में स्थित है,
(और इससे उपबद्ध अनुच्छेद में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलरापाटन में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 18-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ है प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती
(बन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
क्षल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में घास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) बन्तरण से है इसकी किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में
कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए:
और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

अनुसूची

तहसील रोड, आलरापाटन पर स्थित आवासीय सम्पत्ति
जो उप पंजियक, आलरापाटन द्वारा क्रम संख्या 660 दिनांक
18-11-1980 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप
से विवरणित है।

एम० एल० औहान
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

यतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की लप्धारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 16-7-1981
मोहर:

प्रकृष्ट प्राईटी टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 जूलाई, 1981

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/985-अतः मुझे,
एम० एल० चौहानआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके उचित 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व(1) के अधीन यथए प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 23,000/- रु० से अधिक है।और जिसकी सं० 28/1036 है तथा जो अजमेर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजमेर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 6-11-1980 कोपूर्खोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्खोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयी)
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं
दिया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनात्वे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व(1) के
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रवी शंकर वर्मा सुपुत्र श्री भगवती शंकर वर्मा,
11 सहेली मार्ग, उदयपुर (राजस्थान)।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती कंवरानी कुमलेश्वरी कुमारी धर्मपत्नी
श्री श्रीराज सिंह जी राजपूत ठिकाना चिकलानी
(मध्य प्रदेश)।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्खोंक्त सम्पत्ति के अंतर्न के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में जोही भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्खोंक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रदोहनसामानी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभ्रान्त हैं, वही अवयं द्वोगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर 28/1036 आवर्ण नगर, अजमेर पर बना
हुआ मकान जो उप पंजियक, अजमेर द्वारा कम संख्या 4283
दिनांक 6-11-1980 पर पंजियद्व विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवरणित है।एम० एल० चौहान
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 15-7-1981

मोहर :

प्राप्तप्राई० टी० एम० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की

धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जुलाई, 1981

आवेदन सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/ —अतः मुझे
एम० एल० चौहान

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
वाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 6 ए है तथा जो में
स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुबची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोटा में,
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 28-10-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के
दूरस्थान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित वाजार मूल्य, उसके दूरस्थान प्रतिकल से, ऐसे
दूरस्थान प्रतिकल का फ़ॉड प्रतिष्ठित से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य न उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण न दुई किसी आय जो वावत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देते के अन्तरकों के बायित्व
में रुपी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या विद्यो धन या अन्य मास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए तो छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम ने धारा 269-ए के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम ने धारा 269-ए की उपचारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्तित्वः—

(1) श्री सुरज मल, चान्द मल, विष्णु प्रसाद पुकान
गनपत लाल विजयवर्गीय, कोटा जंक्शन।
(अन्तरक)
(2) श्री जोन बक्स पुल फ़जल मसीह बक्स एवं श्रीमती
रुबी बक्स पत्नी जोन बक्स निवासी कोटा जंक्शन।
(अन्तरिती)

काँ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या उत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित के नाम लिखित
में किए जा सकेंगे।

ल्पण्डीकरण :— इसमें प्रमुख शब्दों दो पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही
ग्रन्थ होगा, जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

ममुस्तुष्टी

प्लाट नं० 6 ए तलबंडी, कोटा जो उप पंजियक, कोटा
वारा कम संख्या 1938 दिनांक 28-11-1980 पर पंजिबद्ध
विक्रय पद में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर
तारीख : 16-7-1981
मोहर :

प्रस्तुति आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

(1) श्री मोती लाल उर्फ मोती राम पुत्र रीमूमल
निवासी गुमानपुरा कोटा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना(2) श्रीमती पुष्पा मलिक धर्मपत्नी श्री राधेश्याम जी
व अजय मलिक पुत्र श्री पूरन चन्द जी निवासी
सोंपिंग सेन्टर, कोटा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जूलाई 1981

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/ —यतः मुझे,
एम० एल० चौहानआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्रमे यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० ज्लाट नं० 61-बी है तथा जो कोटा में
स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 24-11-1980को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्तमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अव्याप्ति अनुसूचित से, ऐसे अव्याप्ति प्रतिफल का
मन्त्रहृ प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाषा गथा प्रति-
कल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से काथस नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।लक्ष्यकरण:—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बन्हूत्तुर्जी

ज्लाट स्थित बल्लभनगर कोटा जिसके नम्बर 61-बी
है तथा जो उप पंजियक, कोटा द्वारा 1999 दिनांक 24-11-
1980 पर पंजिशद्व विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणित है।एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 16-7-1981

मोहर :

प्रस्तुप धाई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 जुलाई 1981

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/ —यतः मुझे, एम० एल० औहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 12 वी है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-11-1980

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से मुई किसी आय की वादत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उच्चे वर्तने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय वा किसी दून या पर्याय सास्तियों को जिन्हें मार्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जर्सिह पुत्र पुत्र जी मुख्तार आम श्री केशर जी, जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री सोनराज पुत्र मोहनलाल ओसवाल, पाबटा, जोधपुर।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इन्हींकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के व्यव्याय 20-क में यद्यपि परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस व्यव्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्लाट मं० 12-वी, पाबटा, पोलो, जोधपुर जो उप-पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2369 दिनांक 14-11-80 पर पंजियक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० औहान
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 15-7-1981

मोहर :

प्रकाश प्राईटी एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राधुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जोधपुर

जयपुर, दिनांक 15 जुलाई, 1981

आदेश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/ —यसः मुझे,
एम० एल० चौहानआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की भारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
अधित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० प्लाट नं० 12 ए है तथा जो जोधपुर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 15-11-1980 कोको पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से बहु के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अस्तरक
(अन्तर्को) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित
नहीं किया गया है :—(क) अस्तरण से तुझे किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये। और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
ब्रन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने
में सुविधा के लिए।(1) श्री जय मिह मुत्र पुखराज जी नालावा माली
निवासी पाबटा एरिया, जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री ललित ओमवाल पुत्र दींगर मल जी ओमवाल,
बौ० रोड, पाबटा, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या नत्यवंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधि,
जो भी उच्चित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा, या(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदात
किसी प्रम्प व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
सिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, उड़ा तर्ज होगा, जो उन अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 12 ए, फस्ट पोलो, जोधपुर जो उप पंजियक
जोधपुर द्वारा कम संख्या 2368 दिनांक 14 नवम्बर, 1980
पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित
है।एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकरी
सहायक आयकर प्राधुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जोधपुर।

तारीख : 15-7-1981

मोहर :

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः—

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 जुलाई, 1981

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/ —यसः मुझे,
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सकारा प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो कोटा में स्थित है और
इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रेशन की अधिकारी के कार्यालय, कोटा में, रजिस्ट्र करण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
3-11-1980

को प्रवौक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना
प्रतिशत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रवौक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसराना प्रतिशत से, एसे दूसराना प्रतिशत के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूँ इसे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बनें के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन (--)

(1) श्रीमती मंजुलता पुत्री दुर्ली अन्द मन्सा राम,
ए-62, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री पूनम चन्द जैन पुत्र गोविन्द राम एवं माधो
प्रसाद पुत्र कन्हैया लाल निवासी सहारनपुर।

(अन्तरित)

क्षे यह सूचना आरी करके प्रवौक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी कानूनी :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवौक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्ट
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट जो भीमगंज मंडी कोटा में स्थित है और उप
पंजियक, कोटा द्वारा कम संख्या 64 दिनांक 3-11-1980
पर परिवद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित
है।

एम० एल० चौहान
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 15-7-1981

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०--
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर
जयपुर, दिनांक 15 जुलाई, 1981

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/ —यतः मुझे
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो कोटा में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तुतण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तुतण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रस्तुतण के अधीन कर देने के प्रस्तुतक के वायिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तुतियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, प्रर्ति :—
16-186GI/81

(1) श्रीमती सुन्दर बाई, सुगन्ध कुमार, हेमत, चन्द्र कुमार निवासी गांधी चौक पुरानी धानमंडी कोटा।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहन लाल पुन्न फूल चन्द्र जाति महाजन निवासी दशहरा मोजना, कोटा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उससे अधिक अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से किसी अस्तिय का:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहु किसी अन्य अस्तिय द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रामपुर बाजार कोटा में स्थित तुकान के ऊपर की सम्पत्ति जो उप पंजियक, कोटा द्वारा क्रम संख्या 2010 दिनांक 25-11-1980 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर।

तारीख: 15-7-1981

मोहर:

प्रूफ आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्रीमती सुन्दरबाई, भुगत्थ कुमार, हेमत चन्द्र कुमार निवासी गांधी चौप, पुरानी धानमंडी, कोटा।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्रमल पृत फूल चन्द्र जाति महाजन निवासी दशहरा कालोनी, कोटा।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 जुलाई, 1981

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/ —यतः मुझे, एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० एक दुग्धान है तथा जो कोटा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारुती अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-11-1981

का पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चवांशीकृति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्व किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में समिक्षा के लिए;

क्योंकि यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक स्विकृतियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान ग्राउन्ड फ्लोर मन रामगुरा, कोटा जो उप पंजियक, कोटा द्वारा क्रम संख्या 2011 पर दिनांक 25-11-1980 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अन्तरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 15-7-1981

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सुदृकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जुलाई, 1981

निदेश सं० हिसार/48/80-81—अतः मुझे गो० सि०
गोपालआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 168-एन० माडल टाऊन
हिसार है तथा जो हिसार में स्थित है (और इससे उपादव्व
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)- रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय हिसार में रजिस्ट्र्युक्टर अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(1) श्री सुभाष चन्द्र सुपुत्र था। एशो लाल, हिसार।
(अन्तरक)

(2) श्री प्रगत मिह तुव श्री भोग सिंह भार्त सर्वं
सिंह, म० न० ९७-ई, माडल टाऊन, हिसार।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमणः—→

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
विद्या गया है।

मृतसूची

सम्पत्ति मकान नं० 168-एन, माडल टाऊन, हिसार
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
हिसार में रजिस्ट्रीकरण 3333 दिनांक 12-11-80 पर
दिया गया है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा शेकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः वब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख : 14-7-1981
मोहर :

प्रृष्ठा बाइच टौंग पुणे प्रकृति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जलाई, 1981

निदेश सं० बहादुरगढ़/6/80-81—अतः मझे गो० सि०
गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फैक्टरी शेड भूमि के साथ है तथा जो
बहादुरगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्तर्गत में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बहादुरगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह ग्रन्थित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिये
और/था

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

बहा० अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) 1. श्री बोधराज पुत्र श्री नारायण दास, 30/9
ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

2. श्री कंवल नयन सिंह पुत्र श्री ईन्द्र नयन
16/9, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जय किशन पुत्र श्री छोटे लाल अग्रवाल
कालोनी, बहादुरगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

गोपाल

सम्पत्ति फैक्टरी शेड माडने इंडस्ट्रियल इस्टेट, बहादुर-
गढ़ में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के
कार्यालय बहादुरगढ़ में रजिस्ट्रीकरण संख्या 1384 दिनांक
10-11-80 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख : 14-7-1981

मोहर :

प्रकाश प्राईंट ट्रॉडूरो एन्ड माइल्स
आधिकार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वार्षिक सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 जुलाई, 1981

निदेश सं० जगाधरी/130/80-81—ग्रतः मझे गो० सि०
गोपाल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विप्रवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 937 है तथा जो अशोक कालोनी, यमुना नगर में स्थित है (और इससे उपावढ अन्तर्मुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले वह विप्रवास करने हा तारण है कि प्रवापूर्वक रम्पति हा उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का फ़दह प्रतिगत अधिन है और अन्तरक (अन्तर्को) वा० प्रमारिती (अन्तरितियाँ) ले बीच ऐसे अन्तरण के लिए वह राय गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश से उक्त प्रब्लेम लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्षण में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(1) 1. श्री शाम लाल,
2. श्रीमती राजबाला
3. श्रीमती लम्हकी देवी
निं० यमुनानगर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती प्रेमवती पल्ली श्री ओम प्रकाश
2. श्री विनोद कुमार पुत्र श्री ओम प्रकाश
मकान नं० 937 एम० सी० अशोक कालोनी,
रोहतक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई सी आवेदन नहीं।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित रूप से किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या निसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्में भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, वास्तवकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज्यतार्थं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सम्पत्ति मकान नं० 937, अशोक कालोनी, यमुनानगर, में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जगाधरी में रजिस्ट्री संख्या 6681 दिनांक 18-3-1981 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसार में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथम्:—

तारीख: 7-7-1981

मोहर:

प्रकरण माई० दो० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, आयकर आयुक्त सहायक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जलाई, 1981

निवेश सं० बल्लभगढ़/137/80-81—अतः ममे गो०
सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रत्यावत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, वडा विभाग नहीं का कारण ते कि स्थावर संपत्ति, जिनमा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० विंग सर्विस औद्योगिक प्लाट नं० 4, न्यू टाउनशिप, फरीदाबाद है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में 1. के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल त, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरूप के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से तुझे किसी प्राव ने बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिल्य में कमो करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसा किसी आय वा किसी घन या अम्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के प्रत्यरूप में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्:-

(1) श्रीमती खजानी देवी पत्नी मेहर चन्द द्वारा श्री प्रेम सिंह, 48, बाटा नीलम रोड, फरीदाबाद।
(अन्तरक)

(2) श्री पूर्णचन्द मित्तल पुत्र श्री राम नारायण ठाकर वास मित्तल पुत्र श्री राम रिटेल निः गुदा अब विंग सर्विस इन्डस्ट्रियल प्लाट नं० 4, न्यू टाउनशिप, फरीदाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अधीन के लिए कार्यालय भरता है।

उक्त संपत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रदाता ही तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की अपील ते 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में बढ़ाने शुरू हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस पूर्वोक्त के राजपत्र में प्रदाता को तारीख से 45 दिन के भीतर इस स्थावर संपत्ति ने हितबद्ध किया रख अदित इस्ता, अद्वैतस्ताकरी के पास सिवित में किए जा रहे।

सम्बोधरण :-इसका अधिक जटिलीय भौतिक पद्धति का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रधायाय 20-६ में यथा परिमाणित है, वही पर्यंत होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति विंग सर्विस औद्योगिक प्लाट नं० 4, थोक्स 150 व० ग० न्यू टाउनशिप फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्री संख्या 8418 दिनांक नवम्बर, 1980 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बण्डीगढ़

तारीख: 14-7-1981

मोहर:

प्रस्तुप आइ० टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जलाई 1981

निर्देश सं० उच्चाली/21/80-81—अतः मुझे गो० सि०
गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दो भागों में विभाजित दुकान है तथा जो
डबवाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
डबवाली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1980 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उत्तरेश्य से उक्त अन्तरण निम्निकृत में वास्तविक
कर्त्ता से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की आवत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियं
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती बाबारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा
के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् १०-

(1) श्री संजय कुमार पुत्र श्री श्रीम प्रकाश पुत्र श्री
केशो राम, पुराना सीकरी बाजार, सोहनलाल
धर्मशाला के साथ, भट्टिडा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रक्षा देवी पत्नी श्री हरबन्स लाल पुत्र
श्री राम भन दास सेठी, डबवाली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
ग्राव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया
गया है।

गोपाल

सम्पत्ति दो भागों में विभाजित दुकान डबवाली में स्थित
है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
डबवाली में रजिस्ट्री संख्या 2486 दिनांक 27-11-1980
पर दिया है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख: 14-7-1981

मोहर:

प्र० प्र० श्री० श्री० श्री० श्री०

आयकर अधिनियम 1981 (1981 का 43) की धारा

269-ष (1) के ग्रन्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्थन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जलाई 1981

निवेश सं० डबवाली/20/80-81—अतः मुझे, गो० सि०
गोपाल

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43)
(जिसे इसे इसके पश्चात् 'उच्च प्रधिनियम' भी कहा जाता है),
को धारा 269-३ के प्रयोग प्रथम प्रधिकारी को यह विष्वास हरने
का दारण है कि स्थानीय सम्पत्ति निवार उचित बाजार मूल्य
पर 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० दुकान जो दो भागों में विभाजित है तथा
जो डबवाली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य पर कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुझे यह विष्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यान्तरिक्ष का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरह (पन्द्रहों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के ग्रन्थीन कर देने के मानकरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को,
जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान्वय
अन्तरिती द्वारा प्राप्त नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, ग्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मेरे उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के ग्रन्थीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्:—

(1) श्री संजय कुमार पुत्र श्रीम प्रकाश पुत्र श्री केशो
राम, पुराना सीकरी बाजार, निकट धर्मशाला,
सेठ सोहन लाल, भट्टिया।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नीला नेठी पत्नी श्री मुभाष चन्द्र पुत्र
श्री रामधन दास सेठी, डबवाली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्थन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्थन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति हाता;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकें।

संघटोहरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
प्रय॑ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान जो दो ईकाइयों में बंटी है, डबवाली में
स्थित है जिसका अधिक विवरण राजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
डबवाली में रजिस्ट्री संख्या 2485 दिनांक 27-11-1980 पर
दिया है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्थन रेंज, रोहतक।

तारीख: 14-7-1981

मोहर:

प्रस्तुप आइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जुलाई 1981

निदेश सं० डबवाली/1/81 82—अतः मुझे, गो० सि०
गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० बुकान जो दो भागों में विभाजित है
तथा जो डबवाली में स्थित है (और इससे उपावद्ध ग्रनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1982 को
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापवेक्षत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से सक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में
सूक्ष्मता के लिए;

अतः बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

17-186G/81

(1) श्री संजय कुमार पुत्र श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री
केशो राम, पुराना सीकरी बाजार, घर्मशाला के
निकट, सेठ सोहनलाल, भट्टिया।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रीतु रानी पल्ली श्री कृष्ण लाल पुत्र श्री
रामधन सेठी निं० डबवाली।

(अन्तरिती)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यपूँः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ग्रनुसूची

स्वप्नि दो भागों में विभाजित बुकान डबवाली में
स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
डबवाली में रजिस्ट्री संख्या 15 दिनांक 1-4-1981 पर
दिया है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीखः 14-7-1981

मोहरः

प्राप्त प्राईंटी० एम० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 जुलाई 1981

निदेश सं० कैथल/15/80-81—अतः मुझे, गो० सि०
गोपाल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है
और जिसकी सं० मकान नं० एम० सी० के० 455/10 है
तथा जो कैथल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के
कार्यालय, कैथल में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908
का 16) के प्रधीन तारीख नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का फौह अतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिक
में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
वया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व
की उपधारा (1) के प्रधीन लिम्नलिखित व्यक्तियों,
बदलता :—

(1) 1. श्री अमृत सिंह, भगवान सिंह पुत्रान श्री
गारा सिंह, प्रेम सिंह पुत्र नाथा सिंह
2. श्रीमती भगवान देवी पुत्री श्री नाथा सिंह
निवासी कैथल।

(अन्तरक)

(2) श्री रत्न लाल पुत्र श्री राम अन्दर श्री द्वारका
दास, कैथल, मकान नं० एम० सी० के०-455/
10, कैथल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

लिखित करण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अन्याय 20-क में परिभासित है, वही
मर्य होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० एम० सी० के०-455/10 कैथल
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
कैथल में रजिस्ट्री संख्या 2912 दिनांक 10-11-80 पर
दिया है।

गो० सि० गोपाल
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक।

तारीख : 8-7-1981

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस. —————

(1) श्री धर्मपाल नांगिया पुत्र श्री सोजाराम, 275-एल०, माडल टाउन, सोनीपत।

(अन्तरक)

आरकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती सरोज जैन पत्नी प्रमोद कुमार नि० 275 एल०, माडल टाउन, गसोनीपत।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 जुलाई 1981

निवेश सं० सोनीपत/35/80-81—अतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० म० नं० 275-ए.स०, माडल टाउन, है तथा जो सोनीपत में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख नवम्बर, 1980 को को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

सम्पति मकान नं० 275-ए, माडल टाउन सोनीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सोनीपत में रजिस्ट्री संख्या 2844 दिनांक 10-11-80 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, खण्डीगढ़

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत:—

तारीख: 15-7-1981

मोहर:

प्रलेप भाई० टी० एन० एस०—
भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 29 जून, 1981

निदेश सं० देहली/17/80-81—अतः मुझे गो० सि०
गोपाल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
एवं से अधिक है

और जिसकी सं० ईमारत के साथ औद्योगिक प्लाट, 13
माईल स्टोन, मथुरा रोड है तथा जो फरीदाबाद में स्थित
है (और इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, देहली में रजिस्ट्री-
करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख
नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्ननिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में बासनावक रूप से नहीं। तड़ी किया गया है :—

(क) प्रतिरक्षण से दूरी किसी आय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्र में कमों करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आय-हर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ प्रतिरक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब के प्रनुसारण
में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा(1)
के प्रधीन निम्ननिखित अवित्तियों, अर्द्धांश—

(1) 1. श्रीमती भीरा देवी वेदेन्वरा एवम् अन्य
श्री तरुण वेदेरा के द्वारा,
डी-40, डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली।
2. श्री तरुण वेदेरा पुत्र श्री ईन्द्र सिंह वेदेरा
श्री तरुण वेदेरा के द्वारा।
3. श्री अरुण वेदेरा एवम् दीपक वेदेरा पुत्रान
श्री ईन्द्र चन्द्र वेदेरा द्वारा श्री तरुण वेदेरा
सभी निं. डी-40, डिफेन्स कालोनी, देहली।
(अन्तरक)

(2) एकोन इन्डियनियरिंग लिमिटेड, 15 बारा खंभा
रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आमेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्स्वरूपी अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में अपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में के लिये अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
हिस्सों अन्य अवित्त द्वारा, प्रदोहस्ताक्षरी के पास
निखित में किए जा सकेंगे।

संपट्टीकरण :—इसमें प्रपुक्त ग्रन्डों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि व ईमारत, 13 माईल स्टोन, मथुरा रोड,
फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता
के कार्यालय देहली में रजिस्ट्री संख्या 520 दिनांक 12-11-80
पर दिया है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 29-6-1981

मोहर :

प्रकृत प्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 जुलाई, 1981

निदेश सं० रोहतक/43/80-81—अतः मुझे गो० सि०
गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है के स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान नं० 407/वार्ड नं० 25, है तथा
जो माडल टाउन, रोहतक में स्थित है (और इससे उपावद
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, रोहतक में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर,
1980 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चह प्रतिशत प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य भास्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हरबन्सलाल पुत्र श्री भागमल द्वारा गली जाट
गजीदारा, रेलवे रोड, रोहतक।

(अन्तरक)

(2) श्री सतपाल विंग पुत्र श्री फकीर चन्द विंग
म० नं० 101, गो० सी० बाजार, अम्बाला कैन्ट,
अब म० नं० 407/वार्ड नं० 25, (पुराना नं०
196-एल) माडल टाउन, रोहतक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल

सम्पत्ति मकान नं० 407/वार्ड नं० 25, माडल टाउन,
रोहतक में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता
के कार्यालय रोहतक में रजिस्ट्री संख्या 3613 दिनांक
21-10-1980 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख: 8-7-1981

मोहर:

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जुलाई 1981

निर्वेश सं० थानेसर/29/80-81—अतः मुझे गो० सि०
गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग सरस्वती सर्विस स्टेशन का
है तथा जो लाडवा में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
के कार्यालय, थानेसर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1980 को
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्तों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ अक्षर किसी आय की आवत्ता, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अमूसरण
में, जैसे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री सुरेन्द्र कुमार पुष्प शम्भु दयाल गांव और
लाडवा, तहसील थानेसर।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री राजबीर, धर्म बीर पुष्प श्री हरबन्ध लाल
गांव—जाडेडा अब मार्फत में० सरस्वती सर्विस
स्टेशन, रादौर रोड, लाडवा, तहसील थानेसर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

सम्पत्ति सरस्वती सर्विस स्टेशन का 1/2 भाग लाडवा
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
थानेसर में रजिस्ट्री संख्या 3367 दिनांक 5-11-1980
पर दिया है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अण्डीगढ़।

तारीख: 14-7-1981

मोहर:

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री रामेश्वरदास पुत्र नथा राम गांव और छाक-
खाना लाडवा।

(प्रत्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) सर्वश्री सतपाल एवम् हरपाल पुन्नान श्री हरबन्स.
लाल निवासी जान्देला, अब मार्फत मैं सरस्वती
सर्विस स्टेशन, रावौर रोड, लाडवा, तहसील
आनेसर।

(प्रत्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जुलाई 1981

निवेश सं० थाने सर/31/80-81—अतः मुझे गो० सि०
गोपालआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 1/2 भाग सरस्वती सर्विस स्टेशन, है तथा
जो लाडवा में स्थित है (श्री रामेश्वरदास पुन्नान भी इसमें
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, आनेसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
'1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:--(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाते में
सुविधा के लिए;सम्पत्ति सरस्वती सर्विस स्टेशन का आधा भाग लाडवा
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
आनेसर में रजिस्ट्री संख्या 3366 दिनांक 5-11-1980 पर
दिया है।गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक।अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

तारीख : 14-7-1981

मोहर :

प्रकृत्य वाई० टी० एन० एस०—
नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदा
269-व(1) के अधीन सूचना
भारत भवान
कार्यालय, सहायक नायकर श्राव्यकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, विनांक 20 जुलाई 1981

निदेश सं० कैथल/18/80 81—भ्रतः मुझे गो० सि०
गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आदा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान नं० 155/24 है तथा जो कैथल
में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैथल में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख नवम्बर, 1980

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के बिंदु अन्वरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक
रूप ने कथित नहीं किया गया दें :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भ्रात की बादत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भ्रात या निसी भ्रन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षित हारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, जब, उक्त अधिनियम, की आदा 269-वा के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की आदा 269-वीं तीन उपआदा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अवैत् :—

(1) श्री किंजय गोपाल बेरी सुपुत्र भी बैश गोपाल,
कैथल।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीम प्रकाश सुपुत्र श्री हेमता राम धिगरा
मकान नं० 154/14, कैथल।

(अन्तरिती)

की यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त उचित के अवैत के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैत के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्वारी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवैहस्तानिकी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

स्वाहीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 154/14 जो कि कैथल में स्थित है
जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय कैथल में
रजिस्ट्री संख्या 3003 विनांक 25-11- 1980 पर दिया
है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक नायकर श्राव्यकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख : 20-7-1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टो० एव० एस०--

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 17 जुलाई, 1981

निवेश सं० III-500/अर्जन/81-82—अतः मुझे हृदय नारायण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से प्रधिक है

और जिसकी संख्या खाता नम्बर 1226 खसरा नम्बर 562, थाना
नम्बर, 105 है, तथा जो दिघीकलां, हाजीपुर जिला वैशाली में स्थित
है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वैशाली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) प्रधीन तारीख 5-11-80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्दह है प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप में रखित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए;
बोड्या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

18-186GI/81

(1) श्री इन्द्रदेव प्रताप सिंह वल्द स्व० वलदेव सिंह
निवासी दिघीकलां जिला वैशाली (हाजीपुर)।
(अन्तरक)

(2) श्री सुचित कुमार सिंहा वल्द श्री के० पी० सिंहा
निवासी राजेन्द्रनगर, पतालय राजेन्द्रनगर, पटना-
16

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 65 डीसमल जो मौजा दिघीकलां, जिला
वैशाली (हाजीपुर) में स्थित है तथा जो पूर्णरूप से बसिका
निवन्धन जिला अवर निवन्धक पदाधिकारी वैशाली द्वारा सम्पन्न
हुआ है।

हृदय नारायण
सक्षम पदाधिकारी
निरीक्षी, सहायक आयकर आयुक्त;
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।

तारीख : 17-7-81

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi—110011, the 8th June 1981

No. A.11016/1/76-Admn. III.—The President is pleased to appoint Shri M. C. Khorana, a permanent officer of grade C of the C.S.S.S. cadre of Union Public Service Commission, to perform the duties of Desk Officer in the Office of Union Public Service Commission w.e.f. 1-6-1981 to 4-7-1981 or until further orders whichever is earlier.

2. On his appointment as Desk Officer, Shri M. C. Khorana will be granted a special pay @ Rs. 75/- per month in terms of Department of Personnel and Administrative Reforms O.M. No. -12/1/74-CS(I) dated 11-12-1975.

Y. R. GANDHI
Under Secretary (Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(DEPARTMENT OF PERSONNEL &
ADMINISTRATIVE REFORMS)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 16th July 1981

No. A.19036/3/76/Ad.V.—The services of Shri V. N. Srinivasa Rao, Dy. Supdt. of Police on deputation to Central Bureau of Investigation from Tamil Nadu Police have been placed back at the disposal of Tamil Nadu Govt. with effect from 30-6-1981 (A.N.).

The 18th July 1981

No. A.19013/1/81-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri Bajrang Lal IPS (Rajasthan-1953) as Joint Director, Central Bureau of Investigation and Special Inspector General of Police, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 13th July, 1981 until further orders.

No. A.35018/15/79-Ad.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Sib Sankar Mukherjee, Inspector of Police, West Bengal, on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation at GOW Calcutta, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 5th June, 1981 until further orders.

Q. L. GROVER,
Administrative Officer (E)/C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi, the 26th June 1981

No. O.II-1445/79-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Jyotsna Trivedi as Junior Medical Officer in the CRPF on ad hoc basis with effect from 3-6-1981 (F.N.) for a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-158/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Kishoresen Lashkar as General Duty Officer Grade-II (Dy. S.P./Coy. Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from 25th May, 1981 (F.N.) subject to his being medically fit.

No. O.II-1582/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. K. Appalachryulu as General Duty Officer Grade-II (Dy. S.P./Coy. Commander) in the C.R.P.F. in a temporary capacity

with effect from 29th May, 1981 (F.N.) subject to his being medically fit.

The 14th July 1981

No. O.II-1585/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Kamlesh Saini as General Duty Officer Grade-II (Deputy Supdt. of Police/Coy. Commander) in the C.R.P. Force in a temporary capacity with effect from afternoon of 30th June, 1981 subject to her being medically fit.

The 16th July 1981

No. O.II-176/69-Estt.—Consequent on expiry of period of 2 years extension granted to him w.e.f. 1-7-79 to 30-6-81, Shri I. Jayasimha relinquished the charge of the post of Commandant Group Centre C.R.P.F., Avadi on the afternoon of 30-6-1981.

No. O.II-660/71-Estt.—Consequent on his retirement from Govt. service on superannuation pension, Shri S. Periaswamy, relinquished charge of the post of Asstt. Commandant 51 Bn. on the afternoon of 30-6-1981.

No. O.II-1583/81-Estt.—The Director General, C.R.P.F. is pleased to appoint Dr. (Miss) Rajasri Naik as General Duty Officer Grade II in the C.R.P. Force on ad hoc basis with effect from the forenoon of 30-6-1981 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 17th July, 1981

No. O.II-1586/81-Estt.—The Director General, C.R.P.F. is pleased to appoint Dr. (Miss) Archana Choudhury as General Duty Officer Grade-II in the C.R.P. Force on ad hoc basis with effect from the forenoon of 5-7-1981 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 18th July 1981

No. P.VII-7/80-Estt.-I.—The President is pleased to confer the honorary rank of Coy. Comdr./Quarter Master on Subedar Major Ram Swaroop in a temporary capacity until further orders.

2. He took over charge of the post in C.T.C.-2, C.R.P.F., Avadi on 8-7-1981 (F.N.).

A. K. SURI
Asstt. Director (Estt.)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 14th July 1981

No. E-28013/1/81-G.A. II.—On acceptance of his request for pre-mature retirement, Shri K. I. Peter, Section Officer of the Office of D.G./C.I.S.F., New Delhi retired from service with effect from the forenoon of 5th June, 1981.

The 18th July 1981

No. E-38013(4)/5/81-Pers.—On his transfer to Gurgaon, Shri R. P. Dube relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt., C.I.S.F. Unit, B.S.L. Bokaro, w.e.f. the afternoon of the 28th May, 1981.

No. E-38013(4)/5/81-Pers.—On his transfer from Durgapur, Shri N. G. Sukul assumed the charge of Asstt. Comdt., C.I.S.F. Unit, MPT Madras w.e.f. the forenoon of 8th June, 1981.

No. E-38013(4)/5/81-Pers.—On his transfer from Jharia, Shri S. K. Banerjee assumed the charge of the post of Asstt.,

Comdt., C.I.S.F. Unit, F.C.I. Sindri w.e.f. the forenoon of 1st June, 1981.

No. E-38013(4)/7/81-Pers.—On his transfer from Hardwar, Shri R. R. Bhardwaj, assumed the charge of the post of Asstt. Comdt., C.I.S.F. Gp. Hqrs., New Delhi w.e.f. the forenoon of 19th May, 1981.

No. E-38013(4)/5/81-Pers.—On his transfer from Durgapur, Shri R.M. Dash assumed the charge of the post of Asstt. Comdt., C.I.S.F. Unit, M.F.L. Madras, w.e.f. the forenoon of 15-5-81, from which date Shri P. K. P. Nair, relinquished the charge of the said post, on his transfer to Tundoo.

No. E-38013(4)/5/81-Pers.—On his promotion, Shri S. S. Pathania, assumed the charge of the post of Asstt. Comdt., C.I.S.F. Unit, BIL Bhilai w.e.f. the afternoon of 10th June, 1981.

SURENDRA NATH
Director General

MINISTRY OF LABOUR
LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 1st August 1981

No. 23/3/81-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960=100 increased by six points to reach 439 (Four hundred and thirty nine) during the month of June, 1981. Converted to base : 1949=100, the index for the month of June, 1981 works out to 534 (Five hundred and thirty four).

T. YOGANAND
for (A. S. BHARADWAJ)
Director

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 20th May 1981

F. No. B.N.P./G/4/79.—The following permanent Inspector Control are appointed to officiate as Dy. Control Officer in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200 (Group "B" Gazetted) on ad hoc basis in Bank Note Press, Dewas in short term leave vacancy for the period shown against each.

No.	Name	Period
1.	Shri H. R. Sharma	12-5-81 to 26-6-81
2.	Shri S. B. Deshmukh	12-5-81 to 14-6-81

The 14th July 1981

F. No. B.N.P./C/5/81.—The undersigned is pleased to appoint Shri Samarendra Dass permanent Junior Supervisor (Offset Printing) to officiate on regular basis as Technical Officer (Printing & Platemaking) in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200 (Group 'B' Gazetted) in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) with effect from 30-6-1981 (F.N.) until further orders. He was already holding the said post on ad hoc basis from that date.

F. No. B.N.P./C/5/81.—The undersigned is pleased to appoint Shri Y. Janardhan Rao permanent Junior Supervisor (Offset Printing) to officiate on regular basis as Technical Officer (Printing & Platemaking) in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200 (Group 'B' Gazetted) in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) with effect from 22-8-80

(F.N.) until further orders. He was already holding the said post on ad hoc basis from that date.

M. V. CHAR
General Manager

MINISTRY OF COMMERCE

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 6th July 1981

No. Est.I.2(469)/3014.—Shri R. V. Manohar, Assistant Director Grade II in this office, retired from service from the afternoon of 30-6-1981, on attaining the age of superannuation.

S. RAVINDRAN
Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 14th July 1981

No. A-19018/228/75-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri J. C. Jain, Assistant Editor (English) in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi as Deputy Director (Publicity) in the same Office with effect from the forenoon of 29th June, 1981, until further orders.

The 15th July 1981

No. A-19018/513/80-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri T. K. Choudhury, Asstt. Chief Controller of Imports & Exports, Office of Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta as Deputy Director (Export Promotion) in the Office of Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi with effect from the forenoon of 30th June, 1981, until further orders.

The 16th July 1981

No. A-12/516/66-Admn.(G).—Consequent upon his appointment as Joint Director in the Department of Electronics, Shri Chanchal Basu has relinquished charge of the post of Deputy Director (Electrical) at Small Industries Service Institute, Calcutta on the afternoon of 28th February, 1981.

No. A-19018/550/81-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri N. K. Bhatnagar, a Gr. II Officer of Indian Statistical Service and Deputy Director in the Bureau of Industrial Costs & Prices as Director (Gr. II) (Production Index) in the Office of Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi with effect from the forenoon of 30th June, 1981.

The 20th July 1981

No. 12(7)/61-Admn.(G).—Consequent upon his appointment as Experts under Commonwealth Secretariat/C.F.T.C. to Solomon Islands & Vanuatu, Shri S. P. Singaram, has relinquished charge of the post of Director (Gr. II) (Leather/Fo t-wear) in this Office with effect from the afternoon of 30th June, 1981.

C. C. ROY
Deputy Director (Admn.)

New Delhi, the 20th July 1981

No. A-31013/9/77-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri S. M. Varshney, Deputy Director (Hosiery), Small Industries Service Institute, Ludhiana to the post of Deputy Director (Hosiery) in the Small Industry Development Organisation in a substantive capacity with effect from 27th April, 1976.

M. P. GUPTA,
Deputy Director (Admn.)

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 4th July 1981

ORDER

No. G. 3 (34) 1.—The following amendments are hereby made in Schedule I of the Gas Cylinders Rules, 1981, under the powers conferred by rule 3(1)(a) of the said rules :

1. Types and Standards of cylinders of Indian origin appearing under item no. 4 are substituted by the following :

(a) Cylinders conforming to IS : 3196 Specification—Welded Low Carbon steel gas cylinders exceeding 5 litres water capacity for low pressure liquefiable gases—manufactured by the following manufacturers and Inspected and Certified by Indian Standards Institution or any other appropriate authority as approved by the Chief Controller :

- (i) Bharat Pumps & Compressors Ltd., Naini, Allahabad.
- (ii) Gannon Pressure Vessels Ltd., Bombay.
- (iii) Hindustan General Industries Ltd., Delhi.
- (iv) Hyderabad Allwyn Metal Works Ltd., Hyderabad.
- (v) Indian Gas Cylinders Ltd., Faridabad.
- (vi) Kosan Metal Products Pvt. Ltd., Kalmeshwar, District Nagpur.
- (vii) Universal Cylinders Ltd., Alwar.
- (viii) Standard Cylinders Pvt. Ltd., Gurgaon.
- (ix) Larsvin Engineers (P) Ltd., Hyderabad.

(b) Cylinders conforming to IS : 7680 Specification—Welded Low Carbon steel gas cylinders for ammonia (anhydrous) gas—manufactured by the following manufacturers and Inspected and Certified by Indian Standards Institution or any other appropriate authority as approved by the Chief Controller;

- (i) Bharat Pumps & Compressors Ltd., Naini, Allahabad.

(ii) Asco Industrial Corporation, Sonepat.

(c) Cylinders conforming to IS : 7681 Specification—Welded low carbon steel gas cylinders for Chlorine gas—manufactured by the following manufacturers and Inspected and Certified by Indian Standards Institution or any other appropriate authority as approved by the Chief Controller;

- (i) Bharat Pumps & Compressors Ltd., Naini, Allahabad.

(d) Cylinders conforming to IS : 7285 Specification—Seamless manganese steel cylinders for permanent and high pressure liquefiable gases—manufactured by the following manufacturers and Inspected and Certified by Indian Standards Institution or any other authority as approved by the Chief Controller;

(i) Bharat Pumps & Compressors Ltd., Naini, Allahabad.

(ii) Everest Kanto Cylinder Pvt. Ltd., Aurangabad.

2. Types and Standards of cylinders of West German origin under item No. 11 are substituted by the following—

(a) Cylinders conforming to Specifications—BS : 1045, Home Office 'S' and 'T' for permanent gases and BS : 401, BS : 1287, BS : 1288 for liquefiable gases manufactured by the following manufacturers Inspected and Certified by Lloyd's or Bureau Veritas or any other authority as approved by the Chief Controller;

(i) Industrie Werke Karlsruhe Augsburg A.G., Karlsruhe (IWKA).

(ii) Mannesmann of West Germany.

(b) Cylinders conforming to German Pressure Gas Regulations manufactured by Industrie Werke Karlsruhe Augsburg A.G., Karlsruhe (IWKA) and Inspected and Certified by Lloyd's, Bureau Veritas or any other authority as approved by the Chief Controller.

3. Under the Types and Standards of containers of Indian origin the following shall be added after the item 1 (c) thereof—

"(d) Tonne containers for low pressure liquefiable gas service conforming to BS : 1515, manufactured by Bharat Heavy Plate and Vessels Ltd., Visakhapatnam, and Richardson & Cruddas (1972) Ltd., Bombay—inspected and certified by Bureau Veritas."

4. Under the Types and Standards of Valves the following shall be added—

"b. Valves conforming to IS : 8737 (Part II) 1978 Specification—Valve fittings for use with liquefiable petroleum gas cylinders of more than 5 litres water capacity—manufactured by the following manufacturers—Inspected and Certified by Indian Standards Institution :

- (i) Kosan Metal Products Pvt. Ltd., Katargam, Surat.
- (ii) Vanaz Engineers Pvt. Ltd., Pune.
- (iii) Batra Associates Pvt. Ltd., Faridabad.

CHARANJIT LAL
Chief Controller of Explosives.

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

New Delhi, the 15th June 1981

No. 5 (291)/80/J.A./Vol. II.—The President is pleased to appoint the following officers as Jr. Analyst on regular deputation basis with effect from dates shown against each :—

S/Shri

1. K. J. Sethi	23-10-80
2. N. Krishnamurthy	2-12-80
3. S. S. Negi	2-5-81.

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

The 3rd July 1981

No. A-1/1 (1177)/81.—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri K. P. Unnikrishnan, J.F.O. in the office of the Director of Supplies & Disposals, Madras to officiate on ad-hoc basis as Assistant Director (Grade II) in the

office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay with effect from the forenoon of 10th June, 1981 and until further orders.

2. The *ad hoc* appointment of Shri Unnikrishnan as Assistant Director (Gr.-II) will not bestow on him a claim for regular appointment and that *ad hoc* service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

3. Shri Unnikrishnan relinquished charge of the post of J.F.O. in the office of DS&D, Madras on 30-5-1981 (A.N.) and assumed charge of the post of Asstt. Director (Gr. II) with effect from the forenoon of 10-6-1981 in the office of Director of Supplies (Textiles), Bombay.

(ADMN. SECTION A-6)

The 14th July 1981

No. A-17011/189/81-A-6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri C. P. Srivastava, Examiner of Stores (Engineering) in the office of Deputy Director of Inspection, Kanpur under Northern Inspection Circle to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the same office with effect from the forenoon of 8th June, 1981 purely on ad-hoc basis until further orders.

The 17th July 1981

No. A-6/247 (361).—Shri S. P. Gupta, a permanent Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the office of Director of Inspection, Calcutta has been retired from Government Service w.e.f. the afternoon of 4th May, 1981 under F. R. 56(j).

No. A-17011/191/81-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri A. T. Ghosh, Examiner of Stores (Engg.) in the office of Director of Inspection, Calcutta to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the same office with effect from the forenoon of 12th June, 1981 and until further orders.

No. A-17011/192/81-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri S. K. Pandit, Examiner of Stores (Engg.) in the office of Director of Inspection, Calcutta to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the same office with effect from the forenoon of 12th June, 1981 and until further orders.

The 18th July 1981

No. A-17011/190/81-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri B. M. Saran, Examiner of Stores (Engg.) in the office of Director of Inspection, Calcutta to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the same office with effect from the forenoon of 12th June, 1981 and until further orders.

No. A-1/1 (1164).—Shri Paritosh Ghosh, Junior Field Officer in the office of the Director of Supplies and Disposals, Calcutta is appointed as Assistant Director (Litigation) (Grade II) on purely ad-hoc deputation basis in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-880-40-1000-E.B.-40-1200 with effect from 6-6-81 (A.N.) in the same office until further orders.

P. D. SETH,
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 14th July 1981

No. 4107B/A. 32013(SO)/80/19A.—The following Stores Superintendents (Tech.), Geological Survey of India are appointed on promotion as Stores Officer in the same Deptt. on pay

according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the date shown against each, until further orders.

S. No.	Name	Date of Appointment
1.	Shri S. K. Sikdar	28-5-1981 (F.N.)
2.	Shri N. Goud	8-6-1981 (F.N.)
3.	Shri A. K. Ghose	10-6-1981 (F.N.)

V. S. KRISHNASWAMY,
Director General.

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 8th July 1981

No. C-5740/724-S.O.S. (A).—Shri R. K. Rajamoorthy, Stores Assistant is appointed to officiate as Assistant Stores Officer (G.C.S. Group 'B' post) in Survey Training Institute, Survey of India, Hyderabad, on *ad-hoc* basis, in the scale of pay of Rs. 550-25-750-E.B.-30-900, with effect from the forenoon of 11th May 1981 *vice* Shri B. Topo, Assistant Stores Officer proceeded on leave.

K. L. KHOSLA,
Lieut. General,
Surveyor General of India

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 14th July 1981

No. F. 11-9/80 (A.1) Estt.—On the recommendation of the Union Public Service Commission the Director of Archives, Government of India, hereby appoints Shri Syamalendu Sen-gupta, as Archivist (General) (Class II Gazetted) on regular temporary basis w.e.f. 24-6-1981 (F.N.) until further orders.

Sd/- ILLEGIBLE
for Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 14th July, 1981

No. 10/86/75-SIII.—Consequent upon his selection as Senior Scientific Officer in the Department of Electronics, Government of India, Shri R. Subburaj, Asstt. Engineer, A.I.R., Pondicherry has been relieved of his duties in All India Radio w.e.f. the forenoon of 15th May, 1981.

The 16th July 1981

No. 10/23/79-SIII.—Consequent upon his selection against Group 'A' post in the Ministry of Communications through U.P.S.C., Shri P. K. Londhe, Asstt. Engineer relinquished charge of the post of Asstt. Engineer, A.I.R. Cuttack w.e.f. the afternoon of 28th May, 1981.

H. N. BISWAS
Dy. Director of Admn.
for Director General.

New Delhi-1, the 6th July, 1981

CORRIGENDUM

No. 5(33)/68-SI.—For words "in a temporary capacity" appearing in line 4 of this Directorate's Notification No. 5(33)/68-SI, dated 18th June, 1981 (English version) concerning the appointment as Programme Executive of Smt. Kusum Zutshi, please read as "in a temporary capacity on an ad-hoc basis."

No. 5(9)/68-SI.—For words "in a temporary capacity" appearing in line 4 of this Directorate's Notification No. 5(9)/68-SI dated 18th June, 1981 (English version) concerning the appointment as Programme Executive of Shri K. S. Ramanujam, please read as "in a temporary capacity on an adhoc basis".

No. 5(11)/68-SI.—For words "in a temporary capacity" appearing in line 4 of this Directorate's Notification No. 5(11)/68-SI, dated 18th June, 1981 (English version) concerning the appointment as Programme Executive of Shri Mahmood Khan, please read as "in a temporary capacity on an adhoc basis".

The 17th July 1981

No. 5(47)/76-SI.—Shri P. J. Mahanta, Programme Executive, All India Radio, Dibrugarh resigned from service with effect from the afternoon of 28th February, 1981.

H. C. JAYAL
Dy. Director of Administration
for Director General.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
PUBLICATIONS DIVISION
EMPLOYMENT NEWS

New Delhi-110022, the 9th July 1981

No. A. 20012/24/70-Admn. I.—Director, Publications Division, Employment News appoints Shri Moti Ram A. Krishnani, Business Executive, Sales Emporium, New Delhi to officiate as Assistant Distribution Officer, Employment News Unit, R. K. Puram, New Delhi in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200/- on *adhoc* basis with effect from the forenoon of the 22nd May, 1981.

This *adhoc* appointment shall not bestow upon Shri Krishnani a claim for regular appointment in the grade of Asstt. Distribution Officer. His service as Asstt. Distribution Officer will also not count for purposes of seniority in that grade.

N. N. CHATTERJEE
Editor.

FILMS DIVISION

Bombay-400026, the 19th June 1981

No. A-12026/1/77-Est.-I.—The Chief Producer, Films Division has appointed Shri Mahesh V. Kamble, Asstt. Newsreel Officer, Films Division, New Delhi to officiate as Cameraman, Films Division, New Delhi with effect from forenoon of 14-11-80.

N. N. SHARMA
Administrative Officer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 10th July 1981

No. A. 19018/5/80-C.G.H.S.-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Vaid Surya Nath to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme on *adhoc* basis with effect from the forenoon of 3-12-80.

T. S. RAO
Dy. Director Admn. (C.G.H.S.)

New Delhi, the 6th July 1981

No. A-12025/2/77-D.C.—The Director General of Health Services hereby appoints Dr. (Kum.) Bandita Sarangi, as an Associate Bio-Chemist in the Central Drugs Laboratory, Calcutta, with effect from the forenoon of the 20th June, 1981 until further orders.

S. S. GOTHOSKAR
Drugs Controller

New Delhi, the 17th July 1981

No. A-12025/11/80-Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Bindu Kumar Tewari to the post of Junior Biochemist at Kalawati Saran Children's Hospital, New Delhi in a temporary capacity with effect from the afternoon of 7th May, 1981 and until further orders.

No. A-19020/1/80-Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to accept the resignation of Smt. Annamma Joseph from the post of Tutor at the Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi with effect from the afternoon of 2nd June, 1981.

The 21st July 1981

No. A. 38013/2/80-HQ/Admn. I.—On attaining the age of superannuation, Shri A. L. Handa, Section Officer in the Directorate General of Health Services, New Delhi, retired from Government Service on the afternoon of 28th February, 1981.

T. C. JAIN
Dy. Director Administration
(O & M)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 10th July 1981

No. PPED/4 (779)/78-Adm. 8028.—Consequent on his appointment as Section Officer in the Department of Atomic Energy Secretariat, Shri P. Venugopalan, a permanent Stenographer in B.A.R.C. and officiating Asstt. Personnel Officer in this Division relinquished charge of his post in this Division w.e.f. July 07, 1981.

B. V. THATTE
Administrative Officer

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahr, the 21st July 1981

No. NAPP/Adm./26(1)/80/S/8808.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints the undermentioned Supervisor (Civil)/Foreman to Officiate as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200/- in the Narora Atomic Power Project, with effect from the forenoon of Feb. 1, 1981 until further order :—

Sl. No.	Name	Present Designation	Grade to which appointed
1.	Shri G. N. Mishra	Foreman	Scientific Officer/Engineer Grade SB
2.	Shri Y.B.K. Rao	Supervisor (C)	Do.
3.	Shri K.C.T. Asarey	Do.	Do.
4.	Shri M. S. Pai	Do.	Do.

A. D. BHATIA
Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 9th July 1981

No. D.P.S./23/9/77-Est./13211.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri R. A. Gupta, a permanent Storekeeper of this Directorate to officiate as an Assistant Stores Officer (*adhoc*) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200 in the same Directorate for the period from March 11, 1981 (A.N.) to April 4, 1981 (A.N.).

The 14th July 1981

No. D.P.S./23/4/79-Est./13558.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints the following Purchase Assistants to officiate as Assistant Purchase Officers (ad-hoc) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200 in the same Directorate for the periods mentioned against each :—

S. No.	Name	Period	
		From	To
1.	Shri V. G. Jobanputra	9-3-1981 (F.N.)	8-5-1981 (A.N.)
2.	Shri K. T. Parmeshwaran	3-4-1981 (F.N.)	30-5-1981 (A.N.)
3.	Shri V. C. Chandran	27-4-1981 (F.N.)	3-6-1981 (A.N.)
4.	Shri S. K. Nerurkar	28-4-1981 (F.N.)	16-6-1981 (A.N.)
5.	Shri A. V. Jadhav	27-4-1981 (F.N.)	12-6-1981 (A.N.)

K. P. JOSEPH
Administrative Officer

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti-323303, the 16th July, 1981

No. R.A.P.P./Rectt./7 (10A)/81/S/354.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project hereby appoints Shri A. N. Muthuswamy a permanent Accountant of Rajasthan Atomic Power Project and officiating Assistant Accounts Officer at Heavy Water Project, Tuticorin to officiate as Accounts Officer-II in a temporary capacity in the Rajasthan Atomic Power Project with effect from the forenoon of 29-5-1981 until further orders.

GOPAL SINGH
Administrative Officer (E),
for Chief Project Engineer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 14th July, 1981

No. AMD-1/6/81-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri V. R. Sowmy Narayanan as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of May 6, 1981 until further orders.

No. AMD-1/1/81-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri A. V. Jeyagopal as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of June 24, 1981 until further orders.

The 21st July, 1981

No. AMD-8(1)/81-Rectt.—In continuation of this office Notification of even number dated June 3, 1981, Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Somnath Sachdeva, permanent Assistant and afficiating Hindi Translator in the Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Division with effect from 13-6-1981 to 20-6-1981 (A.N.) vice Shri J. R. Gupta, Assistant Personnel Officer granted leave.

M. S. RAO,
Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 20th July, 1981

No. 05012/R2/OP/4924.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Gautamkumar Somabhai Ravat, a temporary Assistant Accountant in Heavy Water Plant (Baroda) to officiate as Assistant Accounts Officer in the same office, in a temporary capacity, on ad-hoc basis w.e.f. April 29, 1981 (F.N.) to June 6, 1981 (A.N.) vice Shri P. N. Ganju, Assistant Accounts Officer, granted leave.

R. C. KOTIANKAR
Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPP-401504, the 11th July, 1981

No. T.A.P.S./1/18(3)/77-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri P. Ganapathy, a permanent Personal Assistant to officiate as an Officer in Assistant Administrative Officer's grade (Rs. 650-30-740-35-880-E.B.-40-960) on ad-hoc basis in the Tarapur Atomic Power Station with effect from the forenoon of May 7, 1981 and upto June 17, 1981 (A.N.) vide Shri V.K.P. Pillai, Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

D. V. MARKALE,
Administrative Officer-II

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF
CIVIL AVIATION

New Delhi, the 7th July, 1981

No. A-32013/4/81/E.I.—The President is pleased to appoint Shri I. R. Menon, Dy. Director of Regulations & Information in the Civil Aviation Department to the post of Director, Information & Regulations in the same Department on ad-hoc basis with effect from 20-6-1981 and upto 30-9-1981 or till the reversion of Shri R. V. Ranadive (ad-hoc Dy. Director General), whichever is earlier.

S. GUPTA
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 15th July, 1981

No. A-32013/4/80-E.C.—The President is pleased to appoint Shri R. S. Gahlot, Senior Technical Officer, Aero. Comm. Stn., Ahmedabad to the grade of Assistant Director of Communication on ad-hoc basis for a period of six months w.e.f. 6-5-1981 (F.N.) and to post him at D.G.C.A. (H.Q.).

PREM CHAND
Assistant Director of Administration.

New Delhi, the 17th July, 1981

No. A. 32013/4/79-E.S.—In continuation of this office notification of even No. dated 18-3-1981, the President is pleased to sanction the continued ad-hoc appointment of S/Shri N. Jaisimah and R. C. Gupta upto 14-11-1981 or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier on usual terms and conditions.

J. C. GARG
Asstt. Director of Administration

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Guntur-4, the 3rd June, 1981

CENTRAL EXCISE DEPARTMENT

No. 10/81(Estab.)—Shri P. Prasad Rao, Superintendent of Central Excise (Expert) Visakhapatnam-IV Range of

Visakhapatnam-I Division has resigned from this Department with effect from 31-5-1981 After-noon.

D. KRISHNAMURTI,
Collector

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT
DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay, the 15th July, 1981

(MERCHANT SHIPPING)

No. 4 (2) C.R.A./76.—The Director General of Shipping, Bombay hereby appoints Shri V. G. Deshmukh Asstt. Shipping Master, Bombay as Dy. Director, Seamen's Employment Office, Calcutta with effect from the forenoon of the 21st April, 1981 and until further orders.

B. K. PAWAR
Dy. Director General of Shipping

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 15th July, 1981

No. 22/3/81-Adm. I (B).—The Chairman, Central Electricity Authority, hereby appoints the following officials, belonging to the grades mentioned against each, to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) service w.e.f. the dates indicated against each on ad-hoc basis for a period of 2 months or till such time as regular officers become available, whichever is earlier :—

Name	Grade to which belong	Date of taking over charge
S/Shri		
1. O. P. Sharma II	Technical Assistant	26-6-1981 (F.N.)
2. N. C. Bhardwaj	Do.	26-6-1981 (F.N.)
3. Sukumar Biswas	Do.	3-7-1981 (F.N.)
4. Nawab Singh	Do.	29-6-1981 (F.N.)
5. Kuldip Singh III	Supervisor	27-6-1981 (F.N.)

B. M. LALL,
Under Secretary
For Chairman CEA

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANIES AFFAIRS

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Anoop Construction Private Limited.

Gwalior, the 15th July, 1981

No. 1422/A/1875.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Anoop Construction Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. K. SAXENA,
Registrar of Companies

In the matter of the Companies Act, 1956 and K. J. Spiroll Ltd.

Bombay, the 15th July, 1981

No. 15037/49.—Notice is hereby given pursuant to section 445 (2) of the Companies Act, 1956 that M/s. K. J. Spiroll Ltd. has been ordered to be wound up by an order dated 30-1-80 passed by the High Court of Maharashtra and that the Official Liquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the company.

O. P. JAIN
Addl. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 10th July, 1981

No. F. 47-Ad. (A.T.)/50-P. III.—The following officers officiating as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal are confirmed in their appointments with effect from the 1st March, 1981.

1. Shri A. Hanumantha Rao
2. Shri K. L. Rohani.

T. D. SUGLA
President

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PATNA, BIHAR

Patna-800001, the 17th July 1981

Ref. No. III-500/Acq/81-82—Whereas I, H. NARAIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1226, Khesra No. 562, Thana No. 105 situated at Dighikalan, Hazipur, Dist. Vaishali (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vaishali on 5-11-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, irrespective of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
19—186GJ/81

(1) Shri Indradev Prasad Singh s/o Babu Baldeo Singh Resident of Dighikalan P.O. Dighikalan, Dist. Vaishali (Hazipur).

(Transferor)

(2) Shri Suchit Kumar Sinha s/o Shri K.P. Sinha Resident of Rajendra Nagar, P. O. Rajendra Nagar, Patna-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

65 decimals of land situated at mouza Dighikalan Dist. Vaishali (Hazipur) more fully described in deed No. 5185 dated 5-11-1980 registered with District Registrar, Vaishali.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissiner of Incomr-Tax
Acquisition Range, Patna, Bihar

Date : 17-7-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 1st July 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/89.—Whereas I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One Plot of land at Guru Nanak wara, G.T. Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on November, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Balwant Singh s/o Surjan Singh through Shri Piara Singh s/o Shri Natha Singh r/o Chowk Chitra Katra Karam Singh, Amritsar.

(Transferors)

(2) Shri Amarjit Singh s/o Hazara Singh r/o Village Talwandi Nahar, Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant plot measuring 270 sq. mtrs. situated in Guru Nanak wara G. T. Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2627/I dated 28-10-80 of the registering authority, Amritsar

ANAND SINGH IRS

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 1-7-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd July 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/90—Whereas I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One house situated at Batala
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at SR Batala on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Gopal Dass s/o
Ram Lal Sekhri r/o
Sector 23-B,
Qr. No. 1115,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Pal,
Krishan Kumar &
Raghunandan Bedi ss/o
Shri Gian Chand
(3/4 share) Rampi s/o
Mohinder Pal 1/2 share
r/o Batala.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One house situated at Batala as mentioned in the sale deed No. 4716/November, 1980 of the registering authority, Batala.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 2-7-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd July 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/91—Whereas I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One house situated at Batala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Batala on November, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Genda Devi d/o Sunder Lal, Wazir Bagh, Srinagar, (Kashmir) through Gopal Das Shekhri.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Pal, Krishan Gopal & Raghubandan Bedi s/o Shri Gian Chand Bedi (3/4 share) Rampi s/o Mohinder Pal (1/4 share) of Batala .

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One house at Batala as mentioned in the sale deed No. 4717/November, 1980 of the register authority, Batala.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 2-7-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 7th July 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/92—Whereas I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land in village Talwandi situated at Dist. Gurdaspur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Gurdaspur on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Santokh Singh s/o
Santa Singh r/o
House No. 513 Mohalla
Dogran Thathriari Gate,
Batala.

(Transferor)

(2) Shri Santokh Singh Banta Singh
Iqbal Singh, Sarwinder Singh
r/o Hari Singh
Village Talwandi
P.O. Dina Nagar,
Dist. Gurdaspur.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 26 K. 10 M. situated in Village Talwandi, Distt. Gurdaspur mentioned in the sale deed No. 5426 dated 24-11-1980 of the registering authority Gurdaspur.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 7-7-1981

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th July 1981

Ref No ASR/81-82/Whereas, I ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One house in Indra Colony Road Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S R Pathankot on November 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Mohinder Singh s/o
Shri Kishan Singh
r/o Indra Colony,
Pathankot.

(Transferor)

(2) Smt. Raminder Kaur w/o
Shri Jagbir Singh
r/o Model Town,
Pathankot.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whoo the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house in Indra Colony Road, Pathankot, as mentioned in the sale deed No. 2451 dated 27-11-1980 of the registering authority, Pathankot.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 4-7- 1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE ASSTT. COMMISSIONER OF
INCOME-TAX**
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd July, 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/94—Whereas I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House in Daulatpur Municipal Colony, Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at SR Pathankot on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Krishna wati wd/o
Dupty Ram Suri
r/o Daulat pur
M. C. Colony, Pathankot.

(Transferor)

(2) Shri Amrik Singh s/o
Shri Natha Singh
r/o Daulatpur
Municipal Colony,
Pathankot.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

One kothi house (28 marlas) situated in M.C. Colony College Road, Pathankot, as mentioned in the sale deed No. 2233 dated 5-11-1980 of registering authority, Pathankot.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-7-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd July 1981

Ref. No. Amritsar/ 81-82/95—Whereas I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 49 situated at Prem Nagar, Saingarh Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pathankot on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ram Ditta Mal s/o
Shri Kirpa Ram s/o
Shri Tulsi Dass,
r/o Prem Nagar,
Saingarh,
Pathankot.

(Transferor)

(2) S/shri Sham Sunder,
Prithvi Raj,
s/o Shri Megh Raj Sethi
c/o Jullunder Motor Transport,
Dalhousie Road,
Pathankot.

(Transferee)

(3) As per sr. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 49, situated in Prem Nagar, Saingarh, Pathankot as mentioned in the sale deed No. 2289 dated 12-11-80 of the registering authority, Pathankot.

ANAND SINGH IRS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-7-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.
 Amritsar, the 4th July 1981

Ref. No. ASR/81-82/96.—Whereas I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential House inside Awankhi Gate situated at Dina Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Pathonkot on November, 1980

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

20—186GI/81

(1) Shri Burha Mal Mahajan,
 son of Shri Brj Lal Mahajan
 r/o Awankhi Gate,
 Dina Nagar,
 Dist. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Smt Lalita Mahajan w/o
 Shri Srishtipal,
 Smt. Sawran Lala w/o
 Shri Ramesh Kumar,
 c/o M/s. Dina Mal Baisa Mal,
 Hardware Merchants,
 G. T. Road,
 Dina Nagar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One residential house inside Awankhi Gate, Dina Nagar, as mentioned in the sale deed No. 4917 dated 4-11-1980 of the registering authority, Gurdaspur.

ANAND SINGH IRS
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Amritsar

Date 4-7-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st July 1981

Ref. No. ASR/81-82/97.—Whereas I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing .

One plot No. 264 situated at East Mohan Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by morethan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kundan Singh s/o
Shri Bahadur Singh
r/o 62-East of Mohan Nagar,
Amritsar.

(Transferor)

(2) M/s. Adan Engineering Works,
Amritsar, 107, East Mohan Nagar, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot No. 204 measuring 270 sq. yds. situated in East Mohan Nagar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1769 dated 27-4-1981 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 1-7-1981
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 7th July, 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/99—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One house in Katra Bhai Sant Singh situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR, Amritsar on December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of the such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/shri Ram Parkash,
Om Parkash,
Hari Kishan
s/o Shri Bishan Dass,
Shri Kewal Kumar,
s/o Nand Kishore
residents of
Beri Gate,
Amritsar.

(Transferors)

(1) Shri Madan Lal.
s/o Shri Munshi Ram
r/o H. No. 781/10 Katra Bhai Sant Singh,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

One residential house No. 781/10 situated in Kt. Bhai Sant Singh, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2649/I dated 1-12-1980 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 7-7-1981
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 1st July 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/98—Whereas I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land in East of Mohan Nagar, Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar on December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Kundan Singh
s/o Bahadur Singh
r/o 62, East of
Mohan Nagar,
Amritsar.

(Transferor)

(2) M/s. Adan Engineering Works,
107, East of Mohan Nagar,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 204 measuring 26.9 sq. mtrs. situated in East of Mohan Nagar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2718/I dated 8-12-80 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH' IRS,
Competent Authority
Inspecting Assisatnt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 1-7-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st July 1981

Ref. No. ASR/81-82/100.—Whereas I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House in Tej Nagar, situated at Sultanwind Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Bachni
d/o Mangat Ram,
Urf Mehnge Ram
r/o Tej Nagar,
Sultanwind Road
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Gurmuikh Singh
s/o Karnail Singh,
r/o Plot No. 8,
Tej Nagar,
Sultanwind Road,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House on plot No. 8, situated in Tej Nagar, Sultanwind Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2933 dated 24-12-1980 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 1-7-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th July, 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/108—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land in village Nangli Tehsil Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri S. Dilip Singh
s/o Buta Singh
s/o Jwala Singh
r/o Village Nangli
Teh. & Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) The Akashdeep House Building Ltd.,
Amritsar Through
Dr. Surinder Mohan President
near Nirankari Colony,
Amritsar.

(Transfreee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 acres 5 kanals 19 marlas situated in village Nangli Teh. & District Amritsar as mentioned in the sale deed No. 6588 of November, 1980 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 13-7-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 13th July, 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/107.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. a shed inside Gate Mahan Singh situated at Amritsar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Shakuntla Rani
w/o Shri Gopal Krishan Aggarwal
r/o House No. 8A, Katra Sher Singh,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash Arya
s/o Shri Rama Nand Arya,
House No. 21/41, Punjabi Bagh,
New Delhi-26.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
M/s. Eagle Transport Co. Ltd.
570/- P.M.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in a shed on a plot of land (measuring 125 sq. mtrs.) situated inside Gate Mahan Singh, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2537/I dated 21-11-1980 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 13-7-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 13th July, 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/106.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. A shed inside Gate Mahan Singh situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax (1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Bimla Rani
w/o Shri Devki Nandan Aggarwal
r/o Katra Ahluwalia,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Sat Parkash Arya
s/o Shri Rama Nand Arya
r/o House No. 21/41 Punjabi Bagh,
New Delhi-26.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
M/s. Eagle Transport Co. Ltd.—570/- p.m.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in a shed on a plot of land (measuring 125 sq. mtrs.) situated inside Gate Mahan Singh, Amritsar as mentioned in sale deed No. 2538/I dated 21-11-1980 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 13-7-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar the 13th July 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/105—Whereas I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A property in Bazar Mochian, (Near Darbar Sahib), situated at Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR, Amritsar on Nov., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by ore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri Gurdial Singh s/o
Kartar Singh &
Smt. Dalip Kaur wd/o
Shri Harbans Singh
r/o Bazar Mai Sewan,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Guruminderpal Singh s/o
S. Sardar Singh
r/o Gali No. 3,
Bagh Rama Nand,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any :
M/s. Davinder Bros. 100/- p.m.
M/s. Shakti Ptg. Works 15/- p.m.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property (Tabela) No. 952/111-17 (area 106 sq. mtrs.) situated at Sarai Guru Ram Dass, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2430 /I dated 10-11-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 13-7-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
21—186GI/81

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar the 13th July 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/104— Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Rayya

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer SR, Baba Bakala on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of . . .

(1) Shri Dalip Singh s/o
Shri Rup Singh
r/o Rayya Tehsil Baba Bakal,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Randhir Singh
Baljit Singh
Gurhej Singh s/o
Shri Nirinja Singh
r/o Village Masrhewal,
Tehsil Taran Taran.

(Transfree)

(3) As at sr. No. 2 and tenan(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 1 Kanal situated at Rayya as mentioned in the sale deed No. 2632 dated 17-11-80 of the registering authority, Baba Bakala.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-7-1981
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar the 13th July, 1971

Ref. No. Amritsar/1981-82/103—Whereas I, ANAND SINGH

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land in Shahzada Nangal (Gurdaspur)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurdaspur on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Ashok Walia s/o
Shri Prakash Nand
r/o Gurdaspur now
U.S. A.

(Transferor)

(2) Shri Maj. Thakar Singh
Ranbir Singh s/o
Narain Singh,
r/o Shahzada Nangal,
Gurdaspur.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 13 K 17M situated in Shahzada Nangal (Gurdaspur) as mentioned in the sale deed No. 5230 dated 18-11-1980 of the registering authority, Gurdaspur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-7-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR
Amritsar the 9th July 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/101—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land No. 164 situated in Rani Ka Bagh, Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR, Amritsar on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mohinder Nath s/o Kartar Chand r/o 164, Rani Ka Bagh, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Bajj Nath s/o Wasava Ram r/o 6-Joshi Colony, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 164 situated in Rani Ka Bagh, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2562/I dated 26-11-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-7-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th July 1981

Ref. No. SR/81-82/102—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. one house situated in Tandon Nagar, Batala Road, Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR, Amritsar on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Krishan alias Ram Murti s/o Gurur Ditta Mal r/o Tandon Nagar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Yash Pal s/o Shri Bihari Lal r/o 144, Husainpura, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house (area 125 sq. yds.) situated in Tandon Nagar, Batala Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 6468 dated 17-11-1980 of the registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 13-7-1981

Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. Krishnakant Balakrishna Pathare,
2. Bharat Balkrishna Mhatre, and
3. Vijay Arjun Motwani,
Partners of the M/s. Akash Deep Builders,
1 & 2, Wadhavkar Building,
Gokhale Road,
Thane-400602.

(Transferors)

(2) Suprabhat Co-op. Housing Society Ltd.,
Plot No. 8, Adarsh Niwas Kendra,
Near Post Office Kopari,
Thane.

(All the members of the Co-op. Housing Society)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 13th July 1981

Ref. No. I.A.C./C.A.5/S.R. Bombay/Nov. '80/521/81-82.—

Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 8, Part S. No. 33 & 34, Gut No. 85 situated at Village Kopari, Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Bombay on 15-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Krishnakant Balakrishna Pathare,
2. Bharat Balkrishna Mhatre, and
3. Vijay Arjun Motwani,
Partners of the M/s. Akash Deep Builders,
1 & 2, Wadhavkar Building,
Gokhale Road,
Thane-400602.

(Transferors)

(2) Suprabhat Co-op. Housing Society Ltd.,
Plot No. 8, Adarsh Niwas Kendra,
Near Post Office Kopari,
Thane.

(All the members of the Co-op. Housing Society)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 8, Adarsh Niwas Kendra, Part S. No. 33 & 34, Gut No. 85 of Village Kopari, Thane, Area 480 sq. mts. land with building.

(Property as described in the sale-deed registered under document No. 1543 dt. 15-11-1980 in the office of the Sub-Registrar, Bombay).

SHASHIKANT KULKARNI

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Pune.

Date : 13-7-1981

Seal :

FORM NO. LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 17th July 1981

Ref. No. I. A. C./C. A. 5/S.R. Malegaon/Nov. '80/523/81-82.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R. S. No. 19, Plot No. 16, situated at Malegaon, Distt. Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Malegaon on 27-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Dr. Khalil Ahmed Md. Hasan Ansari,
Plot No. 85/86, S. No. 143,
Navapura, Malegaon,
District Nasik.

(Transferor)

(2) Dr. Sayeed Ahmed Md. Khalil,
40, Fair Manzil, Fort,
Malegaon,
Distt. Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 19, Plot No. 16, along with building thereon at Malegaon, District Nasik.

(Property as described in the sale-deed registered under document No. 3512, dt. 27-11-1980 in the office of the Sub-Registrar, Malegaon.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely.—

SHASHIKANT KULKARNI

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Pune.

Date : 17-7-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX:

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 13th July 1981

Ref. No. 11201.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15/3, Sanganur, situated at Bharathy Park Road Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gandhipuram (Document No. 4529/80) on November, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) A. Venugopalan Nair,
15/3, Bharathi Park Road,
Coimbatore.

(2) S. Meenakshi Ammal,
15/3, Bharathi Park Road,
Coimbatore.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 15/3, Bharathy Park Road, Coimbatore.
(Document No. 4529/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras,

Date : 13-7-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras-600006, the 13th July 1981

Ref. No. 11204.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Kotagiri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kotagiri (Document No. 1198/80) on November, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) H. Phool Chend,
S/o Hazarimull, Kotagiri,
Kotagiri.

(Transferor)

(2) G. B. Malingam,
Billa Gowder,
G. B. Bellic,
G. S. Mathan,
G. S. Halan,
Gundada Naduhatty Village,
Kotagiri

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reductions or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 1500, Kotagiri.
(Document No. 1198/80).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
22—186GI/81

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras,

Date : 13-7-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 13th July, 1981

Ref. No. 11156.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Kandal Ooty (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ooty (Document No. 1640/80) on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) R. Rathua,
16-B, Susaiyapuram IIInd St.,
Tiruppur.

(Transferor)

(2) A. R. Basheer Ahmed Sait,
54-A, Mahalakshmi,
Missionary Hill,
Ooty.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at Kandal, Ooty.
(Document No. 1640/80).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 13-7-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras, the 10th July, 1981

Ref. No. 16026.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

22, Vaidyanathan St., situated at Madras-17.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Document No. 1884/80) on November, 1980
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) P. B. Lakshman Shah,
33, Ranganathan St.,
Madras-5.

(Transferor)

(2) Vummidi Nandagopal,
35, Thirumalai Pillai Road,
Madras-600005.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land and building at 22, Vaidyanathan Street, Madras-17.
(Document No. 1884/80).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 10-7-1981

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006**

Madras, the 10th July, 1981

Ref. No. 11194.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 335, 336, situated at Raja Street, Coimbatore (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Document No. 5879/80) on November, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) V. Shanmugham,
206, Thomas St.,
Coimbatore.

(2) S. Rathinamalai,
206, Thomas Street,
Coimbatore.

(Transferor)

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

THE SCHEDULE

Land and building at 335, 336, Raja Street, Coimbatore, (Document No. 5879/80).

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 10-7-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS
Madras-600006, the 10th July, 1981

Ref. No. 15821.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9, situated at Kasturi Ranga Iyengar Road, Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 2243/80) on November, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) A. Habeebur Rahman,
Mrs. T. Ummahani Begum
51, Santhapet,
Gudiyatham, N.A. Dt.

(Transferor)

(2) Suresh Kumar Sanghi
Naresh Kumar Sanghi
Harish Kumar Sanghi,
33A, North Boag Road,
Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 9, Kasturi Ranga Iyengar Road, Madras-18.
(Doc. 2243/80).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras

Date : 10-7-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras-600006, the 13th July, 1981

Ref. No. 11200.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 170, situated at Sanganur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. 4325/80) on November, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Kaliswamy Gounder,
K. Kaliappan,
K. Kandaswamy,
Ganapathi,
Maniakarampalayam
Ponnuswamy,
Chinnavedampatti,
Udayamapalayam.

(Transferor)

(2) A. Liyakath Ali,
A. Muktar,
23/135, N. H. Road,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 170, Sanganur 60 Cents.
(Doc. 4325/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras

Date : 13-7-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-JI, MADRAS**

Madras-600006, the 13th July, 1981

Ref. No. 11222.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 316/1, 317/1, situated at Somavarapatti, Udumalpet (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udumalpet (Document No. 3258/80) on November, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Purushothama Naidu,
Kiranam Padupalayam,
Kiranam,
Coimbatore.

(Transferor)

(2) R. Balasubramaniam,
172/A2, Dhali Road,
Udumalpet.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and / or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 316/1, 317/1, Somavarapatti, Udumalpet (Document No. 3258/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 13-7-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

{Madras, 600006 the 13th July 1981}

Ref. No. 11222.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing .

No. S. No. 317/1 and 315, Somavarapatti, situated at Somavarapatti

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Udumalpet (Document No. 3257/80) on November, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) L. Purushothama Naidu,
Kiranam Pudupalayam,
Kiranam,
Coimbatore.

(Transferor)

(2) G. Venkatraman,
172/A1, Dhali Road,
Udumalpet.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 315 and 317/1, Somavarapatti, Udumalpet (Document No. 3257/80).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras,

Date : 13-7-1981
Seal ..

FORM ITNS

(1) L. Purushotham Naidu,
Kiranam Pudupalayam,
Kiranam, Coimbatore.

(Transferor)

(2) R. Guruswamy,
172/A2, Dhali Road,
Udumalpet.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 13th July 1981

Ref. No. 11222.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 315, Somavarapatti, situated at Udumalpet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Udumalpet (Document No. 3256/80) on November, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 315, Somavarapatti, Udumalpet.
(Document No. 3256/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 13-7-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—I86G1/81

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 13th July 1981

Ref. No. 11222.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 313, Somavarapatti, situated at Udumalpet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udumalpet (Document 3255/80) on November, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Doraiswamy Naidu,
Kiranam Pudupalayam,
Kiranam Coimbatore.

(Transferor)

(2) R. Guruswamy,
172/A2, Dhali Road,
Udumalpet.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 313, Somavarapatti, Udumalpet.
(Document No. 3255/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 13-7-1981

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) L. Doraiswamy Naidu,
Kiranam Pudumapalayam,
Kiranam, Coimbatore.

(Transferor)

(2) G. Venkataraman,
172/A1, Dhali Road,
Udumalpet.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras, the 13th July 1981

Ref. No. 11222.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 313, 314, situated at Samavarapatti Udumalpet (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udumalpet (Document No. 3254/80) on November, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by say of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 313, 314, Somavarapatti, Udumalpet.
(Document No. 3254/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 13-7-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, 13th July 1981

Ref. No. 11222.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 195, 196/2A, 192/23, situated at Vadugampalayam Udumalpet

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Udumalpet (Document No. 3253/80) on November, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) L. Narayanaswamy Naidu,
Kiranam Pudupalayam,
Kiranam Coimbatore.

(Transferor)

(2) R. Balasubramanian
S/o G. Rudrappa Naidu,
172/A2, Dhali Road,
Udumalpet.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 195, 196/2A, 192/23, Vadugampalayam. (Document No. 3253/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 13-7-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras, the 13th July, 1981

Ref. No. 11200.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 170, situated at Sangamur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Document No. 4322/80) on November, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Kaliappa Gounder,
K. Kaliappan,
K. Kandaswamy,
Ganapathi,
Maniakarampalayam
A. Ponnuswamy,
Chinnavadampatti,
Udayampalayam,
Coimbatore:

(Transferor)

(2) M. Dhanalakshmi,
M. Shenbakavalli,
296, Oppanakara Street,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 170, 42 cents, Sangamur.
(Document No. 4322/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 13-7-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras, the 13th July 1981

Ref. No. 11200.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 170, Sanganur situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Gandhipuram (Document No. 4323/80) on November, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Kaliswamy Gounder,
K. Kalappan,
Ganapathi,
Maniyakarampalayam
A. Ponnuswamy,
Chinnavadampatti,
Udayampalayam.

(Transferor)

(2) Govindammal,
M. Dhanapal,
296, Oppanakara Street,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 170, Sanganur, 42 cents.
(Document No. 4223/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 13-7-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

(1) KaliSwamy Gounder,
 K. Kaliappan,
 K. Kandaswamy
 Ganapathy,
 Maniakarampalayam,
 A. Ponnuswamy,
 Chinnaledampatti,
 Udayampalayam, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Nachammal and N. Saraswathi,
 2, B. R. V. Layout,
 Ondipudur,
 Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 170, Sanganur, 50 cents.
 (Document No. 4324/80).

RADHA BALAKRISHNAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-7-1981
 Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, LUDHIANA
ACQUISITION RANGE, BANGALORE**

Bangalore 560001, the 20th June, 1981

C. R. No. 62/28961/80-81/Acq./B.—Whereas, I, R.

THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Site No. 43 situated at Rajmahal Vilas Extn., Bangalore-6. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Gandhinagar, Bangalore under Document No. 3446/80-81

on 29-11-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Mrs. Saroj Goenka,
Express Estates,
Mount Road,
Madras 600002.

(Transferor)

(2) Mrs. Uma Agarwal,
11/3, Nandidurg Road,
Bangalore-46.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3446/80-81 dated 29-11-1980)
All that vacant site No. 43 situated at Rajmahal Vilas Extn., Bangalore-6.

Bounded by

On North—By site No. 42

On South—By site No. 44.

On East—By road.

On West—By private property.

R. THOTHATHRI
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 20th June, 1981

C. R. No. 62/28962/80-81/Acq./B.—Whereas, I, R. THOTTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. site No. 36 situated at Rajmahal Vilas Extension Bangalore-560006

(and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar Bangalore under Document No. 3445/80-81 on 29-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—186G1/81

(1) Mrs. Saroj Goenka,
Express Estate,
Mount Road,
Madras-600002

(Transferee)

(2) Master Vivekkumar Agarwal,
s/o Mr. S. N. Agarwal (Guardian)
11/3, Nandidurga Road,
Bangalore-560046.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3445, dated 29-11-1980).
All that vacant site bearing No. 36, situated at Rajmahal Vilas Extension, Bangalore-560006.

Bounded by :

On North : Site No. 37
On South : Site No. 35
On East : Site No. 23
On West : By road.

R. THOTTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-6-1981

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Saroj Goenka
Express Estate,
Mount Road,
Madras-600002

(Transferor)

(2) Karnataka Trading Corporation Ltd.
75/C, Park Street,
Calcutta-700016
represented by Sri Sumerchand Mehta,
P.A. Holder.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 20th June 1981

C. R. No. 62/28963/80-81/Acq./B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Site No. 130 situated at Rajmahal Vilas Extension, Bangalore-560006

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar Bangalore under Document No. 3444/80-81 on 29-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3444/80-81 dated 29-11-1980)
All that site bearing No. 130, situated at Rajmahal Vilas Extension, Bangalore-560006.

Bounded by :

On North : By road.
On South : By site No. 131
On East : By road.
On West : By site No. 139.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Dato : 20-6-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Saroj Goenka
Express Estates,
Mount Road,
Madras-600002

(Transferor)

(2) M/s. Bhoruka Investments (P) Ltd.,
P. 4, New C. I. T. Road,
Calcutta-700073,
represented by P. A. Holder,
Mr. Sumer Chand Mehta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE*

Bangalore-560001, the 20th June, 1981

C. R. No. 62/28964/80-81/Acq./B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Site No. 42 situated at Rajamahal Vilas Extension, Bangalore-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, under Document No. 3443/80-81 on 29-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3443/80-81 dated 29-11-1980). All that vacant site bearing No. 42, situated at Rajamahal Vilas Extension, Bangalore-6.

Bounded by :

On North : By site No. 41
On South : By site No. 43
On East : : By road.
On West : By private property.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-6-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 20th June, 1981

C. R. No. 62/28964/80-81/Acq./B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Site No. 129 situated at Rajamahal Vilas Extension, Bangalore-6.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore under Document No. 3442/80-81 on 29-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mrs. Saroj Goenka,
Express Estates,
Mount Road,
Madras-600002

(2) M/s. Bhoruka Properties (P) Ltd.,
P. 4, New C.I.T. Road,
Calcutta-700073

Represented by Sri Sumarchand Mehta,
P. A. holder.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3442/80-81 dated 29-11-1980). All that vacant site bearing No. 129, situated at Rajamahal Vilas Extension, Bangalore-6.

Bounded by :

On North : By Road
On South : By Site No. 128.
On East : Site No. 130.
On West : By road.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 24th June, 1981

C. R. No. 62/28758/80-81/Acq./B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 33, situated at Grant Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore under Document No. 2864/80-81 on 5-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimati Diana Mirza,
No. 33, Grant Road,
Bangalore.

(Transferor)

(2) 1. Jamshed Khurshed Setna,
2. Smt. Fareeda Jamshed Setna,
No. 12, Spencer Road,
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2864/80-81 dated 5-11-1981)

Land with dwelling house, out buildings and constructions bearing No. 33, situated at Grant Road, Bangalore.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-6-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 20th June, 1981

C. R. No. 62/28932/80-81/Acq./B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8, situated at Appajappa Agrahara, Chamarajpet, Bangalore

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore under Document No. 3728/80-81 on 21-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Mandayam Annadhoray Srinivas Iyengar Yadugiramma Trust, Rep. by its Five Trustees.
2. Sri M. A. Srikrishna, No. 140/A, 13th Main Road, 3rd Block East, Jayanagar, Bangalore-11.
3. Sri M. A. Sri Rama, No. 197, 38th Cross Road, 5th Block, Jayanagar, Bangalore-41.
4. Sri M. K. Tirunarayana Iyengar, No. 18, East Link Road, 'A' Street, 3rd Cross, Malleswaram, Bangalore-3.
5. Smt. M. A. Chingamani, No. 140/A, 13th Main Road, 3rd Block East, Jayanagar, Bangalore-11.
6. Sri M. A. Sri Rama, residing at V. R. Hiremath Building, Nehru Nagar, Byadgi, Dharwad District.

(Transferors)

- (2) 1. Sri R. Venugopal
2. Sri R. Ananthakrishna,
Both residing at No. 4, J. C. Road,
Bangalore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3728/80-81 dated 21-11-1980).

Portion of premises No. 8, situated at Annajappa Agrahara, Chamarajpet Division No. 27, Bangalore. The site area measuring 220.47 sq. mtrs. with 95.80 sq. mtrs. building thereon.

Bounded on :

North	: By premises No. 7, Appajappa's Agrahara
South	: By remaining portion of Premises No. 8 and 9.
East	: By partly by conservancy and partly by portion of Premises No. 8 and 9.
West	: By Appajappa's Agrahara Road.

R. THOTHATHRI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-6-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-1, the 20th June, 1981

C. R. No. 62/29557/80-81/Acq./B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S. No. 146 & T. S. No. 26/1, situated at Attawar Village, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore under Document No. 1043/80-81 on 3-12-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Patricia Saldanha,
Light House Hill,
Mangalore-575001.

(Transferor)

- (2) 1. Mr. Noel F. C. Pinto
S/o William Pinto
- 2. Miss Merlyn Rose Veronica Pinto
D/o William Pinto
Both residing at May Villa,
Lower Bendore, Mangalore.
- 3. Mrs. S. Nagalaxmi Ammal,
No. 34, Osbon Road,
Bangalore.
- 4. Mr. M. Appu Kutty,
No. 257, Ananda Nilaya,
I Stage, Indranagar, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

(Registered Document No. 1043/80-81 dated 3-12-1980).

All that property bearing R. S. No. 146, and T. S. No. 26-1 & Door No. 14-2-149 situated at Attawar Village, Mangalore City.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-6-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 23rd May, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq./Bhopal/81.—Whereas I, K. K. ROY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Thripuri Ward, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 6-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Vijayakumar Jain
S/o Chowdhary Babulal Jain,
- 2. Shri Chowdhary Machendrakumar Jain
S/o Darbarilal Jain,
631, Gol Bazar, Jabalpur.

(Transferor)

- (2) Shri Nathulal Choksey,
S/o Imrathlal Chouksey,
R/o Village-Rapura, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12 & 13 Improvement Trust Scheme No. 2, Area—2000 Sq. ft. situated at Ward Thripuri, Jabalpur.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 23-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Maharaj Yeshwant Rao
Sadashiv Rao Pawar,
Dewas.

(Transferor)

(2) Dewas Builders
Dewas.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 23rd May, 1981

Ref. No. I.A.C./ACQ./Bhopal/81—Whereas I, K. K.
ROY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open land situated in Dewas
and more fully described in the Schedule annexed hereto
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Dewas on 16-9-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Back Portion of old Rajwada of Dewas area 21605.16 sq. ft.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
25—186GI/81

Date : 23-5-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal the 23rd May, 1981

Ref. No. I.A.C./A.C.Q./Bhopal/81—Whereas I, K. K. ROY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. 89 situated at Ujjain (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ujjain on 20-9-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(1) Shri Raj Kumar s/o Rekab Das, Madhav Nagar, Ujjain.

(Transferor)

(2) Smt. Krishna Devi w/o Shri Krishna Mangal Singh, Kulshetra, 3, Mansi Road, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of House No. 89 with open land situated at University Road, Ujjain.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant, Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 23-5-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 23rd May, 1981

Ref. No. I.A.C./A.C.O./Bhopal/81—Whereas I, K. K. ROY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Bednawar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bednawar on 6-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Savar Ali s/o Mohd. Ali,
Bednawar.

(Transferor)

(2) Shri G. Cotton Clning Factory,
Bednawar, through
Shri Kailash Chandra Garg,
Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land with well area 2.403 Hectares Survey No. 2129
Bednawar.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 23-5-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL
Bhopal, the 23rd May 1981

Ref. No. I.A.C./A.CQ./Bhopal/81—Whereas I, K. K. ROY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dialipedated H. No. 4 situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 16 September, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Hari Kishan s/o Babu Ram Mahajan, R/o 17, Murali Mohalla, Indore.

(2) Shri Ram Vilas s/o Mangi Lal Khandelwal, R/o 22, Painter Rao, Plot No. 2, Bombay-7.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House No. 1, Street No. 4, land area 2045 sq. ft. situated at Choti Gwal Toll, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-5-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL
Bhopal, the 23rd May, 1981

Ref. No. I.A.C./ACQ/Bhopal /81—Whereas I, K. K. ROY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1 situated at Nazar Bag, Ratlam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 18-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Karuna Devi alias Smt. Puspa Devi w/o Champalal Trivedi, Ajmer.

(Transferor)

(2) Dr. Kum. Gopalan, w/o E. Gopalan, Shastri Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 1, area 5407.5 sq. ft. situated at Nazar Bag, Ratlam.

K. K. ROY.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date - : 23-5-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 23rd May, 1981

Ref. No. I.A.C./ACQ/Bhop/81—Wheras I, K. K. ROY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. Plot No. 1 situated at Nazar Bag, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 18-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Karuna alias
Smt. Pushpa Devi
w/o Ambal Trivedi,
R/o Amritsar.

(2) Dr. Kumari Gopalan
D/o E. Gopalan,
R/o Shastri Nagar,
Ratlam.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 1, area 5407.5 sq. ft., Nazar Bag, Ratlam.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 23-5-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL**
Bhopal the 23rd May, 1981

Ref. No. I.A.C./ACQ/Bhopal/81—Whereas I, K. K. ROY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kh. No. 187/3, situated at 8, Burhanpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Burhanpur on 12-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Hari Singh s/o Man Singh
2. Saro Bai
3. Toti Bai w/o Mau Singh Nath Banjara, R/o Hasinabad, Rajora, Burhanpur.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Shanti Lal s/o Navindas
2. Smt. Sobha Bai w/o Shanti Lal (Dalal) R/o Shah Nagar, Burhanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 189/3, situated at Gram : Nani-kheda, Burhanpur area 9.49 acre.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Bhopal
Date : 23-5-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Narinder Prasad,
S/o Moti Lal Gupta,
29, Mali Pura,
Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Sushila
w/o Shri Teerath Das,
29/8, Murari Mohalla,
Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 25th May, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq./Bhopal/81.—Whereas I, K. K. ROY being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 822 situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 11-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 822, area 4000 sq. ft. Khati Wala Tank, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-5-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, BHOPAL
 Bhopal, the 23rd May, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq./Bhopal/81.—Whereas I, K. K. ROY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 107, 108-A and 108-B, land situated at Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 9-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Kantilal
2. Manishanker
s/o Durga Shanker
3. Rewa Shanker
s/o Champalal
4. Basanti Bai
w/o Rewa Shanker
5. Kallash Chand
s/o Rewa Shanker

6. Shri Jeethmal,
s/o Narainji
Shri Mali Vas, Ratlam
7. Sukhanand
S/o Khubaji Ke Kareen,
Shri Mali Vas,
Ratlam.
8. Suresh Chand
S/o Anandlalji Ratlam.

(Transferors)

- (2) 1. Shri Nizar Hussain,
S/o Ahmed Ali
2. Laxminarayan
s/o Gajadhar Sharma,
3. Govind Kumar
4. Kum. Kamlesh
D/o Jagdish Sharma
5. Smt. Uma
W/o Vishambhar Nath Sharma
6. Smt. Rekha
W/o Dr. Ashok
7. Smt. Saraswati Devi
8. Gulam Hussain
9. Seda Hussain
10. Imdad Hussain
11. Devendra Singh
12. Nazar Hussain
13. Nakumuddin,
Ratlam

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land No. 107, 108-A, 108-B—total area .620 Hectors, situated at Kasba, Ratlam.

K. K. ROY
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Bhopal

Date : 23-5-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 25th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./Bhopal/81.—Whereas I, K. K. ROY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Juna Rajawada situated at Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 16-9-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sital Chandra Bonal-Nalwaya,
P. O. Varsha Construction Co.,
Indore.

(Transferor)

(2) 1. Samratmal
S/o Soubhagyamal,
81, Rajwall Marg,
Dewas.
2. Shri Mohanlal Dhavardas,
Dewas.
3. Janardhan Swami
S/o Munnilal Swami,
Anandpura, Dewas.
4. Smt. Sheromani Bai
W/o Samratmal Jain,
81, Rajwall Marg,
Dewas

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Juna Rajwada, Dewas (Part).

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 25-5-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 25th May 1981

Ref. No. I.A.C./Acq./Bhopal/81.—Whereas I, K. K. ROY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 20, situated at Udyog Nagar, Musakhedi Devguradia Road, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 11-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Keshar Singh
S/o Hira Singh
R/o Kanadia,
Teh. & District Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Vishnubai
W/o Balkishan,
R/o Murali Mohalla,
Indore

(Transferee)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 49-B, Industrial State, Musa Khedi, Dev Guradiya Road, Indore—area 14000/- Sq. ft.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 25-5-1981

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Keshar Singh
S/o Shri Heera Singh
R/o Kanadia District Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Basantaben
W/o Shri Khemjibhai
R/o 50, Patel Colony,
Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 25th May 1981

Ref. No. I.A.C./Acq./BPL/81.—Whereas I, K. K. ROY being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 47-B situated at Udyog Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 11-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 20 situated at Udyog Nagar, Musakheri, Deoguradia Road, Indore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 25-5-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 22nd May 1981

Ref. No. I.A.C./Bhopal/Acq./81.—Whereas I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. 22/937 situated at Near Kherapabi Colony, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gwalior on 22-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Ashok Sardana
W/o Triloknath Sardana
R/o D-103, East of Kailash,
New Delhi-24.
2. Smt. Roma Singh
W/o Yadunandan Singh
R/o Bodi Nagar,
Mahul Chember,
Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar Gureja
S/o Shri Mohanlal Gureja
R/o 17, Ratan Colony,
Jiwajiganj,
Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house bearing No. 22/937 situated near Kherapabi Colony, Gwalior.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal
Date : 22-5-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 22nd May 1981

Ref. No. I.A.C./Acq./Bhopal/81.—Whereas I, K. K. ROY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot Kh. No. 48/1 & 41 situated Mouza Mahanadda (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mahanadda on 8-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Dindayal
S/o Shri Pandit Vishnudayal Bhargawa
2. Shri Dhruv Kumar
S/o Shri Pandit Vishnudayal Bhargawa
R/o 115, Lord Ganj,
Jabalpur.

(Transferor)

- (2) M/s. Narabada Timber,
Mahanadda,
Nagpur Road
Through partner Shri Beni Prasad
S/o Pandit Chedilal Awasthi
R/o Nagpur Road,
Jabalpur:

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Kh. No. 48/1 & 41 situated at Mauza, Mahanadda, Jabalpur.

K. K. ROY

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 22-5-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Anil Kumar Jain
S/o Shri Babulal Jain
R/o Gandhi Bazar,
Begum Ganj,
Raisen.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Dropati Talreja
W/o Sri Dasarath Kumar
2. Smt. Padma
W/o Shri Vasudeo Talreja
3. Smt. Sakuntala
W/o Shri Murarillal Talreja
R/o 109 D Sector Jamalpura,
Bhopal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 22nd May 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./Bhopal/81.—Whereas I, K. K. ROY being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One Plot situated at Hamida Road, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 25-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One Plot situated at Hamida Road, Bhopal.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 22-5-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 28th May 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./Bhopal/80.—Whereas, I, K. K. ROY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 80 and 81 situated at Kailash Park Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Indore on 10-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Farm
S/o Shri Minocher P. Bhamgare
R/o Bombay Through his attorney
Mr. Behram
S/o Shri Farm, Indore.

(Transferor)

(2) 1. Shri Sanjay Gupta
2. Shri Vijay Gupta
3. Asnich
S/o Shri Madanlal Gupta
Through Guardian
Smt. Savitribai Gupta
R/o Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 80 and 81 situated at Kailashpark, Colony, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 28-5-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 28th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./Bhopal/80.—Whereas I, K. K. ROY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 15, situated at Street No. 1, South Tukoganj, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 22-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Smt. Raja Rani
W/o Shri Sushil Kumar Anand
2. Shri Sushil Kumar
S/o Shri Sewakram Anand
3. Shri Sunil,
Amita,
Rohit
as/o Shri Sushil Kumar Anand
R/o New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Badrinarayan
S/o Shri Kishanlalji Mangal
R/o House No. 274/1,
Reshmaiwalan Len,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House No. 15 situated at Street No. 1, South Tukoganj, Indore.

K. K. ROY.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 28-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (4) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
27—186GI/81

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 28th May 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./Bhopal/80.—Whereas I, K. K. ROY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing

No. Plot situated at Neemwali Sarak, Jahangirabad, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 12-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Sardar Hari Singh
S/o Sardar Kripal Singh
R/o Punjabi Bag Raisen Road,
Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Sayyad Mahfooz Ali
S/o Sayyad Yakub Ali
R/o Jahangirabad,
Bhopal.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One Plot situated at Neemwali Sarak, Jahangirabad, Bhopal measuring 5040 sq. ft.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 22-5-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 28th May 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./Bhopal/80.—Whereas I, KRISHNA KANT ROY

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Double Storied House situated at Sadar Bazar, Sendhwa, Khargone

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sendhwa on 12-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Parichad
S/o Shri Kanhaiyalal M
Sendhwa,
District Khar o *

(Transferor)

(2) 1. Shri Jagdishchand
2. Satyanarain,
Sendhwa,
District. Khargone.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Double storeyed house at Sadar Bazar, Sendhwa, District Khargone.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 28-5-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 28th May 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./Bhopal/80.—Whereas I, KRISHNA KANT ROY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land & Building situated at Juna Rajnanda, Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 18-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(1) Shri Mahareja Yeshwant Rao Panwar
C/o Maharaja Sadashiv Rao Panwar of Dewas
Junior, Dewas.

(Transferor)

(2) M/s. Varsha Construction Co.,
Jaora Compound,
Indore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of land and building of the property known as Juna Rajbada, Dewas.

KRISHNA KANT ROY
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 28-5-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE, BHOPAL
 Bhopal, the 22nd May 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./Bhopal/80.—Whereas I, KRISHNA KANT ROY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House on Plot No. 77 situated at Vivekanand Colony, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 22-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Smt. Shashi
 W/o Shri Ashok Sibal
 for self and Natural Guardian for
 Ku. Nauga Sibal,
 2. Niraj Sibal,
 77, Swami Vivekanand Colony,
 Kanadia Road,
 Indore.

(Transferor)

(2) Shri Rakesh Sathi,
 1, Mohatta Nagar,
 Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot admeasuring 4000 Sq. ft. and house constructed thereon situated at 77, Vivekanand Colony, Kanadia Road, Indore.

KRISHNA KANT ROY,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-5-1981
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 28th May 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./Bhopal/80.—Whereas I, KRISHNA KANT ROY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 3, situated at 25 Yeshwant Niwas Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 15-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Mittalal Motilal Chand,
42, Patrakar Colony,
Indore.

(Transferor)

(2) Shiv Shakthi Nagar Griha Nirman Sahakari Samithi,
Indore,
24/51, Laxmi Bai Nagar,
Fort, Indore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 3, situated at Yesh Want Niwas Road, Indore.

KRISHNA KANT ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-5-1981
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 22nd May 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./Bhopal/—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land Kh. No. 188 situated at Village Sotada, Harda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Harda on 17-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (i) Shri Ved Prakash
S/o Vidyanand Mishra,
- (ii) Mahesh Dutt Mishra
S/o Shri Chandra Gopal Mishra
- (iii) Shri Mahendra Kumar
S/o Shri Chandra Gopal Mishra,
R/o Harda,
District Hoshangabad.

(Transferor)

- (2) Shri Premnaryan
S/o Chunnilal Gujar,
R/o Village Dolaria,
Temagaon,
Teh. Harda,
District Hoshangabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 8 Acres, Kh. No. 188, situated at Village Sotada.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 22-5-1981

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 22nd May 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./Bhopal/—Whereas I, KRISHNA KANT ROY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land, Kh. No. 188 situated at Village Sotada, Harda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Harda on 17-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) (i) Shri Ved Prakash
S/o Vidyanand Mishra,
- (ii) Shri Mahesh Dutt Mishra
S/o Shri Chandra Gopal Mishra,
- (iii) Shri Mahendra Kumar
S/o Shri Chandra Gopal Mishra,
R/o Harda,
District Hoshangabad.

(Transferor)

- (2) Shri Bhagwandas
S/o Chunnilal Gujar
R/o Village Dolaria,
Temagaon,
Harda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

DEFINITION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land measuring 8.00 Acres, Kh. No. 188, situated at Village Sotada, Harda.

KRISHNA KANT ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 22-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 22nd May 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./Bhopal/80.—Whereas I, KRISHNA KANT ROY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land, Kh. No. 188 situated at Village Sitada, Harda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Harda on 17-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

28—186GT/81

(1) (i) Shri Ved Prakash
S/o Shri Vidyanand Mishra,
(ii) Mahesh Dutt Mishra,
S/o Shri Chandra Gopal Mishra,
(iii) Shri Mahendra Kumar,
S/o Shri Chandra Gopal Mishra,
R/o Harda,
District Hoshangabad.

(Transferor)

(2) (i) Shri Anokhilal
S/o Shivakaran and
(ii) Smt. Shanta Bai
W/o Shri Anokhilalji Pare,
Village Soteda,
P. O. Somardha, Harda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 188, admeasuring 14 Acres situated at Village Soteda, P. O. Somardha, Harda.

KRISHNA KANT ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 22-5-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 22nd May 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./Bhopal/80.—Whereas I, KRISHNA KANT ROY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land, Kh. No. 188 situated at Village Sotada, Harda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Harda on 17-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fairmarket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) (i) Shri Ved Prakash
S/o Shri Vidyinand Mishra,
(ii) Shri Mahesh Dutt Mishra,
S/o Shri Chandra Gopal Mishra,
(iii) Shri Mahesh Kumar,
S/o Shri Chandra Gopal Mishra,
R/o Harda,
District Hoshangabad.

(Transferor)

(2) (i) Shri Kamal Kishore
(ii) Shri Brij Kishore
Both Minors
S/o Shri Radhey Shyam,
through Guardian Smt. Sumitra Bai,
W/o Shri Radhey Shyam,
Caste : Gujar,
R/o Dolaria,
Harda, District Hoshangabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 188, measuring 7.54 Acres, situated at Village Sotada, Harda.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

KRISHNA KANT ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.
Date : 22-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 23rd May 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./Bhopal/81.—Whereas I, K. K. ROY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land (Part) situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on 12-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Dr. Amjad Ali
2. Shahjadali
3. Dr. Irshadali
4. Dr. Abidali,
5. Mr. Khalid Ali
6. Mr. Mumtaz Ali
7. Dr. Naushad Ali
All s/o Dr. Asgar Ali,
R/o 13, Bajaria Main Road,
Indore.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Kamal
S/o Mansaram Navlani,
R/o 8, Roopram Nagar, Indore
2. Shri Balraj
S/o Shri Dayaram Navlani,
R/o 14, Syndicate Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 0.40 acre part of Kh. No. 168, 169, 170 & 168/458, situated at Gram Pipaliya Rao, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 23-5-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Dr. Amjad Ali,
 2. Mr. Shahjadali,
 3. Irshadali,
 4. Dr. Abidali,
 5. Mr. Khaladali,
 6. Mumtaz Ali and
 7. Dr. Naushidali
 All S/o Dr. Asgar Ali,
 13, Bajariya Main Road,
 Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Bai
 W/o Darshanlal,
 11, Bairathi Colony,
 Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 23th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./Bhopal/81.—Whereas I, K. K. ROY being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land (Part) situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 12-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land area 0.22 acres part of Kh. No. 168, 169, 170 and 168/458, situated at Gram Pipaliya Rao, Indore.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

K. K. ROY
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bhopal.

Date : 23-5-1981
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 23th May, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq./Bhopal/81.—Whereas I, K. K. ROY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land (Part) situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 12-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Dr. Amjad Ali,
2. Shahjad Ali,
3. Dr. Irshad Ali,
4. Dr. Abid Ali,
5. Khalid Ali,
6. Mumtaz Ali and
7. Dr. Naushad Ali,
All S/o Dr. Asgar Ali,
R/o 13, Bajariya Main Road,
Indore.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Sheela Devi
W/o Shri Krishan Mathlani,
R/o 38, Improvement Trust Colony,
Indore
- 2. Shri Girish
S/o Shrikishan Mathlani,
48, Jawahar Marg,
Indore.
- 3. Kum. Kamla
D/o Shri Shrikishan Mathlani,
R/o 38, Improvement Trust Colony,
Indore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 0.71 acre part of Kh. No. 168, 169, 170 and 168/458 situated at Village Pipaliya Rao, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 23-5-1981

Seal :

FORM ITN3

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 23rd May, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq./Bhopal/81.—Whereas I, K. K. ROY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land (Part) situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Indore on 12-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Dr. Amjad Ali,
2. Shahjad Ali,
3. Irshad Ali,
4. Abid Ali,
5. Khalid Ali,
6. Mumtaz Ali and
7. Dr. Naushad Ali
S/o Dr. Asgar Ali
R/o 13, Bajariya Main Road,
Indore.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Sajathibai
W/o Sunajmal,
30, Siyaganj, Indore.
2. Shri Rajkumar
S/o Shri Surajmal,
R/o Nai Awadi,
Mandsaur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 0.76 acres part of Kh. No. 168, 169, 170 and 168/458, at Village Pipliya Rao, Indore.

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.
Date : 23-5-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL
Bhopal, the 23rd May, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq./Bhopal/81.—Whereas I, K. K. ROY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land (Part) situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 12-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Dr. Amjad Ali,
2. Shahjad Ali,
3. Irshad Ali,
4. Dr. Abid Ali,
5. Mr. Khalid Ali,
6. Mumtaz Ali and
7. Naushad Ali
Sons of Dr. Asgar Ali,
13, Bajariya Main Road,
Indore.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Dwaribai
W/o Gurdinomal
4, Bargal Colony, Indore.
2. Smt. Laxmibai
W/o Jhamandas,
95, Gopalbag Colony, Indore.
5. Rameshchand
S/o Jhamandas,
95, Gopalbag Colony,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 0.45 acres part of Kh. No. 168, 169, 170 and 168/458, situated at Village Pipaliya Rao, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 23-5-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 23rd May 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./BPL/81.—Whereas I, K. K. ROY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land (Part) situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 12-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Dr. Amjad Ali
2. Shahjad Ali
3. Irshad Ali
4. Khalid Ali
5. Mumtaz Ali
6. Naushad Ali
All ss/o Asgar Ali,
R/o 15, Bajariya Main Road,
Indore.

- (2) M/s. Sona Kohinoor (India)
through partner Shri Krishin Mathlani,
R/o 57, Kabootar Khana,
Indore.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area .56 acres part of Kh. No. 168, 169, 170 and 168 458, situated at Village Pipaliya Rao, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal
Date : 23-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 23rd May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./Bhopal/81.—Whereas I, K. K. ROY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land (Part) situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 12-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Dr. Amjad Ali,
2. Shahjad Ali,
3. Dr. Irshad Ali,
4. Dr. Abid Ali,
5. Mr. Khalid Ali,
6. Mumtaz Ali and
7. Dr. Naushad Ali
All Sons of Dr. Asgar Ali,
13, Bajariya Main Road,
Indore.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Mohan Singh
S/o Hariram
2. Gopal Das
S/o Hariram
3. Ashok Kumar
S/o Hariram
4. Kum. Usha Kumar,
R/o 24, Palsikar Colony,
Indore.
5. Gurudas
S/o Khushaldas,
R/o 385, Sadhuvasavani Nagar,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 0.96 acres of Kh. No. 168, 169, 170 and 168/458, situated at Village Pipalya Rao, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 23-5-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Chandra Watt
w/o Shri K. L. Sharma
r/o A-3/188, Janakpuri
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gurdharan Singh Sethi
S/o Qudrat Singh Sethi
r/o B-71, Fateh Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/11-80/1739.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-15/27, situated at Vasant Vihar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. A-15/27 measuring 465 sq. yds. situated at Vasant Vihar, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15-7-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hari Krishan Oberoi
s/o Late Shri Harjinder Mal Oberoi
r/o & Lessee of Property No. H/323,
New Rajinder Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Surjit Singh
s/o Late Shri Gyan Chand Anand
r/o 3346, Ranjit Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/11-80/1734.—Whereas 1,
R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H-323, situated at New Rajinder Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. H/323, New Rajinder Nagar, New Delhi

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 15-7-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/11-80/1640.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 71, Amrit Nagar, situated at Kotla Mubarakpur, New Delhi-3

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Satya Sharma
w/o Shri K. N. Sharma
71, Amrit Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Roshan Lal Dhawan
s/o Shri Beli Ram and
Smt. Kamla Dhawan
w/o Shri R. L. Dhawan,
C-285, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single Unit one storeyed house bearing No. 71, Amrit Nagar (Kotla Mubarakpur), New Delhi measuring 360 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Delhi-I, New Delhi

Date : 15-7-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/11-80/1645.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. III-J/48, situated at Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Parkash Ajmani
w/o Late Shri Manohar Lal Ajmani,
r/o III-J/48, Lajpat Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri Gulshan Malik and
Gyan Batra
ss/o Shri Ram Rang Batra
r/o C-35, N.D.S.E. Part-I,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing No. III-J/48, measuring 300 sq. yds.
Lajpat Nagar, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 15-7-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/11-80/1752.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing,

No. 52/84, situated at New Rohtak Road, Karol Bagh, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) **Shri Bhim Sain Sethi**
s/o Shri Chaudhri Ram Sethi,
and others
r/o 61/25, New Rohtak Road,
(Ram Jas Road)
New Delhi.

(Transferor)

(2) **Shri Pran Nath Minocha**
s/o Shri Ram Parkash Minocha and others
r/o 11227, Gaushala Road,
Kishan Ganj,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

2½ storeyed building No. 52/84, Khasra No. 913/6, New Rohtak Road (Ramjas Road) Karol Bagh, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-7-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/SR-III/11-80/1753—Whereas I, R. B. L AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-65 situated at Greater Kailash-II, Market, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Dr. Kusum S. Chand & Shri Satish Chand both r/o No. 1 1, Babar Road, New Delhi.

(Transfer 9r)

(2) Mrs. Renu Singhal & Shri Sushil Kumar Singhal both r/o M-65, Greater Kailash-II, Market, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. M-65, Greater Kailash-II Market, New Delhi mg. 195 sq. yd.

R. B. L. AGGAREAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
30—186GI/81

Date : 15-7-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi the 15th July, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S.R.-III/11-80/1740—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-4, situated at Swatantra Co-operative Building Society Ltd. Kailash Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Bhishamber Dass s/o Damasco Dass r/o 2, Patel Road, Jullunder Cantt. Punjab.

(Transferor)

(2) Smt. Radha Rani w/o Shri Prem Nath Gupta r/o 40, Rajpur Road, Civil Lines, Delhi & others.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957) :—

'THE SCHEDULE'

Plot No. B-4, area 885.56 sq. yd. Swatantra Co-operative House Building Society Ltd., Kailash Colony, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
 Acquisition Range, New Delhi

Date : 15-7-1981
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Durga Charan Kala
(known as D. C. Kala)
s/o Pt. Govind Ram Kala
D-16, Gulmohar Park,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Aruna Nanda
d/o Dr. Mohan Lal Sur,
r/o J-295,
Saket Colony,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi the 15th July 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S.R.-III/11-80/1736—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. D-16, situated at Gulmohar Park, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at New Delhi on 1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Single Storeyed house No. D-16, Gulmohar Park, New
Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, New Delhi

Date : 15-7-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S.R.-III/11-80/1666—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. Agr. land situated at Village Satbari, Tehsil Mehrauli
 New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in November 1 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Simplicity Engineers Pvt. Ltd.,
 B-99, Mayapuri,
 Phase-I,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Satwant Kaur
 w/o Shri Arjan Singh
 & Others
 Satbari Village & Tehsil Mehrauli,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing K. No. 444, 445, 446, 447 & 421, Village Satbari, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
 Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 15-7-1981

Seal :

FORM ITNB**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 15th July, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S.R.-III/11-80/1626—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing No.
G-7, situated at Connaught Circus, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi in November, 1980
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

01 Smt. Manorma Devi,
A-31,
Naraina Vihar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Daljit Singh Pal,
J-295 Saket,
Malviya Nagar Extension, New Delhi &
Shri Yashpal Oberoi,
B-30, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. G-7, Connaught Circus, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Delhi-I, New Delhi

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-7-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Arun Mittal
s/o Shri V. B. Mittal
r/o A-3, Greater Kailash,
Enclave-I,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Singh Rai
s/o Shri Mool Singh,
r/o 30/1, Pant Nagar,
Jangpura, New Delhi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi-I, the 15th July 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S.R.-III/11-80/1742—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-219, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi in November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing Flat No. 6, portion of property No. M-219 measuring 70 sq. yds. (second floor), Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range Delhi-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15-7-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I NEW DELHI

New Delhi the 15th July 1981

Ref. No. I.A.C./Acq. -I/S.R.-III/11-80/1639—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. N-107, situated at Greater Kailash-I, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer
at New Delhi in November, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(1) Lt. Col. (Dr) S. D. Nayar (Retired)
son of late D. L. Nayar
r/o 274, Circular Road,
Bombay Bazar,
Meerut Cantt.,
as Karta HUF.

(Transferor)

(2) Smt. Lila Mittal
w/o Shri V. B. Mittal
Arun Mittal
s/o Shri V. B. Mittal of A-3,
Greater Kailash Enclave-I,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. N-107 measuring 300 sq. yds. Greater Kailash-I,
New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 15-7-1981
Seal

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S.R.-III/11-80/1720—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10741 Block No. 20 Block No. 12-A, situated at WEA, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mangal Dass
s/o Late Shri Mukand Lal
r/o 12-A/20,
Western Extension area,
Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sobhagya Estates Pvt. Ltd.,
through Promotor,
S. Sahinder Singh
r/o 12-A/12, WEA,
Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed building House No. 10741, built on a leasehold plot measuring 256 sq. yd. Plot No. 20, in Block No. 12-A, WEA, Karol Bagh, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 15-7-81
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Harnam Kaur
w/o late shri Kuldip Singh
as self and as attorney for her son
Gur Ramanjit Singh
r/o E/131, Kalkajee,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Amarjit Kaur w/o Sh. Gurmakh Singh Kukreja
r/o A/4, Chitranjan Park, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1981

Ref. No. J.A.C. /Acq.-I/S.R.III/11-80/1722—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E/131, situated at Kalkaji, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Nov., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. E/131, Kalkajee, New Delhi area 200 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 15-7-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

31—186GI/81

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 15th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/11-80/1629—Whereas I, R.B.L.
AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-63, situated at South Extension-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Nov., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Globe Management (P) Ltd.,
N-10, Connaught Circus,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Nalini Jain,
C-11/30,
Shahjahan Road,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 11nd floor of C-63, South Extension-II, New Delhi area 775 sq. ft.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 15-7-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 7th July 1981

Ref. No. R.A.C./No. 20/81-82/421/VSP—Whereas I, S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 184/1 & 189/2B situated at Cinnamushidivada 4-50 cents. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on Nov., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Avugadda Appanna,
s/o Late Patrudu,
Pulagalipulam Village,
Visakhapatnam Taluk.

(Transferor)

(2) The City Teachers Co-operative House
Building Society,
Visakhapatnam .

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Ac. 4-50 vide S. No. 184/1 & 189/3B at Chinna Mushidiwada Village , Visakhapatnam Taluk was registered with the SRO, Visakhapatnam during the month of November, 1980 vide document No. 7378.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-7-1981
Seal

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Smt. Bathula Gangamma,
W/o Late Butchayya,
Gajuwaka „
Visakhapatnam Dt.

(Transferor)

(2) Smt. Narayanasetty Vasantha Kumari,
W/o Kurali Krishna Gajuwaka,
Visakhapatnam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th July 1981

Ref. No. RAC. No.21/81-82/Kakinada Squad/J. No. 386/
VSP—Whereas I, S. GOBINDARAJAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Door No. 13-4-F situated at Gajuwaka
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Visakhapatnam on Nov., 1980

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been
or which ought to be disclosed by the transferee
for the purposes of the Indian Income-tax Act
1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth
tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Building Door No. 13-4-F-Gajuwaka-Asst. Nos. 668-690
with 117 Sq. yards, was registered with the SRO, Visakhapatnam during the month of November, 1980 vide document No. 7174/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 7-7-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 7th July 1981

Ref. No. R.A.C. No. 22/81-82/Kakinada Squad./J.No. 1223/GNT—Whereas I, S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 12-12-29 situated at Kothapeta Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 15 November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Kolla Chenchaiah,
S/o Rosaiah,
2. Sri Roy Chowdary,
S/o Chenchaiah and
3. Sri Giridhar,
S/o Chenchaiah,
Nehru Nagar,
Guntur.

(Transferor)

- (2) Dr. Garlapati Venkata Krishnarao,
S/o Satyanarayana,
Gunturivari,
Thota,
Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The property building Door No. 12-12-29 situated at Old Club Road, Kothapeta, Guntur was registered with the SRO, Guntur during the month of November, 1980 vide document No. 7163/80.

THE SCHEDULE

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 7-7-1981

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 7th July 1981

Ref. No. R.A.C./No. 23/81-82/Kakinadda Squad./J. No 1211/GTR—Whereas I, S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Vacant land situated at Koritipadu (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Guntur on Nov., 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. Smt. Atla Laxmamma,
s/o Venkata Reddy,
- 2. Shri Atla Bali Reddy,
s/o Venkata Reddy,
Reddy Bazaar,
Koritipadu,
Guntur.

- (2) Shri Katli Rami Reddy,
s/o Veera Reddy,
Koritipadu,
Guntur.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property Vacant Land at Koritipadu-Guntur bearing S.No. S. No. D. No. 128/1 Ac 1-76 cents—was registered with the SRO, Guntur during the month of November, 1980 vide document No. 7307/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 7-7-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Gajanan d
S/o Mahadeomal : Sindhi
Niwasi Jhalawar.

(Transferor)

(2) Shrimati Indra Devi
W/o Shri Nirmal Kumar Ji Saklecha
Niwasi Jhalarapatna.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th July, 1981

Ref. No. —Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Jhalarapatna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jhalarapatna on 18-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Residential house property situated at Tehsil Road, Jhalarapatna and more fully described in the sale deed registered by S. R., Jhalarapatna vide his registration No. 601 dated 18-11-80.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 16-7-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 16th July, 1981

Ref. No. —Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Jhalarapatan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jhalarapatan on 18-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Gajanand
S/o Shri Mahadeo Mal Sindhi,
Niwasi Jhalawar.

(2) Shrimati Pista Devi
W/o Dhiraj Kumar Saklecha,
Niwasi Jhalarapatan.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in this Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Residential house property situated at Tehsil Road, Jhalarapatan & more fully described in the sale deed registered by S. R., Jhalarapatan vide his No. 600 dated 18-11-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 16-7-1981
Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Ravi Shankar Verma
S/o Shri Bhagwati Shankar Verma,
11 Saheli Marg,
Udaipur (Rajasthan).

(Transferor)

(2) Shrimati Kanwarani Kamleshwari Kumari
W/o Shri Raj Singh Ji Rajput,
Thikana Chiklani
(Madhya Pradesh)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th July, 1981

Ref. No. 985.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 28/1036 situated at Ajmer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ajmer on 6-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property situated at No. 28/1036, Adarsh Nagar, Ajmer & more fully described in the sale deed registered by S. R., Ajmer vide his registration No. 4283 dated 6-11-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 15-7-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

32—186GT/81

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 16th July, 1981

Ref. No. —Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 6A situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 28-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Suraj Mal,
Shri Chand Mal,
Shri Vishnu Prasad
sons of Ganpat Lal Vijaivargiya,
Kota Jn.

(Transferor)

(2) Shri John Bux
S/o Fajal Masih Bux and
Smt. Rubi Bux
W/o John Bux,
Niwasi Kota Jn.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 6A Talwandi, Kota and more fully described in the sale deed registered by S. R., Kota vide his registration No. 1938 dated 28-11-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 16-7-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th July, 1981

Ref. No. — Whenceas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 61-B situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 24-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Moti Lal alias Moti Ram
S/o Rijhu Mal
Niwasi Gumanpura,
Kota.

(Transferor)

(2) Shrimati Pushpa Malik
W/o Shri Radhey Shyam Ji and
Ajai Malik
S/o Shri Puran Chand Ji,
Niwasi Shoping Centre,
Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated at Ballabhnagar, Kota bearing No. 61-B and more fully described in the sale deed registered by S. R., Kota vide registration No. 1999 dated 24-11-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 16-7-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 15th July, 1981

Ref. No. —Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 12-B situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 14-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Jai Singh
S/o Pukh Ji
G. P. A. holder
Keshar Ji,
Jodhpur.

(2) Shri Sonraj
S/o Mohanlal Oswal,
Paota,
Jodhpur.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12 at Paota, Polo, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Jodhpur vide registration No. 2369 dated 14-11-1980.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 15-7-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th July, 1981

Ref. No. —Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 12-A situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 14-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Jai Singh,
S/o Pukhraj Ji Kachhawa Mali
Niwas Paota Area,
Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Lalit Oswal,
S/o Dhingarmal Ji Oswal,
B-Road, Paota,
Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12-A at First Polo, Jodhpur & more fully described in the sale deed registered by S. R., Jodhpur vide registration No. 2368 dated 14-11-1980.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 15-7-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th July, 1981

Ref. No. —Whereas, I, M. L. CHAUHAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kota on 3-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shrimati Manju Lata,
D/o Dulli Chand Mansa Ram,
A-62, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Poonam Chand Jain,
S/o Govind Ram and
Madho Prasad,
S/o Kanhya Lal
Niwasi Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land situated at Bhimganj Mandi, Kota and more fully described in the sale deed registered by S. R., Kota vide his registration No. 64 dated 3-11-1980.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 15-7-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th July, 1981

Ref. No. —Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House Property situated at Kota (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 25-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Sunder Bai,
Sugandh Kumar,
Hemant,
Chandra Kumar
Niwasi Gandhi Chowk,
Purani Dhanmandi,
Kota.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Lal,
S/o Phool Chand
Jati Mahajan
Niwasi Dushahera Yojna,
Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor portion of House at Rampura Bazar Kotah and more fully described in the sale deed registered by S. R. Kota, vide his registration No. 2010, dated 25-11-1980.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 15-7-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th July, 1981

Ref. No. —Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One Shop situated at Kota
(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

at Kota on 25-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Sunder Bai,
Sugandh Kumar,
Hemant,
Chandra Kumar
Niwasi Gandhi Chowk,
Purani Dhanmandi,
Kota.

(Transferor)

(2) Shri Chandanmal
S/o Phool Chand Jati Mahajan,
Niwasi Dushehara Colony,
Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop at ground floor situated at main Rampura, Kota & more fully described in the sale deed registered by S. R., Kota vide his registration No. 2011 dated 26-11-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 15-7-1981

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Subhash Chand
S/o Shri Aishi Lal,
R/o Hissar.

(Transferor)

(2) Shri Pragat Singh
S/o Shri Bhog Singh,
C/o Sarwan Singh,
H. No. 97-E, Model Town,
Hissar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th July, 1981

Ref. No. Hissar/48/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 168-N, Model Town, Hissar situated at Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDEULE

Property being house No. 168-N, Model Town, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3333 dated 12-11-1980 with the Sub Registrar, Hissar.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 14-7-1981
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
33-186G1/81

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th July, 1981

Ref. No. Bahadurgarh/6/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Factory shed with land situated at Bahadurgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bahadurgarh in November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Bodh Raj
S/o Shri Narain Dass,
30/9 East Patel Nagar,
New Delhi.
2. Shri Kanwalnain Singh
S/o Shri Inder Singh
16/9 East Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Jai Kishan
S/o Shri Chhotey Lal
Aggarwal Colony,
Bahadurgarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being Factory Shed in Modern Industrial Estate, Bahadurgarh and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1384 dated 10-11-1980 with the Sub-Registrar, Bahadurgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 14-7-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 7th July, 1981

Ref. No. Jagadhari/130/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 937, situated at Ashoka Colony, Yamunanagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) (i) Shri Sham Lal
- (ii) Smt. Raj Bala
- (iii) Smt. Jhumki Devi
R/o Yamunanagar.

(Transferor)

- (2) (i) Smt. Prem Wati
W/o Shri Om Parkash,
- (ii) Shri Vinod Kumar
S/o Shri Om Parkash,
House No. 937 M. C.,
Ashoka Colony,
Rohtak,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being House No. 937 Ashoka Colony, Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6681 dated 18-3-1981 with the Sub Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-7-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 14th July, 1981

Ref. No. Ballabgarh/137/80-81.—Whereas I, G.S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Ving Service Industrial Plot No. 4, New Township, Faridabad situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Khajani Devi
W/o Mehar Chand
through Shri Prem Singh,
48 Bata Neelam Road,
Faridabad.

(Transferor)

(2) Shri Prith Chand Mittal
S/o Shri Ram Narain,
Thaker Dass Mittal
S/o Shri Ram Richhpal,
R/o Guda Now
Ving Service Industrial Plot No. 4,
New Township Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Ving Service Industrial Plot No. 4, area 150 sq. yards situated in New Township, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 8418 dated Nov. 1980 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 14-7-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 14th July 1981

Ref. No. Dabwali/21/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop comprising of two units situated at Dabwali (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dabwali in November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Sanjay Kumar
S/o Shri Om Parkash
S/o Shri Kesho Ram,
Old Sirki Bazar,
Near Dharamshala Sohan Lal
Bhatinda.

(Transferor)

(2) Smt. Raksha Devi
W/o Shri Harbans Lal
S/o Shri Ram Dhan Dass Sethi,
Dabwali

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being shop comprising of two units situated at Dabwali and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2486 dated 27-11-1980 with the Sub-Registrar, Dabwali.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 14-7-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th July 1981

Ref. No. Dabwali/20-80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop comprising of two unit situated at Dabwali (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dabwali in November, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Sanjay Kumar
S/o Shri Om Parkash
S/o Shri Kesho Ram,
Old Sirki Bazar,
Near Dharamshala, Seth Sohan Lal,
Bhatinda.

(Transferor)

(2) Smt. Neeru Sethi
W/o Shri Subhash Chander
S/o Shri Ramdhan Dass Sethi,
Dabwali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop comprising of two units situated at Dabwali and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2485 dated 27-11-1980 with the Sub Registrar, Sirsa.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 14-7-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th July 1981

Ref. No. Dabwali/1/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop comprising of two units situated at Dabwali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Dabwali in April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Sanjay Kumar
S/o Shri Om Parkash
S/o Shri Kesh Ram
Old Sirki Bazar,
Near Dharamshala Seth Sohan Lal,
Bhatinda.

(Transferor)

(2) Smt. Ritu Rani
W/o Shri Krishan Lal
S/o Shri Ram Dhan Sethi,
R/o Dabwali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE

Property being shop comprising of two units situated at Dabwali and as more mentioned in the sale deed registered at No. 15 dated 1-4-1981 with the Sub-Registrar, Dabwali.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incom-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 14-7-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 8th July, 1981

Ref. No. KTL/15/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. MCK 455/10, situated at Kaithal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kaithal in November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Amrit Singh,
Bhagwan Singh
ss/o Shri Gara Singh,
Prem Singh
S/o Natha Singh,
2. Smt. Bhagwan Devi
D/o Shri Natha Singh
R/o Kaithal

(Transferor)

- (2) Shri Rattan Lal
S/o Shri Ram Chander
Shri Dawarka Dass,
Kaithal
House No. MCK-455/10, Kaithal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house N9. MCK-455/10 situated at Kaithal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2912 dated 10-11-1980 with the Sub-Registrar, Kaithal.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 8-7-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 15th July, 1981

Ref. No. PT/35/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 275-L, Model Town, situated at Sonepat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Dharam Pal Nangia
S/o Shri Bhoja Ram,
275-L, Model Town,
Sonepat.

(Transferor)

(2) Smt. Saroj Jain
W/o Parmod Kumar,
R/o 275-L, Model Town,
Sonepat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and / or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Property being House No. 256-R, Model Town, Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2844 dated 10-11-1980 with the Sub Registrar, Sonepat.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 15-7-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
34—186GI/81

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 29th June, 1981

Ref. No. DLI/17/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Industrial plot with buildings, 13 mile-stone, Mathura Road, situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) (i) Smt. Meera Devi Vedhera and others
D-40, Defence Colony,
New Delhi.
Through Shri Tarun Vedhera
- (ii) Shri Tarun Vadhera
S/o Shri Inder Chand Vadhera,
- (iii) Shri Arun Vadhera and
Deepak Vadhera
ss/o Shri Inder Chand Vadhera
through Shri Tarun Vedhera,
all R/o D-40, Defence Colony,
Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Acorn Engineering Ltd.
15, Bara Khamba Road,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land & building situated at 13 Mile-stone, Mathura Road, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 12-11-1980 with the Sub-Registrar Delhi.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 29-6-1981
Seal :

FORM LT.N.S.—
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 8th July 1981

Ref. No. Rohtak/43/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 407/Ward No. 25, situated at Model Town, Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak in November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Harbans Lal
S/o Shri Bhagmal Dua,
Gali Jat Gazitta,
Railway Road,
Rohtak.

(Transferor)

(2) Shri Sat Pal Vig
S/o Shri Faqir Chand Vig,
H. No. 101, B. C. Bazar,
Ambala Cantt.
Now H. No. 407/Ward No. 25,
(Old No. 196-L),
Model Town,
Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 407/Ward No. 25, Model Town, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3613 dated 21-11-1980 with the Sub Registrar, Rohtak.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 8-7-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK
Rohtak, the 14th July 1981

Ref. No. TNS/29/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 share of Saraswati Service Station, situated at Ladwa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thanesar in November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Surinder Kumar
S/o Shambu Dayal,
R/o Village & P. O. Ladwa,
Teh. Thanesar.

(Transferor)

(2) S/Shri Rajbir Dharam Bir
S/o Shri Harbans Lal,
R/o Village Jandhera
now C/o M/s. Saraswati Service Station,
Radaur Road,
Ladwa,
Teh. Thanesar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being half share of Saraswati Service Station situated at Ladwa and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3367 dated 5-11-1980 with Sub-Registrar, Thanesar.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-7-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Rameshwari Dass
S/o Natha Ram,
R/o Village & P. O. Ladwa.

(Transferor)

(2) S/Shri Sat Pal and
Harpal
S/o Shri Harbans Lal,
R/o Jandhera now
C/o M/s. Saraswati Service Station,
Radaur Road,
Ladwa,
Teh. Thanesar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 14th July 1981

Ref. No. TSR/31/80-81.—Whereas J. G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 share of Saraswati Service Station situated at Ladwa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thanesar in November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being half share of Saraswati Service Station situated at Ladwa and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3366 dated 5-11-1980 with the Sub Registrar, Thanesar.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-7-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Vijay Gopal Beri
S/o Shri Bais Gopal,
Kaithal

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash
S/o Shri Hemta Ram Dhingra
House No. 154/14, Kaithal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 20th July 1981

Ref. No. KTF/18/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 155/14 situated at Kaithal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kaithal in November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

Property being house No. 154/14 situated at Kaithal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3003 dated 23-11-1980 with the Sub Registrar, Kaithal.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid excesses the apparent consideration therefor by more than of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-7-1981
Seal :